रांची, शनिवार
27.07.2024
वर्ष : 9, अंक : 236 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रभात झा का निधन, मोदी, शाह समेत कई नेताओं ने जताया शोक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और जे पी नड्डा सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं ने शुक्रवार को वरिष्ठ नेता प्रभात झा के निधन पर शोक जताया और पार्टी संगठन को मजबूत करने में उनके योगदान की सराहना की। राज्यसभा के पूर्व सदस्य प्रभात झा का शुक्रवार सुबह गुरुग्राम के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 67 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से बीमार थे। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में झा के निधन शोक जताते हुए कहा, मैंने उनकी कार्यशैली को बहुत करीब से देखा है कि संगठन को सशक्त बनाने में उन्होंने किस प्रकार सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, जनसेवा के अपने कार्यों के साथ ही उन्होंने पत्रकारिता और लेखन के क्षेत्र में भी अमूल्य योगदान दिया। शोक की इस घड़ी में उनके परिजनों और प्रशंसकों को मेरी संवेदनाएं।

राहुल को मिला नया बंगला, प्रियंका देखने पहुंचीं

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता विपक्ष बनने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अब नया बंगला दिया जा रहा है। विपक्ष के नेता को कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त होता है। ऐसे में हाउस कमेटी ने कांग्रेस नेता को बंगला नंबर 5, सुनहरी बाग रोड की पेशकश की है। आज उनकी बहन प्रियंका गांधी ने उन्हें आवंटित किए जा रहे बंगला का दौरा किया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी वर्तमान में अपनी मां सोनिया गांधी के साथ उनके 10 जनपथ वाले आवास में रह रहे हैं। 2004 में सांसद बनने के बाद से राहुल गांधी 12 तुगलक लेन स्थित अपने आवास पर रह रहे थे। पिछले साल मानहानि के एक मामले में दोषी ठहराये जाने के बाद उनकी सदस्यता चली गई थी। इसके बाद उन्हें अपना यह आवास खाली करना पड़ा था। हालांकि बाद में सदस्यता बहाल होने के बाद उन्हें बंगला वापस मिल गया था लेकिन वे उसमें रहने नहीं गए।

मुख्यमंत्री ने झारखंड विधानसभा परिसर में आयोजित 75 वां राज्यव्यापी वन महोत्सव में हुए शामिल

पर्यावरण संतुलन के लिए हम सभी कदम से कदम मिलाकर चलें : हेमंत

बिभा संवाददाता

रांची : पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तभी हम सुरक्षित रहेंगे। अगर पेड़- पौधे नहीं होंगे तो प्राणियों पर खतरा उत्पन्न हो जाएगा। भविष्य में ऐसी स्थिति पैदा नहीं हो, इसके लिए पर्यावरण का संरक्षण नितांत आवश्यक है। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन झारखंड विधानसभा परिसर में आयोजित 75 वां राज्यव्यापी वन महोत्सव को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए सभी को कदम से कदम मिलाकर चलने की जरूरत है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री और अन्य अतिथि गणों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दोहराया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 75 वर्षों से हम वन महोत्सव मनाते आ रहे हैं। आप इस बात से अंदाजा लगा सकते हैं कि शुरूआत के वन महोत्सव में जो पौधे लगे होंगे, वे वर्तमान समय में किस स्थिति में होंगे। वन महोत्सव सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि पर्यावरण को सुरक्षित करने का एक बड़ा अभियान है। ऐसे में हम सभी ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने का संकल्प लें, ताकि पर्यावरण में जो असंतुलन पैदा हो रहा है उसे नियंत्रित कर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल- जंगल और जमीन झारखंड की पहचान रही है। एक ऐसा भी वक्त था, जब राज्य में चारों ओर घने जंगल थे। हर तरफ हरियाली ही हरियाली थी। उसे दौरान यहां वृक्षारोपण की कोई जरूरत नहीं पड़ती थी। लेकिन, जैसे-जैसे विकास की ओर बढ़ते गए, जंगलों पर खतरा पैदा होता गया। उद्योग -धंधे का विस्तार, बड़े पैमाने पर खनन कार्य होने और, पूल -पुलिया सड़कों का जाल बिछने समेत कई अन्य कारणों से बड़े पैमाने पर पेड़ काटे गए। जहां जंगल हुआ करते थे, वहां कंक्रीट के जंगल बन गए। प्राकृतिक व्यवस्था में हस्तक्षेप का सीधा असर पर्यावरण पर पड़ा। प्रकृति का संतुलन बिगड़ने से आज हमें तरह-तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अगर नहीं चेते तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा। ऐसे में ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने के लिए सभी को आगे आना होगा, तभी पर्यावरण के साथ अपने जीवन को सुरक्षित रख पाएंगे।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री रबीन्द्र नाथ महतो, मंत्री श्री रामेश्वर उरांव, श्री इरफान अंसारी एवं श्री मिथिलेश कुमार ठाकुर, कई विधायकगण, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार, पीसीसीएफ श्री संजय श्रीवास्तव समेत कई वरीय पदाधिकारी मौजूद थे।

दुनिया की सबसे ऊंचाई पर 1681 करोड़ से बनेगी शिंकुला टनल, पीएम ने किया वर्चुअली शुभारंभ

एजेंसी

मनाली : दुनिया की सबसे ऊंचाई पर बनने वाली शिंकुला टनल का शुक्रवार को कारगिल से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली शुभारंभ किया। लद्दाख की ओर शिंकुला टनल के नॉर्थ पोर्टल में पहले ब्लास्ट से कार्य की शुरूआत हुई। बीआरओ की योजक परियोजना ने निर्माण कार्य की तैयारियां पूरी कर ली हैं, केंद्र सरकार ने 2 साल पहले ही योजक परियोजना का गठन किया है। इससे पहले इस परियोजना ने देश की महत्वपूर्ण 9 किलोमीटर लंबी टनल को तैयार किया है। शिंकुला टनल लद्दाख और हिमाचल को कनैक्टीविटी देगी। 16580 फुट की ऊंचाई पर बनने वाली इस टनल की लंबाई 4.1 किमी होगी। बीआरओ की मानें तो टनल पर 1681 करोड़ रुपए खर्च स्वीकृत होंगे। सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस टनल से पाक और चीन सीमा तक भारतीय सेना की पहुंच आसान होगी। टनल बनने से मनाली-कारगिल और मनाली-लेह सामरिक मार्ग के बीच 12 महीने सेना के साथ आम लोगों और पर्यटक वाहनों की आवाजाही होगी। यह टनल सामरिक महत्व के लिहाज से चीन और पाकिस्तान की सीमा तक भारतीय सेना को पहुंचने के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प होगा। बीआरओ योजक परियोजना के चीफ आरके शाह ने बताया कि इस टनल का निर्माण 3 साल के भीतर पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि टनल के निर्माण से लेह-लद्दाख की जांस्कर घाटी के लोगों को राहत मिलेगी तथा सेना के लिए भी यह सड़क सुरक्षित व आरामदायक होगी।

बिहार के दरभंगा में एम्स निर्माण को केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

पटना। बिहार के दरभंगा जिले में एम्स का निर्माण शोभन स्थित बायपास के पास स्थित प्रस्तावित जमीन पर ही होगा। केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने इसकी मंजूरी दे दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बिहार सरकार को पत्र लिखकर जल्द से जल्द भूमि को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। राज्यसभा सदस्य संजय झा ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी है। जदयू सांसद संजय झा ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी है कि केंद्र सरकार ने प्रस्तावित जमीन पर ही एम्स के निर्माण के लिए सहमति दे दी है। उन्होंने लिखा है कि हमें शेयर करते हुए खुशी है कि दरभंगा में एम्स निर्माण के लिए राज्य सरकार द्वारा शोभन-एकमी बाईपास के निकट प्रस्तावित भूमि का सर्वेक्षण करने 18-19 मार्च 2024 को दरभंगा आई केंद्र सरकार की तकनीकी टीम ने अपनी रिपोर्ट में उक्त भूमि को एम्स निर्माण के लिए उपयुक्त बताया है। इसके बाद केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने प्रस्तावित भूमि पर एम्स के निर्माण को मंजूरी दे दी है। उन्होंने लिखा है कि इस मंजूरी के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा डी तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति अपनी ओर से तथा संपूर्ण मिथिलावासियों की ओर से कोटि-कोटि आभार प्रकट करता हूं। हमें विश्वास है, दरभंगा में एम्स का निर्माण अब जल्द शुरू होगा।

विधानसभा की कार्यवाही 29 जुलाई पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित

रांची। झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र शुक्रवार से शुरू हो गया। विधानसभा स्पीकर रवींद्रनाथ महतो ने सदन को संबोधित किया। शोक प्रकाश शुरू हुआ, जिसमें राज्य समेत देश में बीते सत्र से अब तक दिवंगत हुए राजनेताओं, सामाजिक कार्यकताओं, खिलाड़ीयों और कलाकारों समेत अन्य गणमान्यों के प्रति सदन में शोक व्यक्त किया गया। विधानसभा स्पीकर, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी समेत कई विधायकों ने शोक प्रकाश पेश किया। इसके बाद सदन को सोमवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

ईडी ने जमीन कारोबारी कमलेश को किया गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। जमीन कारोबारी कमलेश को पूछताछ के बाद ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार की दोपहर कमलेश एयरपोर्ट रोड स्थित ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचा था। ईडी ने उससे लगभग छह घंटे तक पूछताछ की। ईडी के सवालों का कमलेश स्पष्ट रूप से जवाब नहीं दे पाये तो ईडी ने उसे गिरफ्तार कर लिया। ईडी कमलेश को शनिवार को पीएमएलए कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेगी।

जमीन कारोबारी कमलेश 19 जुलाई को भी ईडी ऑफिस में पेश नहीं हुआ था। उसे पांच समन जारी हो चुके थे। इसके बाद छठा समन जारी करते हुए उसे 26 जुलाई को दिन के 11:00 बजे तक रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में हाजिर होने का निर्देश दिया गया था।

उल्लेखनीय है कि बीते 21 जून को ईडी की टीम ने उसके किराए के फ्लैट में छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान एक करोड़ रुपए कैस और राइफल की 100 गोलियां जब्त की गयी थीं। इसके बाद ईडी के अधिकारियों के आग्रह पर रांची के कांके थाना में कमलेश के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी।

एनटीए ने नीट-यूजी 2024 का संशोधित परिणाम घोषित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शुक्रवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा नीट (यूजी) - 2024 का पुनः संशोधित परिणाम घोषित कर दिया। इसमें शीर्ष रैंक पाने वालों की संख्या घटकर अब 17 रह गई है। इससे पहले, ऑल इंडिया रैंक होल्डर्स (एआईआर) की संख्या 67 थी, उनमें से छह को निरीक्षक की गलतियों के कारण परीक्षा के दौरान खोए समय के लिए अतिरिक्त अंकों के साथ मुआवजा दिए जाने के कारण सूची में रखा गया था।

आज जारी संशोधित नीट यूजी मेरिट सूची के अनुसार, 17 छात्र शीर्ष रैंकर्स सूची में हैं, उनमें सबसे अधिक चार राजस्थान से हैं, तीन महाराष्ट्र से, दो-दो दिल्ली और उत्तर प्रदेश से जबकि एक-एक बिहार, पंजाब, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, चंडीगढ़ और केरल से हैं। इन 17 में से चार महिला उम्मीदवार हैं।

झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत जोड़ी जायेंगी 48 लाख महिलाएं

बिभा संवाददाता

रांची। हेमंत सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए एक नई योजना की शुरूआत कर दी है। इस योजना के तहत शुरूआती दौर में अड़तालीस लाख महिलाओं को जोड़ने की योजना पर काम किया जा रहा है। झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना (जेएमएमएसवाइ) सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है।

क्या है योजना

झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना हेमंत सरकार का महिला आत्मसम्मान को बढ़ावा देने के लिए एक कारगर कदम है जिसमें 21 से 50 वर्ष की महिलाओं को रोजमर्रा की जरूरत को ध्यान में रखते हुए 1000 प्रतिमाह की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। योजना के तहत प्रत्येक माह की 15 तारीख तक सरकार बहनों के एकल लिंक्ड बैंक खाते में राशि क्रेडिट करेगी।

किसे मिलेगा लाभ

इस योजना के तहत लाभुकों के लिए पात्रता को सरल रखा गया है। आवेदिका झारखंड की निवासी हों उनकी आयु 21 वर्ष से अधिक एवं 50 वर्ष से कम की हो। आवेदिका का आधार लिंक्ड सिंगल (एकल) बैंक खाता हो, जिनका बैंक खाता आधार लिंक्ड नहीं है वे भी योजना का लाभ दिसम्बर - 2024 तक उठा सकतीं हैं। मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड हो। आवेदिका का परिवार झारखंड राज्य के अंत्योदय अन्न योजना(पीला रंग का राशन कार्ड), पूर्वविक्ता प्राप्त गृहस्थ कार्ड (गुलाबी रंग का राशन कार्ड) राशन कार्ड (सफेद रंग का राशन कार्ड)/हरा रंग का पृथक राशन कार्ड धारी हो।

क्या है सरकार की मंशा

हेमंत सरकार ने हाल के दिनों में महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके आर्थिक सुदृढ़ीकरण के लिए कई योजनाओं को पेश किया। इन योजनाओं में महिलाएं केंद्र बिंदु थी और उनके आर्थिक उन्नयन का का विशेष ख्याल रखा गया था। खासकर गरीब तबके की महिलाओं को केंद्रित कर योजनाएं बनाई गई थी, स्कूल जाने वाली बच्चियों के लिए योजना थी, साथ ही घरेलू महिलाएं जो छोटे-मोटे कामकाज करना चाहती थी उन्हें भी कैसे सहायता मिले इसका विशेष ध्यान रखा गया था इन योजनाओं से काफी फायदा भी हुआ जो योजना चली उनमें से प्रमुख है।

महिला सशक्तिकरण और उनसे केंद्रित हेमंत सरकार के जरिये चलाई जा रही योजनाएं

सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना: जिसमे आठवीं कक्षा से बारहवीं कक्षा तक तथा 18/19 वर्ष की बेटियों को आर्थिक सहायता दी जाती है। योजना के तहत कुल 40 हजार रुपये तक की आर्थिक सहायता मिलती है।

पलाश ब्रांड: राज्य की सखी मण्डल की महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन और उनके द्वारा निर्मित उत्पाद को बाजार बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पलाश ब्रांड को शुरू किया गया। पलाश ब्रांड से सखी मण्डल की करीब दो लाख महिलाएं जुड़ी हैं।

फूलो झानो आशीर्वाद अभियान: मजबूरी में हाड़िया/शराब बिक्री और निर्माणकार्य से जुड़ी महिलाओं को सम्मानजनक आजीविका उपलब्ध कराने के उदेश्य से योजना संचालित की गई है। ऐसी महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन के लिए 50 हजार तक की सहायता राशि प्रदान की जाती है। योजना से 32 हजार से अधिक महिलाओं को लाभ हुआ है। महिलाएं सम्मानजनक आजीविका से जुड़ीं।

बैंक क्रेडिट लिंकेज : सखी मंडल से जुड़ी महिला समूह को बैंक क्रेडिट लिंकेज से सहायता प्रदान की गई। ताकि वे अपने लिए स्वरोजगार का मार्ग प्रशस्त कर सकें। 2021 से पूर्व तक 640 करोड़ रुपए समूहों को बैंक क्रेडिट लिंकेज के जरिए दिया था, वहीं विगत साढ़े चार वर्ष में 1 लाख 40 हजार समूहों को लगभग 8,250 करोड़ रुपए की राशि बैंक क्रेडिट लिंकेज की गई।

झारखंड हाई कोर्ट ने हिमांशु को राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष पद से हटाए जाने के आदेश पर लगाई रोक

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने हिमांशु शेखर चौधरी को राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष पद से हटाए जाने के राज्य सरकार के आदेश पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान राज्य सरकार को आदेश दिया कि इस पद पर अगले आदेश तक किसी की नियुक्ति न की जाए। सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि हिमांशु शेखर चौधरी की नियुक्ति राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष के रूप में फरवरी 2021 में पांच वर्षों के लिए हुई थी लेकिन जुलाई 2024 में उन्हें बिना किसी शोकाज और कार्रवाई के बर्खास्त कर दिया गया था। राज्य सरकार की ओर से उनको हटाने का कारण विभाग को आय-व्यय की विवरणी समर्पित नहीं करना बताया गया था।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि हिमांशु शेखर चौधरी केंद्र और राज्य सरकार के कानून में जो भी योग्यता की शर्तें हैं उसमें से कोई बिंदु इनके मामले में लागू नहीं होता है। वे इस पद के योग्य हैं। उन्हें बिना शोकाज नोटिस के हटाया जाना नैसर्गिक न्याय के विरुद्ध है। इस पर कोर्ट ने उनके बर्खास्त किए जाने के आदेश पर स्थगन आदेश पारित करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि अगले आदेश तक राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष पद पर किसी की नियुक्ति नहीं की जाए। मामले में राज्य सरकार की ओर से कोर्ट से समय की मांग की गई।

संक्षिप्त खबरें

बीएड कालेज में शहीद जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

मांडर(बिभा)। प्रखण्ड स्थित भारथी ग्रूप ऑफ इस्ट्रीच्यूसन कन्दरी, माण्डर शुक्रवार को अधीन कारगिल बलिदान दिवस के अवसर पर शहीद जवानों को श्रद्धांजली अर्पित किया गया है। तथा छात्र/छात्राओं को कारगिल युद्ध में भारत के विजय एवं भारतीय जवानों के बहादुरी पूर्ण कारनामों के संबंध में विस्तार रूपसे जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में बी०एड०, डी०एल०एड० के प्राचार्य एवं व्याख्याता, कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में दो मिनट को मौन धारण कर शहीदों को श्रद्धांजली भी दी गई तथा शहीद जवानों के चित पर पुष्प भी समर्पित किया गया। इस अवसर पर छात्र/छात्राओं द्वारा भी अपना-अपना विचार व्यक्त किया गया।

संत अन्ना परिसर मांडर में धूम धाम से मना स्थापना दिवस

मांडर(बिभा) : प्रखण्ड स्थित शुक्रवार को संत अन्ना परिसर मांडर में धूम धाम से संत अन्ना धर्म समाज का स्थापना दिवस मनाया गया। मौके पर संत अन्ना परिसर के संत अन्ना इंटरमीडिएट कॉलेज, संत अन्ना कान्वेंट स्कूल मांडर , संत अन्ना हाई स्कूल, और मिडिल स्कूल के छात्र- छात्राओं ने मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। साथ ही पिछली परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र - छात्राओं कि सम्मानित भी किया गया। मौके पर संत अन्ना इंटरमीडिएट कॉलेज कि प्रचार्या सिस्टर निर्मला ज्योति कच्छप ने कहा कि संत अन्ना धर्म समाज कि स्थापना आज के ही दिन मांडर के सुदूरवर्ती गाँव सरगाव से होकर आज झारखण्ड सहित कई राज्यों में विस्तारित होकर शिक्षा के क्षेत्र में सेवा दें रहा है यह एक धर्म बहनों का समाज है और हमारे लिए सौभाग्य है कि ईश्वर ने हमें इस सेवा कार्य के लिए चुना है।कार्यक्रम को सफल बनाने में संत अन्ना कान्वेंट कि प्रचार्या अलैक्सीया बेक, हाई स्कूल कि प्रचार्या मैरी तिर्की, मिडिल स्कूल कि प्रचार्या ज्योति जसिंता मिंज, अनिल खलखो, सुमन तिर्की, बोनीफस एक्का, प्रीति कुजूर, सहित सभी शिक्षक - शिक्षिकाओं का विशेष योगदान रहा।

खेल सामग्री वितरण कर युवा खिलाडियों को बेहतर बनाने का लिया संकल्प

खूब गावो, खूब नाचो, खूब खेलो और खूब पढ़ोः डॉ. परमेश्वर भगत

चान्हो(बिभा): चान्हो प्रखंड के ग्राम बछऊ में खिलाड़ियों के बीच फुटबॉल, जर्सी एवं बूट का वितरण किया।डॉ. परमेश्वर भगत ने खिलाड़ियों को कहा की स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवासी होता है और शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खेल कूद जरूरी है। मौके पर कृष्ण देव उरांव, सुकरा उरांव, लालदेव उरांव, प्रवीण उरांव, सुनील उरांव, अमित उरांव, सुखदेव उरांव एवं वासुदेव भगत मौजूद रहे।

मनीष साहू के घर से कलेशर महतो के घर तक का बना रोड

मांडर(बिभा) : प्रखंड स्थित शुक्रवार को मुड़मा पंचायत एन एच 39 से मनीष साहू के घर से कलेशर महतो के घर तक का रोड को प्रखंड के उप प्रमुख अमानत अन्सारी, जिला परिषद प्रतिनिधि जगराम उरांव, मुड़मा पंचायत के मुखिया बंधन उरांव और उप मुखिया सुरेश उरांव के सहयोग से रोड को बनाया गया, इस रोड के बन जाने से ग्रामीणों को आने जाने मे काफी सहूलियत होंगी, रोड बन जाने पर ग्रामीणों ने सभी प्रतिनिधियों का आभार प्रकट किया। मौके पर चमरा उरांव, आशिक अन्सारी, अर्जुन महतो अनिल तिर्की समेत बहुत से लोग मौजूद थे।

सिल्ली में स्कूल की शिक्षिका ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

सिल्ली(बिभा) : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत अरुणुमा मॉडर्न पब्लिक स्कूल सिल्ली की शिक्षिका भेनीषा हेम्ब्रम उम्र करीब 30 वर्ष ने अपने कमरे के अंदर साड़ी को फंदा बनाकर फांसी लगाई ।मृतिका स्थायी रूप से लोवाडीह चौक रांची की रहने वाली थी। मृतिका लगभग 3 वर्षों से मॉडर्न पब्लिक स्कूल में शिक्षक के रूप में सेवा दे रही थी और वर्तमान में स्कूल प्रबंधन के द्वारा उपलब्ध कराए गए कमरे में रह रही थी। घटना की जानकारी उस समय मिली जब उनके सहयोगी शिक्षिका ममता सिंह जो मृतिका के बगल कमरे में रहती है ।उन्होंने विद्यालय चलने के लिए आवाज लगाई ।परंतु कमरे के अंदर से कोई आवाज नहीं आने पर तथा दरवाजा अंदर से बंद होने की सूचना विद्यालय प्रबंधन को दी। तत्पश्चात घटना की सूचना मृतिका के परिजनों एवं सिल्ली पुलिस को दिया गया। पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से उतार कर एवं पंचनामा कर पोस्टमार्टम हेतु रिम्स रांची भेज दिया। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है ।पुलिस मामले को लेकर छानबीन में जुट गई है ।

आधुनिक कलाकारों का चित्रकला, ड्राइंग और मूर्तिकला प्रदर्शनी का सम्पन्न

नई दिल्ली/रांची। इंडिया हैविटेट सेन्टर, लोधी रोड, नई दिल्ली में चार दिवसीय बहुप्रतीक्षित कला प्रदर्शनी, समकालीन, आधुनिक कलाकरों का समूह, चित्रकला, ड्राइंग और मूर्तिकला (22 आर्ट स्ट्रीट) का सफलतापूर्वक समापन सम्पन्न हुआ।

इस प्रदर्शनी में देश, विदेश से काफी लोग आए। इस प्रदर्शनी में सम्मानित मुख्य अतिथियों का स्वागत किया गया, जिसमें हेंमडोयल डिलम, माननीय मुख्य अतिथि और मारीशश गणराज्य के उच्चायुक्त श्री जाविद काकरु, शिक्षाविद्, सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्त्ता, लंदन यूनाईटेड किंगडम, पद्म श्री जितेन्द्र सिंह शन्टी, शहीद भगत सिंह सेवा दल इत्यादि यह आयोजन असाधारण रूप से विशेष रहा है। इस प्रदर्शनी में बंगाल के 22 बेहद् प्रतिभाशाली कलाकारों की कृतियाँ प्रदर्शित की गई जो अपनी मनमोहक पेंटिंग रेखाचित्र और मूर्तियों से आपकी इंद्रियों को मोहित कर देंगे। ये कृतियाँ इस क्षेत्र की समृद्ध कलात्मक विरासत को दशार्ती हैं। सबसे बेहतरीन में से एक, वप्पादिल रॉय चौधरी, अपनी रचनात्मक प्रक्रिया के बारे में जानकारी साझा करते हैं। कैनपास पर ऐक्रेलिक से बनी उनकी पेंटिंग के भीतर विभिन्न कलात्मक तत्वों के नाजुक संतुलन और समन्वय पर जोर देती है। वप्पादित्य रंग, रुप और बनावट को सामंजस्यपूर्ण रचनाओं में मिलाते हैं। जोशीला ऊर्जा के साथ, वे कैनवास पर रंग लगाते हैं, जिससे एक जीवंत अर्न्तक्रिया बनती है। एक साथ कई टुकड़ों पर काम करते हुए, वे विविध दिशाओं की खोज करते हैं। चुनौती जीवंत लेकिन सुसंगत सार को जगाने के तत्वों को संतुलित करने में है।

उनकी पेंटिंग का उद्देश्य व्यक्तिगत रुप से प्रतिध्वनित करना है। दर्शकों को उनकी कहानियों की व्याख्या करने के लिए आमंत्रित करना है। निडरता से संभावनाओं को नेविगेट करते हुए, वे कला के माध्यम से एक गहरा संबध स्थापित करने का प्रयास करते हैं। एक ऐसा दर्पण जो मानव विविधता को दशार्ता है और रचनात्मक के संवाद में भागीदारी को आमंत्रित करता है। प्रदर्शनी समन्वयकः श्री एस-के- सफिक हम कला प्रेमियों, आयोजकों और हजारों की संख्या में आम जनता को आमंत्रित किया एवं इस समकालीन कला के उत्सव में शामिल किया।

इस प्रदर्शनी में सबसे वेहतरीन कलाकारों में एक, बप्पादित्य रॉय चौधरी, अपनी रचनातम्क प्रक्रिया के बारे में सबसे जानकारी साझा किया। इस प्रकार यह बहुप्रतीक्षित कला प्रदर्शनी बहुत ही सफल आयोजन रहा।

सुदेश महतो ने मैट्रिक एवं इंटर के 835 छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

बिभा संवाददाता

राहे। प्रखंड क्षेत्र के डोमनडीह स्कूल मैदान में गूंज परिवार के तत्वावधान में मेधा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। वर्ष 2024 में मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में सफलता का परचम लहराने वाले राहे प्रखंड के 835 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व उपमुख्यमंत्री सह विधायक सुदेश महतो, बीडीओ मनोज महथा, बीईईओ शांति मुनि तिर्की एवं अन्य अतिथियों ने प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट प्रमाण पत्र और पुरस्कार तथा प्रखंड टॉपर हाई स्कूल राहे के श्रुति कुमारी और पर्वतीय दुर्गम हाई स्कूल जाराडीह के धीरज कुमार महतो को टैबलेट देकर तथा उनके अभिभावकों को शॉल देकर सम्मानित किया गया। वहीं प्रखंड के सभी विद्यालयों में मैट्रिक एवं इंटर के टॉपर को उत्कृष्ट प्रमाण पत्र,

पुरस्कार उनके अभिभावकों को शॉल देकर सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए सुदेश कुमार महतो ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों द्वारा शहर के बच्चों की तुलना में अपने आप को खड़ा करना एक चुनौती है। हमारे ग्रामीण परिवेश के छात्रों ने इन चुनौतियों को स्वीकार कर एक उदाहरण पेश किया है। तमाम बाधाओं के बावजूद क्षेत्र के होनहार विद्यार्थियों ने कामयाबी की नई कहानी लिखी है। इसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं। लेकिन हमें यहीं नहीं रुकना है। यह महज एक पड़ाव है, हमें ह्लपढ़ेगा सिल्ली बढ़ेगा सिल्लीह्व शिक्षा के महाअभियान को और आगे ले जाना है। बेहतर कल को आकार देने के लिए छात्रों की भूमिका अहम है। यहां के छात्रों में अपार क्षमता है। उनमें हर दिन नया सीखने आगे बढ़ाने और समाज के हालात बदलने की ललक है। वहीं उन्होंने कहा कि अपने मुकाम को पाने के लिए आप नए नजरिए से सोचें तथा नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ें। जहां जरूरत होगी वहां मैं खड़ा हूँ। आप सभी कुछ ऐसा करें जो आपके लिए, आपके परिवार तथा समुदाय में परिवर्तन की नई पहल बने। ध्यान रखें कि आप अपने छोटे और प्रभावशाली कदमों के साथ समाज में बदलाव की नींव रख सकते हैं। झारखंड आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राओं के द्वारा स्वागत नृत्य और गीत प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम का संचालन गूंज के अध्यक्ष सुनील सिंह एवं सीआरपी जगन्नाथ मुखर्जी ने किया।मौके पर प्रभारी संजय सिद्धार्थ,बबलू खान, बीपीओ प्रवीण कुमार, रंग बहादुर महतो, पशुपति महतो, भजोहरी महतो, जलेश्वर महतो, मीरा महतो, सुशांत सिंह, सुरेंद्र प्रजापति,सभी विद्यालय के शिक्षक, आजसू पार्टी के ग्राम प्रभारी, पंचायत जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

राहे प्रखंड मुख्यालय परिसर में कांग्रेस पार्टी के द्वारा जन सहायता शिविर का आयोजन

बिभा संवाददाता

राहे। प्रखंड कांग्रेस के द्वारा शुक्रवार को सोनाहातू प्रखंड मुख्यालय परिसर में जन सहायता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कांग्रेसी कार्यकताओं ने सरकार ओर से जनहित के लिए चलाए जाने वाले सभी प्रमुख योजनाओं के बारे लोगों को जानकारी दी। शिविर में प्रखंड के विभिन्न गांव से आए लोगों ने अलग अलग योजनाओं से संबंधित आवेदन दिए। शिविर से मिली जानकारी के मुताबिक सभी योजनाओं के लिए कुल 3262 आवेदन आए। हालाकि ऑन दि स्पॉट किसी भी योजना या शिकायत का निष्पादन नहीं हुआ। कार्यकताओं ने ग्रामीणों को सभी आवेदनों को प्रखंड के संबंधित विभागों से उनके काम जल्दी करवाने का आश्वासन दिया। शिविर में जिला कांग्रेस कमेटी के डॉ राकेश किरण महतो, जगदीश महतो, एडवोकेट विनोद सिंह, राहे प्रखंड अध्यक्ष राजकिशोर मुंडा, सिल्ली प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष कार्तिक चन्द्र महतो, नागेश्वर महतो, अल्पसंख्यक जिला सचिव मंजुर मोमिन, विकास रजक, राहे प्रखंड कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष त्रिलोचन महतो, ज्ञान अहीर, युवा अध्यक्ष कृष्ण अहीर, उपेन्द्र गोंझू, ललित मुंडा, राजेश्वर सिंह, मनोज यादव, त्रिलोक सिंह, नित्यानंद महतो, रमजान अंसारी, महावीर महतो आदि मौजूद थे।

सीमा सुरक्षा बल त्रैमासिक ई-पत्रिका मेरू ग्रैफिटी का विमोचन

बिभा संवाददाता

रांची : प्रशिक्षण केन्द्र एवं विद्यालय, सीमा सुरक्षा बल, मेरू कैंप, हजारीबाग में के0 एस0 बन्याल, महानिरीक्षक, प्रशिक्षण केन्द्र एवं विद्यालय द्वारा परिसर स्थित प्रशासनिक भवन कॉन्फ्रैन्स हॉल में सीमा सुरक्षा बल मेरू परिवार पर अध्ययन संकाय द्वारा संकलित व संपादित त्रैमासिक ई-पत्रिका ह्लमेरू ग्रैफिटीह्व के पंद्रहवें ई-संस्करण अवधि 11 अप्रैल 2024 से 10 जुलाई 2024 का विधिवत विमोचन किया गया। इस मौके पर राकेश रंजन लाल, उपमहानिरीक्षक (प्रशा0), राजेश कुमार, उपमहानिरीक्षक (एस0टी0एस0), डी0 के0 प्रमाणिक, उपमहानिरीक्षक (प्रशि0), सत्यवान खैंची, समादेष्टा, व प्रशिक्षण केन्द्र एवं विद्यालय के सभी अधिकारीगण उपस्थित रहे।

यह पत्रिका सीमा सुरक्षा बल के

आई0पी0पी0 नेटवर्क/ई-मेल व अन्य डिजिटल प्लेटफार्म द्वारा निर्गत की जाएगी। इस संस्करण में प्रशिक्षण केन्द्र एवं विद्यालय द्वारा गत तीन माह की अवधि में किए गए क्रियाकलापों विशेषकर प्रशिक्षण, प्रशासनिक, सांस्कृतिक, उच्च अधिकारियों का दौरा, बावा गतिविधियाँ, विभिन्न सांस्कृतिक आयोजन आदि के क्षेत्र में किये गए कार्यों में से कुछ की झलकियाँ दिखाई गई है। विदित रहे कि इस पत्रिका का चैदहवां ई-संस्करण दिनांक 31 अप्रैल 2024 को जारी किया जा चुका हैं वर्तमान संस्करण पत्रिका सभी पाठकों तक पहुंचे इसे पुनः ई-स्वरूप में जारी किया गया है।

राजू राम को मिला प्रदेश कार्यालय का अतिरिक्त प्रभार

रांची(बिभा)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी अनुसूचित जाति विभाग के चेयरमैन केदार पासवान ने रांची महानगर रांची महानगर कांग्रेस अनुसूचित जाति

विभाग के अध्यक्ष राजू राम को प्रदेश कार्यालय प्रभारी का अतिरिक्त जिम्मेवारी सौंपी है, जो तत्काल प्रभाव से प्रभावी होगा। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी अनुसूचित जाति विभाग के चेयरमैन केदार पासवान ने राजू राम के प्रति आशा व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपने कर्त्तव्यों का निर्वाहन पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी पूर्वक करते हुए अनुसूचित जाति के हितों के लिए कार्य करेंगे। साथ हीं साथ कांग्रेस की नीति-सिद्धान्तों को जन-जन तक पहुंचाकर माननीय कांग्रेस अध्यक्षा श्री मल्लिकार्जुन खड़गे जी के हाथों को मजबूती प्रदान करेंगें तथा अनुसूचित जाति विभाग में अधिक से अधिक कार्यकताओं की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए संगठन की मजबूती में अपना महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे।

स्कूल के छात्रों ने जनजातीय समुदायों की जीवन शैली प्रदर्शनी में लिया भाग

बिभा संवाददाता

२लेडी के सी रॉय मेमोरियल स्कूल के कक्षा 10 वीं एवं 11वीं के छात्रों ने ऑड्रे हाउस, कांके रोड में झारखंड के लोक एवं जनजातीय समुदायों की जीवन शैली और पारिस्थितिक परिदृश्य नामक कला प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र,संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, रांची केंद्र एवं पर्यटन, कला और संस्कृति, खेल और युवा विभाग, झारखंड सरकार के सहयोग से इस प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था।प्रदर्शनी में झारखंड के पांच प्रतिष्ठित कलाकारों - रामानुज शेखर, हिमाद्रि रमानी, हेमलता दत्ता, सी. आर. हेम्ब्रम और डॉ. भारती के संग्रह से पेंटिंग प्रदर्शित की गई

थी।इन कलाकृतियों में झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया गया था।इसके साथ ही विविध आदिवासी समुदायों की जीवन शैली और प्रकृति के साथ उनके गहरे संबंध को प्रदर्शित किया गया था।ललित कला विभाग में छात्र प्रदर्शनी देखने गए और सुंदर ब्रश स्ट्रोक और चित्रों की विचारोत्तेजक और संवेदनशील प्रकृति को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए। छात्र-छात्राएं आश्चर्यचकित थे कि कलाकारों ने उन सबसे सूक्ष्म विवरणों को भी कितनी सूक्ष्मता से देखा था जिन्हें आम इंसान देख नहीं पाता। इन कलाकारों की निपुणता ने छात्रों को अचंभित कर दिया। उन्होंने विशेषज्ञों से से कई प्रश्न पूछे जिनका उत्तर विशेषज्ञों ने देकर छात्रों की जिज्ञासाओं को शांत किया गया उपरोक्त पांच कलाकारों की कलाकृतियों के माध्यम से छात्र झारखंड की समृद्ध विरासत के साक्षी बने।

एसओई व बिएलएभी विद्यालयों में उन शिक्षकों को मौका मिले जिनका बहुत उम्दा प्रदर्शन रहा है : अनिल कुमार

बिभा संवाददाता

तमाड़। प्रखंड स्तिथ प्लस टू उच्च विद्यालय तमाड़ में शुक्रवार को झारखंड प्लस टू शिक्षक संघ रांची जिला सचिव अनिल कुमार नेटालियन के नेतृत्व में शिक्षको ने विद्यालय परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। झारखंड शिक्षा परियोजना निर्देशक आदित्य रंजन के बयान पर विरोध प्रकट करते हुये विद्यालय के शिक्षकों ने घोर आलोचना प्रकट की तथा इसके विरोध में शिक्षकों ने बिना जूता-चप्पल पहनकर विद्यालय में पठन-पाठन कार्य किया। साथ ही शिक्षकों का बीएलएभी विद्यालय तथा एसओई विद्यालयों में स्थानांतरण की जो प्रक्रिया अपनाई जा रही है, उसको भी गलत बताया। संघ के सचिव श्री अनिल कुमार नेतालियन

ने कहा शिक्षक असेसमेंट टेस्ट की प्रक्रिया बिल्कुल ही गलत है। एसओई तथा बिएलएभी विद्यालयों में उन शिक्षकों को मौका देना चाहिए जिनका विगत वर्षों में बहुत उम्दा प्रदर्शन रहा है तथा जो शिक्षक अंग्रेजी माध्यम में पठन-पाठन में सक्षम हो। शिक्षा सचिव का यह बयान भी विवादित है कि किसी भी विषय के शिक्षक कोई भी विषय पढ़ा सकते हैं जैसे हिंदी के शिक्षक अंग्रेजी, अंग्रेजी के शिक्षक संस्कृत इतिहास का शिक्षक गणित पढ़ा सकते हैं और इसके लिए वह घर से तैयारी कर-के अलग अलग विषय पढ़ाए। शिक्षा सचिव के इन बयानों से यह प्रतीत होता है कि वह झारखंड में शिक्षा के बढ़ते हुए माहौल को ध्वस्त करना चाहते हैं। मौके पर तमाड़ प्लस टू हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक कौशल कुमार झा, झारखंड प्लस टू शिक्षक संघ के जिला सचिव अनिल कुमार नेतालियन, शिक्षक तनु मिंज, डा. अजीत कुमार झा, रेणुका कुमारी, प्रियंका कुमारी, अंकित मिश्रा, राजकुमारी बारा, शिव प्रसाद महतो, कृष्णकांत मुंडा आदि उपस्थित थे।

सिल्ली विधानसभा क्षेत्र में चुनाव के लिए तैयार है तीसरा मोर्चाः डॉ0 अमित कुमार

बिभा संवाददाता

रांची : आगामी विधानसभा चुनाव के सिल्ली विधानसभा क्षेत्र से तीसरा मोर्चा (स्वतंत्र) के कार्यकर्त्ता तैयार है। सदस्यता अभियान के साथ साथ बूथ स्तरीय कमिटी भी तैयार करने में कार्यकर्ता लगे हैं। 2019 विधानसभा चुनाव के पश्चात ही तीसरा मोर्चा के कार्यकर्ता 2020 जनवरी से ही लोगो के साथ दुःख सुख में साथ रहने लगे। कोरोना काल में लोगो के बीच रहकर उनकी सेवा में कार्यकर्ता लगे रहते थे। जेएमएम(युवा)के पूर्व केंद्रीय संयुक्त सचिव रहे डॉ अमित कुमार ने झामुमो छोड़कर सिल्ली विधानसभा क्षेत्र में 2019 में पहली बार चुनाव लड़ा था, जिसमे कुछ खास नहीं कर पाए थे । उसके बाद से गांव में रहकर लोगो की सेवा में समर्पित कर दिया था। प्रत्येक गांव के खिलाड़ियों को फुटबॉल जर्सी, क्रिकेट टीम के लिए कीट का प्रबंध कराया। गांव के वृद्ध लोगो के लिए कंबल वितरित किया। साथ ही साथ बीच बीच में मेडिकल कैंप लगा कर आखों एवं शारीरिक जांच करवाते रहे। पक्ष और विपक्ष की सिल्ली विधानसभा में कार्यशैली को देखते हुए राजनीति में आने का फैसला लिया था। बढ़ते हुए कार्यकर्ता के जोश को देखते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में सिल्ली विधानसभा बहुत ही दिलचस्प होने की आशंका है।

संक्षिप्त खबरें

डीजीपी अनुराग गुप्ता को पुलिस मेंस एसोसिएशन ने दी बधाई

रांची(बिभा)। झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष कर्ण सिंह, प्रदेश महामंत्री रमेश उरांव सहित एसोसिएशन के कई पुलिस कर्मियों ने एसीबी सह सीआईडी डीजी रहे अनुराग गुप्ता को झारखंड को डीजीपी का अतिरिक्त प्रभार दिए जाने पर अनुराग गुप्ता से भेंट कर उन्हें बधाई दी। इस। मौके पर पूर्व डीजीपी अजय कुमार सिंह को झारखंड पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन लिमिटेड में पदस्थापित करने पर उन्हें भी बधाई दी गई।

रांची विमेंस कॉलेज में वोकेशनल कोर्सेज में नामांकन आरंभ

रांची(बिभा): विमेंस कॉलेज के वोकेशनल कोर्सेज में स्नातकोत्तर विभाग में नामांकन 23 जुलाई 2024 से आरंभ हो गया है। जिन विद्यार्थियों का प्राप्तांक स्नातक स्तर पर 45% है वह एमसीए, एमबीए ,एमएससी सीएनडी , एम ए इन फैशन डिजाइनिंग एवं एमएससी बायोटेक्नोलॉजी में नामांकन ले सकती हैं। एम बी ए में नामांकन के लिए CAT /MAT /XAT /ATMA /CMAT परीक्षा का एडमिट कार्ड या स्कोरकार्ड होना आवश्यक है। नामांकन साइंस ब्लॉक के वोकेशनल विभाग में लिया जा सकता है । एम ए इन एजुकेशन में नामांकन हो रहा है, बीएड उत्तीर्ण विद्यार्थी इस विषय में नामांकन ले सकते हैं। नामांकन संबंधी विशेष जानकारी साइंस ब्लॉक स्थित वोकेशनल विभाग में प्राप्त की जा सकती है। एवं यह सभी जानकारी महाविद्यालय के वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

झारखंड स्टेट रैकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप का हुआ शुभारंभ

रांची(बिभा): दूसरी झारखंड स्टेट रैकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ. प्रतियोगिता का आयोजन रांची के गुरुनानक हायर सेकेंडरी स्कूल में किया जा रहा है. तीन दिवसीय इस चैंपियनशिप का उद्घाटन मुख्य अतिथि जेएससीए के अध्यक्ष संजय सहाय ने किया. वहीं वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में स्कूल के प्रेसिडेंट कुलतार सिंह, झारखंड स्टेट टेबल टेनिस एसोसिएशन (जेएसटीटीए) के मुख्य संरक्षक जय कुमार सिन्हा, अध्यक्ष जितेंद्र सिंह, सचिव समरजीत सिंह मौजूद रहे. इस चैंपियनशिप में झारखंड के 12 जिलों के लगभग 200 प्रतिभागी विभिन्न श्रेणियों में ट्रॉफी उठाने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे. जेएसटीटीए के समर जीत सिंह ने मेहमानों का स्वागत किया. साथ ही कारगिल विजय दिवस के मौके पर भारतीय सैनिकों की जीत की बहादुरी और बलिदान का सम्मान करने के लिए राष्ट्रगान गाया गया और दो मिनट का मौन रखा गया. कार्यक्रम के दौरान प्रिंसिपल डॉ. कैप्टन सुमित कौर, स्कूल की वाइस प्रिंसिपल सोनिया कौर, एस. हरमीत सिंह, रांची टेबल टेनिस एसोसिएशन के सचिव सुदीप्ता मुखर्जी समेत विद्यालय के सचिव एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

कैमरून से लौटे प्रवासी मजदूरों को सरकारी योजनाओं से किया जाएगा आच्छादित

रांची(बिभा): कैमरून, दक्षिण अफ्रिका से लौटे झारखण्ड के 27 प्रवासी मजदूरों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से आच्छादित किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन ने इस संदर्भ में निर्देश दिए हैं। योजनाओं से आच्छादित कार्यों को सफल रूप से पूर्ण करवाने हेतु श्री राजेश प्रसाद, संयुक्त श्रमायुक्त, झारखण्ड, राँची (मोबाईल सं०-9431344109) को नोडल पदाधिकारी के रूप में नामित करने की अनुशंसा की है। श्री प्रसाद पत्र प्राप्ति के 72 घंटे के भीतर संबंधित जिले में जाकर उपायुक्त, जिला कौशल विकास पदाधिकारी एवं श्रम अधीक्षक से सम्पर्क स्थापित कर कार्य योजना तैयार कर इस कार्य को पूर्ण करायेंगे। श्रमायुक्त, झारखण्ड इस कार्य की प्रतिदिन समीक्षा कर अधोहस्ताक्षरी को अवगत करायेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

सदर अस्पताल ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक को किया पूरा

रांची(बिभा): रांची सदर अस्पताल ने देश भर के राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक को पूरा करते हुए जिला अस्पतालों के उच्च श्रेणी में 95% के साथ अपना नाम दर्ज करा लिया है. राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र ने सदर अस्पताल के 11 विभागों आकस्मिक सेवा, आईसीयू, आईपीडी, फामेर्सी, मेटरनिटी वार्ड, ब्लड बैंक, एसएनसीयू, पीपी यूनिट और पीडियाट्रिक वार्ड जनरल एडमिन 95% अंक के साथ राष्ट्रीय स्तर के एनक्यूएएस के मानक को पूरा कर लिया है. साथ ही भारत सरकार के द्वारा लक्ष्य सर्टिफिकेशन लेबर रूम और शल्य कक्ष को 95.2% अंक के साथ गुणवत्ता प्रमाणित किया गया है. झारखंड के पूर्वी सिंहभूम से पांच, खूंटी से एक एवं रामगढ़ से एक आयुष्मान आरोग्य मंदिर ने 88% अंक के साथ राष्ट्रीय उच्च गुणवत्ता मानक को पूरा किया है.

हेमंत-कल्पना ने दिवंगत रसोईया के परिजनों से की मुलाकात

रांची(बिभा)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन शुक्रवार को विधायक पत्नी कल्पना सोरेन संग दिवंगत लक्ष्मण छेत्री के डोरंडा स्थित आवास पर पहुंचकर शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुःख की इस घड़ी में वे उनके साथ हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने की कामना की। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री आवास में रसोईया के पद पर कार्यरत लक्ष्मण छेत्री की सड़क हादसे में मृत्यु हो गई थी।

झारखंड विधानसभा के मॉनसून सत्र के प्रथम दिन झारखण्ड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री रामेश्वर उरांव, मुख्य सचिव एल. खियांग्ते, मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल एवं झारखंड विधानसभा के सचिव सैय्यद जावेद हैदर ने भेंट कर उनका अभिवादन एवं स्वागत किया

जनता में पुलिस के प्रति विश्वास पैदा करना एवं आंतरिक व्यवस्था सुदृढ़ करना प्राथमिकता:अनुराग

बिभा संवाददाता

रांची : अनुराग गुप्ता, भा०पु० से० के द्वारा अजय कुमार सिंह, भा०पु० से०, तत्कालीन महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, झारखण्ड, राँची से पुलिस मुख्यालय में वरीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, झारखण्ड का पदभार ग्रहण किया गया।

इस अवसर पर अजय कुमार सिंह, भा०पु०से०, को अनुराग गुप्ता, भा०पु०से०. पुलिस महानिदेशक, झारखण्ड एवं पुलिस मुख्यालय में उपस्थित सभी वरीय एवं कनीय पदाधिकारियों के द्वारा विदाई दी गयी।

अनुराग गुप्ता, पुलिस महानिदेशक, झारखण्ड ने अपने संबोधन में राज्य की जनता के प्रति अपनी प्राथमिकतायें गिनाते हुये अपराध, विधि-व्यवस्था संधारण, आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास पैदा करना एवं पुलिस की आंतरिक व्यवस्था सुदृढ़ करना, जिसमें पुलिस की बहाली, उनकी प्रोन्नति, समय-समय पर विशेष प्रशिक्षण कराने पर बल दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने संगठित अपराध, साईबर काईम, नशीले पदार्थों, महिलाओं के विरूद्ध किये जाने वाले अपराधों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करने को अपनी प्राथमिकता बताई। थानों की पुलिसिंग, पुलिस थानों में आम जनता के साथ पुलिस पदाधिकारियों के द्वारा अच्छे व्यवहार, उनकी समस्याओं का त्वरित निष्पादन, बुजुर्ग, कमजोर एवं महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाने को अपनी उच्चतम प्राथमिकता बताई।

पदभार ग्रहण के दौरान आर०के० मल्लिक, अपर पुलिस महानिदेशक, मुख्यालय, मुरारी लाल मीणा, अपर पुलिस महानिदेशक, विद्युत वितरण, डॉ० संजय आनन्द राव लाट्कर अपर पुलिस महानिदेशक, अभियान, श्रीमती सुमन गुप्ता, अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशिक्षण, श्रीमती प्रिया दुबे, अपर पुलिस महानिदेशक, झा०स०पु०. मनोज कौशिक, पुलिस महानिरीक्षक, मुख्यालय, अखिलेश झा, पुलिस महानिरीक्षक, राँची प्रक्षेत्र, राँची, अमोल विनुकांत होमकर, पुलिस महानिरीक्षक, अभियान, प्रभात कुमार, पुलिस महानिरीक्षक, विशेष शाखा, पंकज कम्बोज, पुलिस महानिरीक्षक, प्रोविजन, श्रीमती अन्नेपु विजयालक्ष्मी, पुलिस महानिरीक्षक, प्रशिक्षण, अनुप विरथरे, पुलिस उप-महानिरीक्षक, द०छो०क्षेत्र, राँची, कार्तिक एस०, पुलिस उप-महानिरीक्षक, एस०आई०बी०, नौशाद आलम, पुलिस उप-महानिरीक्षक, कार्मिक सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नवजात को डेढ़ लाख में बेचने से पहले पुलिस ने तीन महिला को किया गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची: नवजात बच्चे को डेढ़ लाख में बेचने से पहले रांची पुलिस ने तीन महिला को गिरफ्तार कर लिया. एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए सीमा देवी, पिंकी देवी और पूनम देवी को गिरफ्तार किया है. एसएसपी ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पुलिस को 24 जुलाई को जानकारी मिली थी कि रांची रेलवे स्टेशन के सिढ़ी पुल के नीचे से छः माह के नवजात बच्चे की चोरी की गई है. जानकारी मिलने के बाद एक टीम गठन किया गया. टीम ने बच्चे की सकुशल बरामदगी कर ली. पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनिकी सहयोग से चौबीस घंटे के अंदर शिशु को धुर्वा थाना क्षेत्र के सुदूर इलाके से सकुशल बरामद किया गया और तीन महिला को गिरफ्तार किया गया. एसएसपी ने बताया की पूछताछ में गिरफ्तार महिला पिंकी कुमारी द्वारा यह बताया गया कि बच्चे को उनके द्वारा डेढ़ लाख में पुनम देवी और सीमा देवी को 25 जुलाई की शाम में बेचने की योजना बनाई गई थी, जिसके पूर्व ही छापामारी कर इस योजना को विफल कर दिया गया. पूछताछ में यह भी बात आई है, कि सीमा देवी द्वारा किसी अन्य व्यक्ति से बच्चा बेचने की बात तय की गई थी, जिसके पूर्व घटना का पदार्फाश हो गया.

कोयला उद्योग के चार बड़े यूनियनों की बैठक आयोजित

बिभा संवाददाता

रांची : कोयला उद्योग के तमाम केंद्रीय संगठन सीटू,इंटक, एटक, बीयुएमएस के अध्यक्ष सचिव और उनके प्रतिनिधि की बैठक पूर्व सांसद और वरिष्ठ यूनियन लीडर रविंद्र कुमार की अध्यक्षता में सर्किट हाउस रांची में हुई. बैठक में भारत सरकार के कोयला मंत्री और कोयला राज्य मंत्री से कोयला उद्योग की समस्याओं को लेकर एक मांग पत्र तैयार किया गया. इस मौके पर बेरमो विधायक और इंटक नेता अनूप सिंह ने कहा कि कल इंडिया दो भाग में देश में काम करता है एक कोयला मंत्रालय और दूसरा कोयला कोल इंडिया काम करती है. राष्ट्रीय हित पर कोयला मंत्रालय के मंत्री और राज्य मंत्री को एक मांग पत्र सौंपेंगे. बैठक में तय की गई मांग कोयला उद्योग के निजीकरण को पूरी तरह से रोका जाए. एमडीआर एक्ट के अनुसार कोयला मंत्रालय कम करें. कोयला रिवेन्यू शेयरिंग पर कोल माइनिंग का आवंटन कॉल इंडिया कर रही है जिसमें कोयला बेचने उसका दाम तय करने का अधिकार भी उसी कंपनी को दिया जा रहा है इसे तुरंत रोका जाए. कोयला उद्योग के सीएसआर फंड में कोल इंडिया के यूनियन की भागीदारी तय हो । सिक्स्थ टर्म एम्पलाई पूरी तरह से बंद हो,और कोयला उद्योग के रिक्त पदों में स्थाई नियुक्ति किया जाए. ठेका मजदूरों को उसके एक माह के सैलरी के बराबर बोनस की सुविधा दी जाए. कोयला उद्योग के मजदूर जो किसी कारण से अस्वस्थ हो जाते हैं उनके परिवार के आश्रित आश्रितों को नौकरी देने का प्रावधान था जिसे बाद में बंद कर दिया गया उसे फिर से चालू किया जाए. कोल इंडिया देश का एक नवरत्न रहा है कोल इंडिया के निर्माण में यूनियन,सरकार, रैयतों और विस्थापितों का बड़ा योगदान रहा है लेकिन उनकी नौकरी को बढ़ावा नहीं दी जाती है उसे नौकरी दी जाए. भारत सरकार ने मजदूर विरोधी लेबर कोर्ट बनाया है उसे पूरी तरह से खत्म किया जाए. कांटेक्ट मजदूर जिनकी मौत होती है उन्हें मुआवजा के अतिरिक्त 40 लाख का भुगतान किया जाए. कांटेक्ट सिस्टम में ठेका मजदूर वही रहना चाहिए भले ही ठेकेदार बदल जाए मजदूर नहीं बदला जाना चाहिए. 1 जनवरी 2017 से ग्रेजुएटी लागू किया जाए. कोयला उद्योग में जितने मजदूर पूरे देश में शामिल है सभी को सीएमपीएफ के सदस्य बनाया जाए. जेबीसीसीआई कोल इंडिया के अलावा कोयला कोयला उद्योग में जितनी भी कंपनियां है उसको इसमें शामिल किया जाए. इंडियन नेशनल माइंस वर्कर्स फेडरेशन जो इंटक से एफिलेटेड है उसके प्रतिनिधि को सभी कोयला उद्योग की कमेटी, सब कमेटी में शामिल किया जाए.

इस मौके पर बोलते हुए पूर्व सांसद रविंद्र कुमार और विधायक अनूप सिंह ने कहा कि अगर कोयला मंत्रालय हमारी मांगों को मानती है तो ठीक है और नहीं तो पूरे देश के कोयला उद्योग में एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा.

सीएमपीडीआई में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक सम्पन्न

बिभा संवाददाता

रांची : सीएमपीडीआई के कांफ्रेंस हॉल में आज नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम)-नराकास, राँची की बैठक का आयोजन निदेशक (तकनीकी/सीआरडी) शंकर नागाचारी की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर सीसीएल के निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्रा, आरडीसीआईएस (सेल) के कार्यपालक निदेशक संदीप कर तथा सीएमपीडीआई की उप महाप्रबंधक (कार्मिक एवं प्रशासन) श्रीमती सुमन रस्तोगी सहित राँची शहर स्थित लगभग 26 पीएसयू के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर नागाचारी ने कहा कि नराकास की परिकल्पना एक ऐसे संयुक्त मंच के रूप में की गई है, जहाँ आपसी विचार-विमर्श से राजभाषा कार्यान्वयन को गति दी जा सके और इसकी प्रगति के मार्ग में आने वाली बाधाओं को पारस्परिक प्रयासों से दूर किया जा सके। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सीएमपीडीआई द्वारा नराकास की बैठकों का नियमित आयोजन किया जाता रहा है। आगे उन्होंने कहा कि राजभाषा से संबंधित संवैधानिक और वैधानिक प्रावधानों के साथ साथ हिंदी में पत्राचार, राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के संबंध में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में हमें हर संभव प्रयास करना चाहिए। लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में यदि किसी समस्या का सामना करना पड़ता है तो नराकास के इस मंच का हमें उपयोग करना चाहिए। साथ ही अन्य भारतीय भाषाओं व क्षेत्रीय भाषाओं के साथ हिंदी के आदान-प्रदान, संस्थागत और व्यक्तिगत प्रयासों, तकनीकी नवाचारों तथा मिशन मोड के माध्यम से राजभाषा कार्यान्वयन को गति प्रदान की जा सकती है।

इस बैठक में नराकास की वार्षिक पुरस्कार योजना 2023-24 के अन्तर्गत सीसीएल-रांची को प्रथम, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को द्वितीय और हिंदुस्तान पेट्रोलियम को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही साथ मेकॉन और गेल द्वारा आयोजित राजभाषा प्रश्नोत्तरी और हिन्दी निबंध प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन सदस्य सचिव, नराकास रास बिहारी ने किया।

प्रदर्शनी से युवाओं में देशप्रेम की भावना विकसित होगी: कुलपति

बिभा संवाददाता

रांची। कारगिल विजय दिवस की रजत जयंती के अवसर पर केंद्रीय संचार ब्यूरो, प्रादेशिक कार्यालय रांची के द्वारा डोरंडा कॉलेज, रांची के सभागार में शुक्रवार को दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि एवं अन्य आमंत्रित अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्जवलन से की गई, इसके उपरांत सभी का शॉल, मोमेंटो, पौधा एवं प्रधानमंत्री के मन की बात के 100वें एपिसोड से संबंधित पुस्तक देकर किया गया। इससे पूर्व सभी अतिथियों के द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया एवं इसकी सराहना की गई।

मुख्य अतिथि के तौर पर उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि इस तरह की प्रदर्शनी के आयोजन का मकसद युवाओं में देश प्रेम की भावना विकसित करनी है। युवा कल के भविष्य हैं जिनके कंधों पर देश की जिम्मेदारी होगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 में भारत आजादी के 100वें साल में होगा और विकसित राष्ट्र बन चुका होगा। युवाओं को देश का इतिहास, संस्कृति और परंपरा को जानने की जरूरत है। उन्होंने सभी लोगों से प्रदर्शनी में लगी दुर्लभ तस्वीरों से सीख लेने की बात भी कही।

इससे पूर्व केंद्रीय संचार ब्यूरो एवं पत्र सूचना कार्यालय रांची के अपर महानिदेशक श्री अखिल कुमार मिश्रा ने कहा कि कारगिल विजय दिवस की रजत जयंती समारोह पूरे देश में मनाई जा रही है। यहां लगाई गई प्रदर्शनी जानकारी से परिपूर्ण है। इसमें कारगिल युद्ध के महत्वर्पूण क्षणों को तस्वीरों के माध्यम से दशार्या गया है। उन्होंने उपस्थित लोगों से पूरे परिवार के साथ प्रदर्शनी देखने आने की अपील की।

अतिथि के रूप में आमंत्रित मुख्य वन संरक्षक श्री सिद्धार्थ त्रिपाठी ने कहा कि कारगिल युद्ध की शुरूआत में ही वे प्रशिक्षण पाने देहरादून गए थे। उन्होंने दुर्गम पहाड़ियों पर भारतीय सेना के अदम्य शौर्य और साहस को काफी करीब से भी देखा है। उन्होंने कहा कि देश के लिए कुबार्नी देने जितना ही देश की उन्नति और तरक्की के लिए जीना है। देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वालों की सार्थकता तभी सिद्ध होगी जब हम अपने देश से प्यार करेंगे।

यूआईडीएआई के क्षेत्रीय निदेशक श्री नीरज कुमार ने कहा कि देश की सेवा कहीं भी रहकर की जा सकती है। अपना काम इमानदारीपूर्वक करके देश की तरक्की में योगदान दें। उन्होंने आधार के माध्यम से डिजिटल सशक्तिकरण को लेकर किए जाने वाले प्रयासों की भी जानकारी दी।

डोरंडा महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राजकुमार शर्मा ने कहा कि आज का दिन कारगिल के शहीदों को श्रद्धांजलि देने एवं उनके परिवारजनों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का पुनीत अवसर है। स्वहित और लोकहित से सर्वोपरित राष्ट्रहित होता है।

संत जेवियर स्कूल, डोरंडा के प्रधानाचार्य फादर फूलदेव सोरेन ने कहा कि आज का दिन हमारे कर्तव्यों को याद करने का भी है। हम एक दूसरे का सम्मान करें साथ ही हर किसी की मदद करना भी हमारा नैतिक दायित्व होना चाहिए।

केंद्रीय संचार ब्यूरो, रांची के कार्यालय प्रमुख श्री शाहिद रहमान के द्वारा विषय प्रवेश कराया गया एवं कार्यक्रम की गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी गई। मंच संचालन क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी श्री ओंकार नाथ पांडेय ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो. मिथिलेश कुमार के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में मेजर एम जयंथ साथ पहुंचे सूबेदार शंकर कुमार ने कारगिल की जंग के बारे में यादें साझा करते हुए कहा कि दुश्मन के आक्रमण के बाद स्थानीय नागरिकों ने जवानों की काफी मदद की। दुर्गम इलाका होने के बावजूद लोग उनके लिए खाना-पानी लेकर आते थे। सूबेदार शंकर कुमार ने सभी युवाओं से देशप्रेम और सेवा भावना रखने की बात कही।

प्रदर्शनी स्थल के समीप आधार क्षेत्रीय कार्यालय के द्वारा आधार अपडेशन स्टॉल भी लगाया गया है। यहां लोग आधार में पता, नंबर आदि अपडेट करा सकते हैं। वहीं दूसरी ओर इंडिया पोस्ट द्वारा दुर्लभ डाक टिकटों से संबंधित मिनी प्रदर्शनी लगाई गई है।

गीत एवं नाटक प्रभाग के कलाकारों के द्वारा स्वागत गीत की प्रस्तुति देने के साथ-साथ पारंपरिक तौर पर उनका अभिनंदन भी किया गया। आयोजन के समन्वय में केंद्रीय संचार ब्यूरो रांची के श्री शफीक आलम, श्री खुर्शीद आलम, श्री हृषिकेश पात्रा, श्री ओमप्रकाश राय, श्री हरि उरांव, श्रीमती जीएन मिंज, श्री श्रीकांत मोदी, श्री आकाश कुमार, सुश्री रेखा कुमारी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह चित्र प्रदर्शनी 27 जुलाई तक चलेगी। इस मौके पर डोरंडा कॉलेज के सभी शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी भी मौजूद रहे। दिनांक 27 जुलाई को प्रदर्शनी के समापन के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में शामिल हुए विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

कारगिल के 25 वर्ष पूरे होने की खुशी में पूर्व सैनिक सेवा परिषद द्वारा रजत जयंती मनाई गई

बिभा संवाददाता

बोकारो : कारगिल विजय के 25 वर्ष पूरे होने की खुशी में पूर्व सैनिक सेवा परिषद की बोकारो ईकाई द्वारा रजत जयंती समारोह की परिकल्पना के साथ, अपने शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए 26 जुलाई को शहीद उद्यान, सिटी पार्क, बोकारो में एक श्रद्धांजलि सह सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में सेल के मुख्य महाप्रबंधक कुंदन कुमार के साथ साथ अश्विनी कुमार मित्तल, आंचलिक प्रबंधक बैंक ऑफ इंडिया, पी के मिश्रा मंडल अधिकारी पंजाब नेशनल बैंक एवं माननीय संघचालक बोकारो महानगर रंजीत वर्णवालजी की उपस्थिति रही।

सर्वप्रथम मुख्य अतिथि कुंदन कुमार के आगमन पर सरस्वती विद्या मन्दिर सेक्टर 9 के घोष की टीम ने उनका स्वागत किया और अपनी धुन के साथ उनको कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाया। सभी शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। घोष ने अपने वादन से शमां बान्ध दिया। इसके बाद उपस्थित सभी ब्यक्तियों ने एक एक कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। शहीदों को याद करते हुए उनके सम्मान में दो मिनट के लिये मौन रखा गया।

कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए, अश्विनी कुमार मित्तल, आंचलिक प्रबंधक बैंक ऑफ इंडिया, ने अपने वक्तव्य में इस युद्ध के दौरान सैनिकों के योगदान की सराहना करते हुए, सैनिकों के प्रति हमेशा सम्मान का भाव रखने को कहा। उन्होंने कहा कि युद्ध मे हमारे सैनिकों ने अपने अदम्य साहस, अद्‌भुत पराक्रम, उत्कृष्ट रणकौशल, और अटूट कर्तब्यनिष्ठा को इतिहास के पन्नों में अपने से बेहतर पोजीशन पे, विभिन्न हथियारों से लैश और वो भी घात लगाए दुश्मन पर विजय के रुप में लिख दिया।

इसके तुरंत बाद अशोक ने अपने चिर परिचित अंदाज में है प्रीत जहां की रीत सदा, मैं गीत वहां के गाता हुं.. गीत से भावनाओं की बारिश करते हुए अपने उद्गगार ब्यक्त किए।

इस कार्यक्रम के पूर्व ₹कारगिल विजय-1999₹ के अवसर पर ₹परिषद की बोकारो ईकाई₹ द्वारा अपने सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला का प्रारम्भ 16 जुलाई को ही सरस्वती विद्या मन्दिर सेक्टर 3उ में, बहुउपयोगी पौधों के बृक्षारोपण का एक कार्यक्रम संपन्न कराते हुए किया गया। एक ऑन लाइन चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी जिसमें प्रथम विजेता स्नेहा कुमारी को स्मृति फलक प्रदान कर सम्मानित किया गया। आशा लता केन्द्र के दिब्यांग बच्चों की भी उपस्थिति प्रेरक रही।

कारगिल युद्ध के कुछ जन्वाजौं ने अपने यादगार पलों को साझा किया जो काफी रोमांचित करने वाला और जोश भरनेवाला था। सभी पूर्व सैनिकों के साथ-साथ अन्य उपस्थित नागरिकों के द्वारा भारत माता की जय, वंदे मातरम एवं वीर शहीद अमर रहें के नारों से आकाश गुंजायमान हो गया। कार्यक्रम में महानगर कारवाह रतन, विस्तारक सुधीर, महाराणा विचार मंच के अध्यक्ष उदय कुमार सिंह, जनसंख्या समाधान फाऊंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक कौशल किशोर, एस एन दास, विद्या भारती से जितेन्द्र, विवेक सिंह, चैतन्य श्री, रोहित लाल, अशोक कुमार वर्मा, मृगेंद्र प्रताप सिंह, चंद्रशेखर कुमार, राजेश दुबे, सजीव कुमार, जैनेंद्र कुमार, प्रशांत के साथ साथ सैकड़ो पूर्व सैनिकों और नागरिकों की भी गरिमामयी उपास्थिति थी।

शैक्षणिक-उत्कृष्टता ने डीपीएस बोकारो को बनाया एक ब्रांड, अवसरों का लाभ लें विद्यार्थी: अपर नगर आयुक्त

बिभा संवाददाता

बोकारो। दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो में 1993 बैच के मेधावी छात्र रहे झारखंड प्रशासनिक सेवा अधिकारी अनंत कुमार शुक्रवार को तीन दशक के बाद अपने पुराने विद्यालय पहुंचे। चास नगर निगम के अपर नगर आयुक्त (एएमसी) एवं बेरमो के पूर्व अनुमंडल पदाधिकारी श्री कुमार ने विद्यालय में 30 साल पहले बिताए अपने स्वर्णिम क्षण एवं स्मृतियां साझा करते हुए 11वीं एवं 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। अतिथि व्याख्यानशाला को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 10वीं के बाद विद्यार्थियों के लिए वह समय होता है जब वे अपने सपने बुनते हैं। उन सपनों को पूरा करने के लिए जरूरी है कि वे बगैर किसी के दबाव में आए अपनी क्षमता और रुचि को ध्यान में रखकर ही अपना करियर चुनें। दृढ़ निर्णय के साथ अपना लक्ष्य बनाएं और उसे पाने के लिए लगन, परिश्रम और आत्मविश्वास के साथ निरंतरता बनाए रखें। ये चीजें ही उनके लिए भाग्य-निमार्ता बनेंगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा का मूल उद्देश्य मानवीय चेतना का विकास करना है। एक सफल और अच्छा इंसान बनने के लिए विद्यार्थी सदैव अपना नैतिक मूल्य और अपनी विनम्रता बरकरार रखें। साथ ही, अपनी विचारधारा को सकारात्मक रखते हुए राष्ट्र-निर्माण में योगदान दें।

तीन दशक पहले विद्यालय में अपने छात्र-जीवन के अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि आज वह जो भी कुछ भी हैं, जिस मुकाम पर हैं, उसमें डीपीएस बोकारो की केंद्रीय भूमिका है। यहां की कुशल शैक्षणिक-व्यवस्था और शिक्षकों तथा विद्यार्थियों के समेकित प्रयत्नों का ही परिणाम है कि आज डीपीएस बोकारो शिक्षा के क्षेत्र में एक ब्रांड बन चुका है। आज के विद्यार्थी यहां के उन्नत संसाधनों का लाभ लें। उन्होंने छात्र-छात्राओं से व्यक्तित्व-विकास के लिए खेलकूद, कला-संगीत सहित सभी सह-शैक्षिक गतिविधियों में भाग लेने, स्वास्थ्य को प्रथम प्राथमिकता देने, ज्ञान के स्तर में बढ़ोतरी हेतु नियमित समाचार-पत्र पढ़ने तथा सोशल मीडिया का संतुलित इस्तेमाल करने की भी अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन का आनंद लें, मित्रता करें और किसी भी असफलता से घबराने की बजाय उससे सीख लें।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने इस प्रकार की अतिथि व्याख्यानशाला को विद्यार्थियों के हित में आवश्यक बताया। कहा कि समय-समय पर ऐसे कार्यक्रमों से जरिए छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया जाता रहा है। उन्होंने अपर नगर आयुक्त श्री कुमार के व्याख्यान के लिए आभार व्यक्त किया। श्री कुमार ने भी व्याख्यान के अवसर को लेकर अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

कक्षा 8 की छात्रा ने विद्यालय के शिक्षक पर बैड टच का लगाया आरोप

बिभा संवाददाता

बोकारो : बालीडीह थाना क्षेत्र के एक सरकारी विद्यालय में कक्षा 8 की छात्रा ने स्कूल के एक शिक्षक पर बैड टच देने की बात कही. इसको लेकर बालीडीह थाना में लिखित शिकायत की. छात्रा ने बताया कि सोमवार को कक्षा में उसे रीडिंग के लिए बुलाया गया. इस दौरान उसे शिक्षक संजय कुमार ने गलत तरीके से छूआ. शिक्षक रुक रुक कर उसे गलत तरीके के बैड टच देता रहा. छात्रा ने बताया कि गुरुवार को उक्त शिक्षक की लिखित शिकायत स्कूल के प्रधानाचार्य से की. सर ने कहा कि मामला देखते हैं. लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ. इसके बाद छात्रा अपने अभिभावकों के साथ बालीडीह थाना पहुंची और आवेदन देकर शिक्षक की शिकायत की. थाना में उक्त छात्रा के साथ मौजूद एक अन्य छात्रा ने भी उक्त शिक्षक के द्वारा बैड टच देने की बात कही.

2016 में भी ऐसी हरकत के कारण विभागीय अधिकारी को ग्रामीणों ने लिखा था पत्र-

बालीडीह थाना में मौके पर मौजूद पंचायत समिति सदस्य तथा पूर्व उप मुखिया ने बताया कि 2016 में इसी तरह की हरकत के कारण शिक्षक के खिलाफ शिक्षा विभाग के अधिकारी को शिकायत की गई थी. इससे बाद उक्त शिक्षक का ट्रांसफार्मर बगल के पंचायत में कर दी गई थी. लेकिन 2021-21 में वो शिक्षक फिर से हमारे पंचायत में पोस्टिंग करावा लिया. कहा कि उस शिक्षक की हरकत आज भी वैसी ही है. ग्रामीणों ने बताया कि बच्चियों ने बताया कि ये शिक्षक अन्य छात्राओं के साथ भी ऐसी ही हरकत करता है. लेकिन बच्चियां डर और शर्म से नहीं बोल पाती है. इधर, बालीडीह थाना इंस्पेक्टर नवीन कुमार सिंह के मामला संज्ञान में आते ही, त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी. पुलिस टीम मामले की जांच में जुट गई है. वहीं स्कूल के प्रधानाचार्य ने कहा कि मुझे कल बच्चियों से इसकी सूचना मिली है.

उपायुक्त ने कसमार प्रखंड के खुदीबेड़ा ग्राम का किया दौरा

बिभा संवाददाता

बोकारो : मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार शुक्रवार को उपायुक्त विजया जाधव ने बरलंगा से कसमार भाया नेमरा पथ के चौड़ीकरण - मजबूतीकरण कार्य को लेकर कसमार प्रखंड के खुदीबेड़ा ग्राम का दौरा किया। उनके साथ अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला नजारत उप समाहर्ता श्रीमती वंदना शेजवलकर, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो श्री अशोक कुमार, जिला भू अर्जन पदाधिकारी श्री द्वारिका बैठा आदि उपस्थित थे। उपायुक्त विजया जाधव ने कसमार प्रखंड के खुदीबेड़ा आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में सड़क निर्माण को लेकर 18 किमी (गैर वन क्षेत्र) भूमि अधिग्रहण से संबंधित रैयतों/ग्रामीणों के साथ बैठक की। उनके शिकायतों पर क्रमवार सुनवाई की। रैयतों/ग्रामीणों ने भूमि अधिग्रहण के तहत मुआवजा राशि कम देने की बात रखीं, इसी कारण वह जिला भू अर्जन कार्यालय द्वारा दिए जा रहें भुगतान नोटिस को प्राप्त नहीं कर रहें है।

इस पर उपायुक्त ने विस्तार से रैयतों/ग्रामीणों को भूमि अधिग्रहण के तहत मुआवजा राशि निर्धारित करने की प्रक्रिया से उन्हें अवगत कराया। कहा कि विभाग ने आपके क्षेत्र अंतर्गत वर्ष 2020-2021 एवं 2022 में हुए भूमी की बिक्री का दर को ही निर्धारित किया है। उपायुक्त द्वारा समझाने पर रैयतों/ग्रामीणों ने मामले को समझा और भुगतान नोटिस एवं मुआवजा राशि का वाउचर प्राप्त करने पर सहमति जताई। इसी के साथ बरलंगा से कसमार भाया नेमरा पथ के चौड़ीकरण - मजबूतीकरण कार्य में गति का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

मौके पर ही, रैयतों को भुगतान नोटिस का तामिला कराया गया एवं मुआवजा भुगतान को लेकर वाउचर वितरण किया गया। ग्रामीणों ने बरलंगा से कसमार भाया नेमरा पथ के चौड़ीकरण - मजबूतीकरण कार्य में संबंधित एजेंसी एवं स्थानीय प्रशासन का सहयोग करने की बात कहीं।

मौके पर प्रखंड प्रमुख, प्रखंड बीस सूत्री सदस्य, तकनीकी विभाग के कार्यपालक अभियंता, प्रखंड विकास पदाधिकारी कसमार, अंचलाधिकारी कसमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि,काफी संख्या में ग्रामीण आदि उपस्थित थे।

ठेकाकर्मियों के लिये दस लाख का इंश्योरेंस के लिए प्रबंधन को धन्यवाद : बीके चौधरी

बिभा संवाददाता

बोकारो : जय झारखंड मजदूर समाज कार्यालय सेक्टर -9 मे युनियन की बैठक का अध्यक्षता करते हुए युनियन के महामंत्री बि के चौधरी ने कहा कि ठेकाकमीर्यों का प्लांट मे हो रहे दुर्घटना से हुए मौत की संख्या बढ़ रही है तथा उनके मृत्युउपरान्त उनके उपर आश्रित परिवार के लिए बहुत बड़ा आर्थिक संकट खड़ा हो जाने के कारण जय झारखंड मजदूर समाज लगातार उनके लिए अन्य स्टील प्लांट की तरह बोकारो स्टील मे भी उनके लिये सामुहिक दुर्धटना बीमा स्कीम लागू करने के सभी प्लेटफॉर्म पर आबाज उठाते रहा है और जिसका सकारात्मक नतीजा दिनांक- 24,07,2024 को बोकारो स्टील प्रबंधन एवं बोकारो वेल्फेयर ट्रस्ट के साथ हुए समझोता हुआ जिसमे दुर्धटना से हुए ठेकाक्रमीयों के मृत्युउपरान्त उनके आश्रित को 1000000/=(दस लाख) रुपए का एक मुस्त भुगतान किया जाने का प्रावधान है ।इसके अतिरिक्त ई एस आई से जो उम्र केअनुसार मिलता है वह मिलता रहेगा ।महामंत्री बि के चौधरी ने इस एतिहासिक समझोता करबाने मे अहम भूमिका निभाने के लिये बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक, प्रभारी बि के तिबारी,अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन एवं अतिरिक्त प्रभार संकार्य) राजन प्रसाद के साथ साथ मुख्य महाप्रबंधक, कार्मिक (मानव संसाधन) हरिमोहन झा सहाव को मजदूरों एवं जय झारखंड मजदूर समाज की ओर से बहुत बहुत धन्यवाद एवं शाधुबाद दिया गया साथ साथ ठेकाकमीर्यों के साथ जो पहले ठेकेदार इन्जीनियर इन्चार्य गठजोड से आथिर्क शोषण हो रहा था तथा बेतन मे से पैसा नहीं लोटाने पर गेट पास रोका जा रहा था उसपर भी काफी स्तर पर रोक लगाया जा रहा है उसके लिए भी उपरोक्त तोनों पदाधिकारीयों के साथ साथ सभी बिभाग के मुख्य महाप्रबंधक को भी बहुत बहुत धन्यावाद की इन पदाधिकारीयों ने मजदूर के बेदना को समझते हुए उन्हे आर्थिक शोषण से मुक्त करबाने मे अहम भूमिका निभा रहे है धन्यवाद इस बात का भी कि ब्लडप्रेशर और सुगर के नाम पर जो पहले 28 दिन काम से बैठाया जा रहा था अब 9,07,24 को सहायक श्रमायुक्त केन्द्रीय धनबाद के साथ नन एन जे सी एस युनियन के साथ हुए समझोते को लागू करते हुए अब मात्र 7 दिन दवा सेवन के लिये और जो पहले ई एस आई अस्पताल से दवा नहीं मिल रहा था जो अब प्रबंधन के अथक प्रयास के बाद मिलने लगा है ।आज प्लांट मे उपरोक्त समस्याओ के समाधान हो जाने पर ठेकाकमीर्यों मे हर्ष और उल्लास है ।ठेकेदार का संगठन बोकारो वेल्फेयर ट्रस्ट को भी बहुत बहुत धन्यवाद जो मजदूरों के चिर लम्बित मांगो के पूर्ति मे अहम भूमिका निभाया ।बैठक मे मुख्य रूप से संयुक्त महामंत्री शंकर कुमार, एन के सिंह, एस के सिंह, अनिल कुमार, राजेन्द्र प्रसाद, बादल कोयरी,सी के एस मुन्डा,रौशन कुमार, तुलसी महतो ,आर के मिश्रा, आशिक अंन्सारी, रमा रवानी,आई अहमद, मानिक चन्द्र साह, जे एल चौधरी , ए डब्लू ए अंन्सारी,अभिमन्यु मांझी इत्यादि उपस्थित थे।

गायत्री शक्तिपीठ, बोकारो में विशेष गोष्ठी का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो : पूज्य गुरुदेव वेदमूर्ति,तपोनिष्ठ, पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य जी ने 1926 अखण्ड ज्योति जलाई थी एवं जिस ज्योति की साक्षी में गुरुदेव ने गायत्री की सिद्धि प्राप्त कर युग निर्माण की शंख बजाई थी, उसकी शताब्दी वर्ष 2026 में है, साथ ही वंदनीय माताजी का जन्म शताब्दी वर्ष भी है। इस अवसर पर ज्योति कलश यात्रा निकाल कर पूरे भारत वर्ष के हर शहर,गांव,मोहल्ला ,गली गली तक पहुंचाना है। जिसकी कार्य योजना का निर्देश देने हेतु शान्ति कुंज,हरिद्वार से वरिष्ठ प्रतिनिधि त्रिलोचन साहू द्वारा बोकारो उपजोन (बोकारो, धनबाद एवं गिरिडीह जिला) के कार्यकताओं के बीच कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत किया। युग परिवर्तन अवश्यंभावी है जो सद्बुद्धि एवं सत्कर्म (गायत्री और यज्ञ) के माध्यम से ही होना सुनिश्चित है। इस हेतु जन जन तक गायत्री और यज्ञ (सद्बुद्धि एवं सत्कर्म) के राह पर मानव जाति को जोड़ना है। जिसकी शुरूआत भारत वर्ष से हो चुका है। इस अवसर पर धनबाद,गिरिडीह एवं बोकारो जिले के सैकड़ों समर्थ एवं सक्रिय कार्यकताओं के बीच श्री त्रिलोचन साहू जी ने दिशा निर्देश दिया कि ज्योति कलश यात्रा का उद्देश्य उज्ज्वल भविष्य की सुनिश्चित संभावनाओ के मध्य युग परिवर्तन की इस वेला में हो रहे वैश्विक परिवर्तनों के बीच लोगों के घरों से लेकर मनों तक जो अंधकार फैला है ।उस अंधकार को परास्त करने के लिए अनेक ज्योतिओं का एक साथ जलना अनिवार्य हो गया है । पूज्य गुरुदेव के तप की ,साधना की ,पुण्य की,प्रताप की , व्यक्तित्व की ,कृतित्व की तथा कर्मों की ज्योति जो पूज्य गुरुदेव ने प्रज्वलित की । जो पूज्य गुरुदेव ने किया , कहा, लिखा ,तथा बोला उस दिव्य ज्योति को जन जन तक पहुंचाना वर्तमान की महती आवश्यकता है ।इसलिए हम सबको मिलकर इस दिशा में सामूहिक प्रयास करना है, इसके लिए हमें समाज के प्रत्येक वर्ग तक जाना होगा। ज्योति कलश यात्रा के माध्यम से पांच प्रकार के परिजनों की हमें खोज करनी है जिसमे विद्वान, धनवान, शक्तिसंपन्न, प्रतिभा संपन्न तथा भावनाशील होंगे ।इसके लिए पूज्य गुरुदेव का साहित्य हम सबका विशेष मार्गदर्शन करेगा ।आप सभी आज से अभी से जुट जाएं।₹

इस अवसर पर धनबाद से मुख्य प्रबंधक ट्रस्टी श्री विभूति शरण सिंह, गिरिडीह से श्री कामेश्वर सिंह,मुख्य प्रबंधक ट्रस्टी,बोकारो से श्री बिजय प्रसाद वर्णवाल,मुख्य प्रबंधक ट्रस्टी,श्री महेन्द्र वर्णवाल, मुख्य प्रबंधक ट्रस्टी,चास, श्री लखन लाल प्रजापति,बोकारो उपजोन समन्वयक, सभी प्रखंडों के कार्यकर्ता अपने साथ सैकड़ों कार्यकताओं के साथ उपास्थित हुए। पूरे गोष्ठी का संचालन श्री बैजनाथ सिंह जी द्वारा की गई।

पेड़ हमारे जीवन का स्रोत है: विपिन अग्रवाल

बिभा संवाददाता

बोकारो : पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से रोटरी क्लब चास ने आज चास धनबाद रोड पर पौधारोपण अभियान चलाया। चास धनबाद रोड पर एक निजी परिसर में 80 फलदार एवं छायादार वृक्ष लगाए गए। रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा ने कहा कि पर्यावरण एवं प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्ष की सुरक्षा एवं संपोषण हम सभी का कर्तव्य है। कार्यक्रम के संयोजक विपिन अग्रवाल ने कहा की वृक्षारोपण के साथ-साथ उसकी सुरक्षा करना हम सभी का दायित्व एवं नैतिक जिम्मेदारी है। विपिन अग्रवाल ने कहा कि आने वाले समय में नारकीय जीवन से निदान का उपाय मात्र वृक्षारोपण है। रोटरी क्लब चास के संस्थापक अध्यक्ष संजय बैद ने कहा की वृक्षारोपण करके ही हम आने वाले पीढ़ियों को एक सुरक्षित पर्यावरण सोंपने का संकल्प ले सकते हैं। संजय बैद ने कहा की वृक्षारोपण हमारी मौलिक आवश्यकता है। रोटरी क्लब चास के सचिव मुकेश अग्रवाल ने कहा कि रोटरी का स्पष्ट संदेश है कि यदि पेड़ पौधे सुरक्षित नहीं होंगे तो मानवीय जीवन भी सुरक्षित नहीं रहेगा। कार्यक्रम में बिनोद चोपड़ा, मुकेश अग्रवाल, पूजा बैद,डिंपल कौर, विपिन अग्रवाल,कुमार अमरदीप, गौरव रस्तोगी,रितु अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, मंजीत सिंह, श्वेता रस्तोगी, विजय अग्रवाल, पूर्वी केजरीवाल आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

कारगील दिवस के अवसर पर अधिवक्ता संघ द्वारा कारगिल शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

बोकारो(बिभा): जिला अधिवक्ता संघ के तत्वावधान में कारगील दिवस का आयोजन किया गया जो महत्वपूर्ण दिवस हैं आज ही के दिन भारत-पाकिस्तान के बिच कारगील युद्ध हुई थी यह युद्ध करीब 60 दिनों तक चलने के बाद 26.07.1999 को समाप्त हुई, इस युद्ध में हमारे देश के सैकड़ों जांबाज सैनिक शहिद हुए थे, लड़ाई के दौरान अपनी जान गवाए, सभी देश वासियों कि ओर से शत-शत नमन और श्रद्धांजलि देते हैं तथा देश के सभी नागरिक उनके परिवारजनो के सुख-दुःख में शामिल है। हमारे देश के वीर सपूतों ने अपना बलिदान इस मातृभूमी की रक्षा हेतु दे दिया मात्र इसलिए कि हमारे देशवाशी शांतीपूर्वक रहे और देश के प्रगती में योगदान कर सके, न जाने कितने लोगों को स्मरण होगा कि देश के बिर सपूतो ने आज के ही दिन 26.07.2024 को देश की रक्षा करते हुए शहीद हो गए थे। हम श्रद्धा के दो फूल उनके याद में बया नहीं कर सकते कम से कम उनकी कुरबानीयो को महत्त्वहीन न करे। बड़े दुःख के साथ कहना पड़ता है कि हमारे शहीदों को इस देश लोग भुलते जा रहे है। मौके पर इस कार्यक्रम की अध्यक्षता घनश्याम नारायण अधिवक्ता सह महासचिव जिला कांग्रेस एवं संजय कुमार, अजीत कुमार, निमाई गोप,मुकेश प्रसाद विश्वकर्मा, रामकिंकर, अशोक महतो ,कमलेश कुमार, दिनेश प्रसाद घोषाल आदि मौके पर उपस्थित रहे।

कारगिल विजय दिवस पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने निकाली तिरंगा यात्रा

बोकारो(बिभा): भारतीय गौरव और इस यशश्वी विजय को प्रदर्शित करता तिरंगा यात्रा निकाला गया। उपविकास उपायुक्त गिरजा शंकर प्रसाद ने गरगा पुल स्थित भारत माता को पुष्पांजलि, सह सामुहिक मौन, सामुहिक राष्ट्रगान के बाद तिरंगा लहराकर रैली की शुरूआत की. वहाँ से नया मोड़, सेक्टर तीन लेक रोड, राम मंदिर चौक, पत्थरकट्टा चौक, महात्मा गांधी चौक होते हुए शाहिद इनायत स्मारक, सेक्टर 9, हटिया मोड़ पर रैली समाप्त हुई। यहाँ सभी पूर्व सैनिकों ने माल्यार्पण ,पुष्पांजलि, राष्ट्रगान तथा मौन धारण कर देश की इस गौरव गाथा में शौर्य का प्रदर्शन कर सर्वश्व न्योछावर करने वाले सैन्य साथियों को श्रद्धांजलि दी। समापन संबोधन में उप विकास उपायुक्त गिरजा शंकर प्रसाद और जिलाध्यक्ष ललन प्रसाद ठाकुर ने कहा कि 3 मई 1999 से 26 जुलाई 1999... यह वही तारीख है जब भारतीय सेना ने जम्मू कश्मीर के करगिल में पाकिस्तानी सेना को हराया था. लेकिन इस युद्ध में भारत ने अपने 527 जवानों को खो दिया तथा 1363 जवान घायल हुए थे. भारतीय जवानों ने इस युद्ध में अपने खून का आखिरी कतरा तक देश की रक्षा के लिए न्यौछावर कर दिया. यात्रा में प्रदेश के समस्त भूतपूर्व सैनिकों के साथ ,प्रदेश पदाधिकारी रवि रंजन दूबे, जिला महासचिव राजीव रंजन तिवारी, कैप्टन संजीत कुमार, सुनील कुमार, शशिकांत सिंह, राजेश रंजन, अशोक कुमार सिंह, सिद्धनाथ सिंह, फ़्लाइंग ऑफिसर लव कुमार, डॉक्टर शैलेन्द्र, मनोज कुमार सिंह, रमाकांत यादव, दुर्गा प्रसाद, निशांत झा, ब्रजेश कुमार भी उपस्थित थे।

मुखिया तम्बाकू मुक्त पंचायत हेतु पंचायतों में जागरूकता कार्यक्रम का करें आयोजन : बीडीओ

बोकारो(बिभा): राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत श्री ईश्वर दयाल महतो प्रखण्ड विकास पदाधिकारी चंद्रपुरा की अध्यक्षता में प्रखण्ड स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति का बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें कोटपा 2003 की विभिन्न धाराओं का अनुपालन एवं तम्बाकू के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूकता कार्यक्रम के साथ तम्बाकू मुक्त पंचायत करने हेतु जानकारी दी गई। बैठक की शुरूआत जिला परामर्शी मो0 असलम द्वारा कोटपा-2003 के विभिन्न धाराओं का अनुपालन करने हेतु गठित जिला, अनुमण्डल व प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। जिला परामर्शी द्वारा बी0डी0ओ0 से प्रखण्ड स्तरीय छापामारी दस्ता को सक्रीय करने का अनुरोध किया गया साथ ही पंचायत को कैसे तम्बाकू मुक्त कर सकते है, किन किन कानूनों का अनुपालन करना है इसकी जानकारी दी गई। बैठक में उपस्थित विधायक प्रतिनिधि मिथलेश तिवारी ने अपने सम्बोधन में तम्बाकू नियंत्रण करने हेतु जन जागरूकता अभियान चलाने के बारे में कहा साथ ही ग्रामीण स्तर पर मुखिया अपने स्तर पर तम्बाकू के दुष्प्रभाव सम्बन्धित जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करें। अंचल पदाधिकारी नरेश कुमार वर्मा ने बताया कि सबसे पहले प्रखण्ड स्तरीय समन्वय समिति के लोग कोटपा 2003 के विभिन्न धाराओं के प्रति जन जागरूकता हेतु प्रचार प्रसार करे यदि फिर भी कोई इसका पालन नही करता है तो कोटपा-2003 के विभिन्न धाराओं के अनुपालन न करने पर कार्रवाई की जाये। बैठक में सदस्य के रूप में प्रतिभाग कर रहे सीडस संस्था के प्रतिनिधि रिम्पल झा ने सभी प्रतिभागियों को तम्बाकू मुक्त करने हेतु पंचायत की मैपिंग कैसे करना है इसके बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। इस बैठक में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ईश्वर दयाल महतो, अंचल पदाधिकारी नरेश कुमार वर्मा, विधायक प्रतिनिधि मिथलेश तिवारी, जिला परामर्शी मो0 असलम, सीडस प्रतिनिधि रिम्पल झा, प्रखण्ड स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति के सदस्य के साथ कार्यालय कर्मी एवं छोटेलाल दास उपस्थित थे।

पढ़ाई के समय छात्रों से बाँस कटवाने का खतरनाक काम करवाते हैं शिक्षक, जहरीले जीवों का रहता है डर

बिभा संवाददाता

खूँटी । स्कूल ज्ञान का मंदिर है जहाँ अभिभावक अपने नौनिहालों को शिक्षा ग्रहण के लिए स्कूल भेजते हैं लेकिन पढ़ाई के समय में शिक्षक छात्रों से स्कूल का कामकाज करवाते हैं। जिससे छात्रों का पढ़ाई प्रभावित होता है। स्कूल में किसी प्रकार का काम कराने के लिए स्कूल प्रबंधन को अलग से फंड दिया जाता है। लेकिन उन पैसों से अपनी जेब भरने के लिए शिक्षक बच्चों से ही काम कराकर अपनी जेब भरते हैं। छात्र भी दण्ड मिलने के डर से चुपचाप शिक्षकों के आदेश मानकर जोखिम भरे कार्य भी करते हैं।

इसका ज्वलंत और ताजा उदाहरण कर्रा प्रखण्ड क्षेत्र के लोधमा उत्क्रमित उच्च विद्यालय में देखा गया जहां पढ़ाई के समय में बच्चों से बाँस कटवाने का खतरनाक काम कराया जा रहा था। बाँस कटवाने के कार्यों में खतरे की संभावना बनी हुई थी जैसे बांस के झुंड में खतरनाक और जहरीले जीवों का होना या फिर तेज धारदार हथियारों से कटने की प्रबल संभावना होती है इस प्रकार से बाँस काटने का काम एक बड़ा जोखिम भरा काम होता है। खूँटी जिले में जहरीले जीवों यथा साँप काटने की खबरों पर अगर एक नजर डालें तो बीते दो महीने के भीतर कुल छः लोगों की साँप के काटने से मौत भी हो चुकी है। हालांकि शिक्षकों द्वारा छात्रों से बाँस कटवाने के मामले पर जब जिला शिक्षा विभाग के वरीय अधिकारियों से पक्ष लेने का प्रयास किया गया जिसके लिये जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय के बाहर पत्रकारों ने मामले पर जानकारी लेने के लिए प्रयास किया गया लेकिन अधिकारी से मुलाकात नहीं हो सकी। जिसके चलते उक्त मामले पर उनका पक्ष रखने हेतु कोई जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाया।

संक्षिप्त खबरें

आदिवासी कांग्रेस ने की योजना बैठक

खूँटी(बिभा)। आगामी विश्व आदिवासी दिवस मनाने के लिए आदिवासी कांग्रेस समिति ने सांसद कालीचरण मुंडा के आवासीय कार्यालय में योजना बैठक की। जिसमें मुख्य रूप से आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विलसन तोपनो उपस्थित थे। बैठक में के जिला अध्यक्ष फुलचंद टुटी ने बताया कि बिरसा कॉलेज के समीप से ढोल नगाड़ों के साथ नाचते गाते बिरसा मुंडा पार्क (खूंटी कचहरी परिसर) में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित की जाएगी। मौके पर कांग्रेस की विचारधारा को जन जन तक पहुँचाने की भी बात कही गई। मौके पर धर्मदास कन्डीर, जेम्स तोपनो, माइकल तिड़ू, शांता खाखा, हेलेन होरो, मगरीता खेस, ईन्दुआन्ना हस्सा, सुषमा भेंगरा,रोबा गुड़िया, सुचित सॉगा, एलेक्सियूस परधिया, पीटर मुन्डू, जुलियस कान्डुलना, सरोज, अनिता नाग सुन्दमनी हंस, आदि उपस्थित थे।

जलमीनार खराब होने से डाड़ी का गंदा पानी पीने को मजबूर हैं धामामुंजी के ग्रामीण

खूँटी(बिभा)। कर्रा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत धामामुंजी गाँव के लोग बरसात में भी चुआँ डाड़ी का गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। एक तरफ खूँटी शहर में भयावह तरीके से डेंगू पैर पसार रहा है तो गाँवों में मलेरिया व टायफाइड की शिकायत मिल रही है। ऐसे में धामामुंजी के ग्रामीण खेतों में बने डाड़ी का पानी पी रहे हैं। ग्रामीण विजय कुमार सिंह ने बताया कि धामामुंजी गाँव में 150 परिवार के 500 लोग रहते हैं। जहाँ दो मुहल्ले में दो जलमीनार है साथ ही चापाकल भी है लेकिन सभी खराब पड़े हैं। एक जलमीनार से मात्र दस घरों में पानी जा पाता है। जबकि ग्रामीणों ने जल सहिया को इसके विषय में कई बार शिकायत करने को कहा गया। लेकिन इसपर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि हम रोज दिन काम करते हैं तभी घर का चुल्हा जलता है। वहीं गाँव की इस विकट समस्या को रखने के बावजूद कार्य नहीं होने हम ग्रामीण काफी परेशान हैं।

हाथी ने रौंदा धान का बीड़ा, कोचे मुण्डा ने वन विभाग को मुआवजा देने को कहा

खूँटी(बिभा)। जंगली हाथियों का उपद्रव जरियागढ़ थाना क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में शुरू हो गया है। जो कि कुछ दिनों से ग्रामीण हाथी के दहशत से चैन की सांस ले रहे थे। लेकिन शिशु हाथी के साथ हथिनी व अन्य हाथी का फिर से जरियागढ़ वन क्षेत्र आश्रय बना है। जिसके कारण जंगल के किनारे व निकट के ग्रामीण क्षेत्र में पहुँच जाते हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को जरिया गढ़ पंचायत के अन्तर्गत मुरुचकेल गांव के किसान विरेन्द्र सिंह के पूर्ण रुप से हरा भरा तैयार लगभग 40 किलो धान का बीड़ा को रौंद कर नष्ट कर दिया। जिससे उक्त किसान को काफी क्षति हुई। विरेन्द्र सिंह धान की एकल खेती पर ही आश्रित रहते हैं। ऐसे में फसल का बीड़ा बर्बाद हो जाने से किसान बीरेंद्र सिंह काफी चिंतित है कि साल भर अपने परिवार का भरण पोषण कैसे करेंगे। जानकारी प्राप्त होने पर भजपा युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष विनय गुप्ता ने क्षति का जायजा लिया एवं क्षेत्र के विधायक कोचे मुंडा सूचना दिया। जिसके उपरांत उन्होंने विभाग के अधिकारियों को सूचित कर पीड़ित कृषक को जल्द मुआवजा भुगतान करने का आग्रह किया है।

तोरपा में पागल कुत्ता बना राहगीरों का सिरदर्द

तोरपा(बिभा)। क्षेत्र में पागल कुत्ते का आतंक से शुक्रवार को स्थानीय ग्रामीण और राहगीर काफी परेशान रहे। कुत्ता ने अर्पित मिंज (बड़का टोली), रामपति नाग (कुमांग) और समृद्धि कुमारी (सुभाष गली तोरपा) सहित तीन अन्य लोगों को काटकर जख्मी कर दिया।घटना के बाद घायलों को रेफरल अस्पताल तोरपा पहुँचाया गया। जहाँ चिकित्सकों के द्वारा एंटी रेबीज वैक्सीन लगाया गया। घटना की जानकारी पर रेफरल अस्पताल तोरपा प्रखंड प्रमुख रोहित सुरीन और कांग्रेस नेता तैयब अंसारी पहुँचकर घायलों का हाल-चाल जाना और स्थानीय प्रशासन को मामले की जानकारी दी।

जिले में खेल एवं पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उपायुक्त ने की बैठक

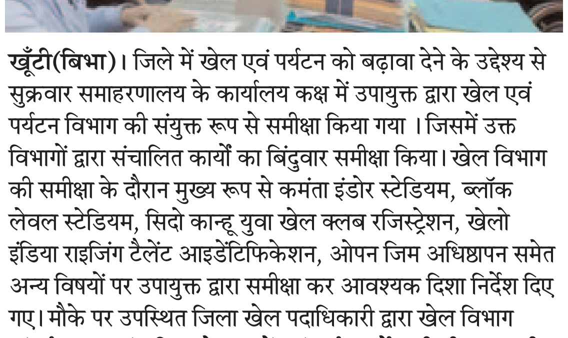

खूँटी(बिभा)। जिले में खेल एवं पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सुक्रवार समाहरणालय के कार्यालय कक्ष में उपायुक्त द्वारा खेल एवं पर्यटन विभाग की संयुक्त रूप से समीक्षा किया गया । जिसमें उक्त विभागों द्वारा संचालित कार्यों का बिंदुवार समीक्षा किया। खेल विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्य रूप से कमंता इंडोर स्टेडियम, ब्लॉक लेवल स्टेडियम, सिदो कान्हू युवा खेल क्लब रजिस्ट्रेशन, खेलो इंडिया राइजिंग टैलेंट आइडेंटिफिकेशन, ओपन जिम अधिष्ठापन समेत अन्य विषयों पर उपायुक्त द्वारा समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। मौके पर उपस्थित जिला खेल पदाधिकारी द्वारा खेल विभाग अंतर्गत अन्य संचालित योजनाओं एवं कई टूनामेंट की भी जानकारी साझा की गई। उपायुक्त ने सरकार के निदेशानुसार योजनाओं को पूर्ण कराने एवं टूनामेंट आदि के आयोजन के संबंध में निर्देश दिया, जिससे जिले के खिलाड़ियों को समस्या न हो। पर्यटन विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने पंचघाघ जलप्रपात में सोलर लाइट मरम्मती एवं पूर्व से निर्मित शौचालय आदि के मरम्मती का निर्देश दिया। साथ हीं पेरवाघाघ में कॉटेज निर्माण एवं मरम्मती कार्य को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए गए, जिससे पर्यटकों को समस्या ना हो। वहीं पूर्व से संचालित योजनाओं को ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। इस बैठक में मुख्य रूप से जिला पर्यटन पदाधिकारी, जिला खेलकूद पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

राजस्व संग्रहण एवं राजस्व विभाग के कार्यों की उपायुक्त ने की समीक्षा बैठक

समय सीमा के अंदर दाखिल खारिज के मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करें: उपायुक्त

बिभा संवाददाता

खूँटी । समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में राजस्व संग्रहण एवं राजस्व विभाग से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक किया गया। बैठक में मुख्य रूप से जिले में होने वाले राजस्व संग्रहण समेत दाखिल खारिज, भूमि सीमांकन, सर्टिफिकेट, लैंड डिमार्केशन, ई रेवेन्यू कोर्ट, सक्सेसन म्यूटेशन, पार्टीशन म्यूटेशन, सर्टिफिकेट केस समेत अन्य कार्यों की गहन समीक्षा किया गया। बैठक के प्रारंभ में अपर समाहर्ता द्वारा विभिन्न अंचलों से प्राप्त अद्यतन प्रतिवेदन रिपोर्ट उपायुक्त के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बैठक में उपायुक्त ने बिंदुवार रेवेन्यू, परिवहन, नगर पंचायत समेत अन्य माध्यमों से होने वाले राजस्व संग्रहण की समीक्षा किया एवं संबंधित विभागों को नियमित रूप से

टारगेट के अनुरूप राजस्व संग्रहण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। दाखिल खारिज से संबंधित मामले की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने वैसे अंचल जहाँ कर्मचारी द्वारा काफी समय से अपने लॉगिन आईडी में दाखिल खारिज के मामलों को लंबित रखा गया है, वैसे कर्मचारी को चिन्हित कर विभागीय अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय सीमा के अंदर दाखिल खारिज के मामलों का निष्पादन सुनिश्चित कराया जाए। वहीं दाखिल खारिज से जुड़े मामलों का रिजेक्शन प्रतिशत अधिक होने को लेकर भी उपायुक्त ने दाखिल खारिज से जुड़े दस्तावेजों को अच्छे से जांच करने के पश्चात निर्णय लेने का निर्देश दिया। इस संबंध में नियमित रूप से सभी अंचल अधिकारी को अपने स्तर से समीक्षा करने का निर्देश दिया।

सक्सेसन म्यूटेशन एवं पार्टीशन म्यूटेशन की संख्या कम रहने को लेकर उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों को कार्यशाला का आयोजन कर आमजनों को इस संबंध में विस्तृत जानकारी मुहैया कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सक्सेसन म्यूटेशन से होने वाले फायदे आमजनों तक पहुंचाएं और इस संबंध में अधिक से अधिक प्रचार प्रचार सुनिश्चित कराई जाए, जिससे लोग इसका लाभ ले सके। ई रिवेन्यू कोर्ट की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने नियमित रूप से सभी अंचल अधिकारियों को ई रिवेन्यू कोर्ट करने एवं आरसीएमएच में ऑनलाइन रिपोर्ट अपडेट करने का निर्देश दिया। इस बैठक में मुख्य रूप से अपर समाहर्ता, डीसीएलआर, जिला परिवहन पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत, कार्यपालक दंडाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

हेमंत सरकार राज्य के लोगों को सिर्फ ठगने और अपनी जेब भरने में लगी है :कोचे

बिभा संवाददाता

खूँटी । तोरपा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के बानो प्रखंड अंतर्गत सुदूर जंगलों के बीच स्थित गाँव लामगढ़, मयंकसोर, एवम कुडरूंग गाँव के ग्रामीणों के साथ गाँव गाँव जाकर संवाद कर उनका हालचाल जाना। साथ ही क्षेत्र की समस्याओं से अवगत हुए। मौके पर, जन संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि सुदूर क्षेत्र तक हम सरलता से जनता तक मूलभूत सुविधा मुहैया कराए , भारतीय जनता पार्टी हमेशा नीतिगत तरीके से हर वर्ग के उन्नति के लिए कार्य कर रही है लेकिन वर्तमान में राज्य की हेमंत सरकार राज्य के लोगो को सिर्फ ठगने और अपनी जेब भरने में लगी है, अब इस ठगबंधन की सरकार के चंद महीने ही बचे हैं। इसलिए माननीय ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि आगामी विधानसभा के चुनाव में इस निकम्मी सरकार को हटाकर पुनः राज्य में भाजपा की सरकार स्थापित करने में अपनी भूमिका निभाए ताकि राज्य के हर तबके के सम्पूर्ण विकास हो पाए। मौके पर मंडल अध्यक्ष कामेश्वर सिंह, शंकर सिंह, कृष्णा सिंह, बलराम सिंह, मोहन सिंह, राजेन्द्र सिंह, विशम्बर सिंह, बालमुकुंद सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता एवम ग्रामीण उपस्थित रहे। यह जानकारी विधायक प्रतिनिधि विनय गुप्ता ने दी।

आम्रेश्वर धाम श्रावणी मेले में विभिन्न होटल एवं दुकानों का किया गया औचक निरीक्षण

बिभा संवाददाता

खूँटी । आम्रेश्वर धाम श्रावणी मेले के विभिन्न होटल एवं दुकानों में खाद्य सुरक्षा को लेकर सुक्रवार को जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार ने औचक निरीक्षण किया तथा पेड़ा, पनीर आदि के नमूने लिये गये। दुकानदारों को बताया गया कि नमूना के जांच में त्रुटि पाये जाने पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 के तहत कार्रवाई की जाएगी जिसमें सजा एवं जुमार्ना का प्रावधान है। दुकानदारों को निर्देश दिया गया कि मिलावटी खाद्य सामग्री एवं बिना निमार्ता का नाम, पता, मैन्युफैक्चरिंग डेट, एक्सपायरी डेट एवं एएफसी लाइसेंस नंबर लेवल के किसी भी तरह की खाद्य सामग्री का बिक्री नहीं करेंगे। साथ ही, होटल परिसर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान रखेंगे। खाद्य सामग्रियों को ढँक कर रखें और दो बार से ज्यादा एक ही तेल को प्रयोग नहीं करेंगे। मिठाई बनाने में खाने वाले रंग का ही प्रयोग करेंगे। पेड़ा विक्रेताओं से कहा गया कि मिलावटी पेड़ा की बिक्री नहीं करेंगे।

निरीक्षण के दौरान सौरव जायसवाल नामक थोक विक्रेता की दुकान में लड्डू एवं दालमोट के पैकिंग पर फूड लाइसेंस, एक्सपायरी डेट, मैन्यूफैक्चरिंग डेट अंकित नहीं थे। इस विक्रेता को उक्त खाद्य पदार्थों की बिक्री नहीं करने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान अंगराबाड़ी स्थित अतिथि फैमिली रेस्टोरेंट से पनीर का नमूना लिया गया। अंगराबाड़ी स्थित बंसीधर गुप्ता, मां पार्वती पूजा भंडार, अनिल होटल, मधुबन लाइन, साईं ढाबा, संदीप होटल आदि का औचक निरीक्षण किया गया। निर्देश दिया गया कि साफ-सफाई का घ्यान रखें। मिलावटी खाद्य सामग्री का बिक्री नहीं करेंगे।

खेलो झारखंड प्रतियोगिता 2024-25 के खो-खो, कब्बडी और वॉलीबॉल का शुभारम्भ

खेल मनोरंजन का संसाधन के साथ स्वस्थ तथा भविष्य निर्माण का माध्यम : ज्योति

बिभा संवाददाता

खूँटी । बिरसा महाविद्यालय हॉकी ग्राउंड में दो दिवसीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता 2024-25 के अंतर्गत अंडर 14 अंदर 17 और 19 बालक एवं बालिका का खो-खो ,कब्बडी और वॉलीबॉल का शुभारम्भ किया गया। इस दौरान आयोजन के मुख्य अतिथि प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी ने दीप प्रज्वलित करके खेल का उद्घाटन की। मौके पर मुख्य अतिथि ज्योति कुमारी ने कही कि खेल न केवल मनोरंजन का संसाधन है बल्कि शरीर को स्वस्थ करने का बहुत बड़ा माध्यम भी है। खेल के कारण से तन और मन दोनों स्वस्थ रहता है। वहीं आज के दिनों मे खेल भविष्य निर्माण का माध्यम भी बन गया है। विभिन्न खेलों में झारखंड की गलियों से निकलकर बेटे बेटियाँ राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय और ओलंपिक तक पहुंचकर खेल प्रदर्शन करते हुए राज्य ही नहीं देश का भी नाम रोशन

कर रहे हैं। खिलाड़ी मन लगाकर नियमबद्ध तरीके से खेलें और खूंटी ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर में भी अपना प्रतिभा का प्रदर्शन करें यही हमारी शुभकामना है। इस कार्यक्रम में विशेष अतिथियों में प्रखण्ड प्रमुख छोटराय मुंडा, 20 सूत्री उपाध्यक्ष शंकर सिंह मुंडा, प्रखंड प्रसार पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार, उप प्रमुख शांति देवी, बिरसा महाविद्यालय प्रभारी प्राचार्या एस किड़ो, खेल प्रभारी राजकुमार गुप्ता शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में अंडर 14 वॉलीबॉल विनर रहने वाला विद्यालय नेताजी सुभाष चंद्र बोस रेजिडेंशियल स्कूल, अंडर-19 बॉयज वॉलीबॉल विनर खूँटी से प्लस टू स्कूल, कबड्डी में अंडर 17 गर्ल्स विनर सीएम सी गर्ल्स खूँटी, अंडर 14 कबड्डी गर्ल्स विनर सीएम सोए मिडिल गर्ल्स रहे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में खूंटी के शिक्षा विभाग के बीपीओ अजय कुमार, अनिता, बीआरपी विजय कुमार शर्मा एवं अन्य शिक्षक आशीष कुमार मांझी, गौतम कुमार, शिव कुमार गंझू ,नीरज कुमार, अमृता कुमारी मेहता, सिकंदर पुराण, रियाज आलम, विजय आनंद गंझू एवं अन्य शिक्षकों का योगदान रहा। कार्यक्रम का मंच संचालन शिक्षिका सिविल सोनाली बोदरा ने किया।

खूँटी शहर में पाँव पसारने लगा डेंगू का मच्छर

बिभा संवाददाता

खूँटी । नगर पंचायत क्षेत्र में डेंगू तेजी से अपना पैर पसारने लगा है। खूँटी शहर के कई मुहल्लों में लोग डेंगू की चपेट में आने से परेशान हैं। इस दौरान डेंगू बुखार से एक व्यक्ति की मौत हो गयी है। वहीं शहर के विभिन्न मुहल्लों में लगभग सौ से अधिक लोगों को डेंगू हो चुका है। जो खूँटी सदर अस्पताल के अलावे राँची के विभिन्न अस्पतालों में उपचार करा रहे हैं। खूँटी में क्रिटिकल मरीज के लिए प्लेटलेट्स नहीं मिल पाता है जिसके लिए राँची से प्लेटलेट्स मंगाकर चढ़ाना पड़ता है। शहर के मेलाटाँड़, बड़ाइक मुहल्ला, मोहनाटोली, कर्रा रोड, लोबिन बगान सहित विभिन्न मुहल्लों के लोग बीमारी की चपेट में आ गये हैं। वहीं सदर अस्पताल में डेंगू के

मरीज भरे पड़े हैं। जिसमें एक वार्ड को डेंगू वार्ड बना दिया गया है। लेकिन मरीज अधिक होने से दूसरे वार्ड में भी डेंगू मरीजों को रखा गया है। वहीं लोगों का मानना है कि शहर में गंदगी की साफ सफाई की कमी है जिसके कारण डेंगू के मच्छर पनप रहे हैं। कर्रा रोड निवासी शबनम देवी ने बताया कि उनके घर में चार लोग डेंगू से ग्रसित हैं जिनमें दो का उपचार राँची के अस्पताल में चल रहा है। जबकि पड़ोसी में भी चार लोग डेंगू के मरीज घर में पड़े हैं। इस प्रकार मुहल्ले में काफी लोग डेंगू से ग्रसित हैं। खूँटी थाना के आरक्षी गांगू लकड़ा ने बताया कि तबियत खराब हुआ तो खून जाँच कराए, जिसमें डेंगू निकला। फिर ज्यादा खराब हुई यहाँ अस्पताल में एडमिट हो गये। यहाँ ईलाज तो चल रहा है। लेकिन कुछ दवाएँ बाहर से लेना पड़ता है।

विक्की गुप्ता ने बताया कि उसकी पत्नी को डेंगू हुआ है जिसे सदर अस्पताल में उपचार चल रहा है। क्षेत्र में साफ सफाई की कमी है। मुहल्ले में 35-40 मरीज अभी भी हैं। मोहन टोली निवासी वीना कुमारी चौधरी ने बताया कि मोहल्ले में कई लोगों को डेंगू हो गया है। मोहल्ले में झाड़ी और गंदगी है जिससे मच्छर पनपता है। यहाँ उपचार तो करा रहे हैं, पहले से कुछ आराम है।

जिला नियोजनालय ने लगाया दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला 2024 का आयोजन

बिभा संवाददाता

खूँटी । श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखंड सरकार अंतर्गत सुक्रवार को जिला नियोजनालय की ओर से जिला नियोजनालय परिसर में दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला 2024 का आयोजन किया गया। रोजगार मेला का शुभारंभ डीसीएलआर अरविंद ओझा समेत जिला नियोजन पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस दौरान उक्त पदाधिकारियों द्वारा मंच से संबोधित करते हुए रोजगार मेले के उद्देश्यों की जानकारी दी गई। संबोधन में कहा गया कि राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन का यह प्रयास है कि जिले के शिक्षित बेरोजगार युवक युवतियों को उनके शैक्षणिक योग्यता अनुसार रोजगार मुहैया कराया जा सके, इसी दिशा में रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। साथ हीं रोजगार मेले में आए हुए निजी कंपनियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया गया। वहीं जिले के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों से अपील की गई कि वह रोजगार मेला में अपना रजिस्ट्रेशन जरूर कराएं और अपनी शैक्षिक योग्यता एवं अपनी दक्षताओं के अनुसार रोजगार के संबंध में इच्छा अनुसार आवेदन दें एवं रोजगार प्राप्त करें। सभी से रोजगार मेला जैसे सुनहरे अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाने को कहा गया। रोजगार मेला में ऑन द स्पॉट कुछ युवक युवतियों को मंच पर आमंत्रित कर ऑफर लेटर का भी सौंपा गया। प्रोफेशनल हेल्थ केयर द्वारा चयनित लाली धान, मंजू सुहासी, गंगिया सांगा समेत अन्य को ऑफर लेटर दिया गया। दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला में रजिस्ट्रेशन काउंटर समेत 20 से अधिक कंपनियों ने अपने स्टॉल लगाए। जहाँ जिले के युवक युवतियों ने रोजगार हेतु अपना आवेदन दिया।

कारगिल विजय दिवस के शहीदों को नमन

प्रेम कुमार धूमल

उस ऐतिहासिक क्षण में श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी का यह कथन 'जब तक एक भी घुसपैठिया कारगिल में है, तब तक न युद्ध विराम होगा और न मैं देश छोड़कर कहीं जाऊंगा' इतिहास के स्वर्ण अक्षरों में लिखा जायेगा। प्रधानमन्त्री के इस दृढ़संकल्प को देखते हुये सारे राष्ट्र में एक नई ऊर्जा आ गई और सैनिकों में यह संकल्प और दृढ़ हो गया और भारत की वीर सेना ने निर्णायक विजय प्राप्त की।

देश में राष्ट्रभक्ति का गजब का माहौल था ऐसा लगता था सारा भारत एक है, देश की एकता, अखण्डता, सर्वभौमिकता बचाये रखने के लिये कुछ भी कर गुजरने को तैयार था । कारगिल का संघर्ष क्या शुरू हुआ ऐसा लगा जैसे सारा राष्ट्र और राष्ट्र का प्रत्येक नागरिक देष के लिये कोई भी कुबार्नी देने को तैयार था । विश्व के इतिहास में पहली बार हुआ जब देशाभक्ति से ओत-प्रोत विश्व के सबसे बड़े लोकतन्त्र के प्रधानमन्त्री, अटल जी सभी चुनौतियों, चेतावनियों और व्यक्तिगत सुरक्षा के खतरों को नजर अन्दाज करते हुये 2 जुलाई 1999 को सीमा पर तैनात युद्वरत सैनिकों की पीठ थपथपाने के लिये स्वयं सीमा पर जा पहुंचे । आप अनुमान लगा सकते हैं कि प्रधानमन्त्री को अपने साथ सीमा पर खड़ा देखकर सैनिकों का साहस तो सातवें आसमान पर पहुंचना स्वभाविक था । 5 जुलाई 1999 को कारगिल के युद्व क्षेत्र में जाने के बाद श्रीनगर के सैनिक अस्पताल में उपचाराधीन घायल सैनिकों को दैनिक उपयोग का आवश्यक सामान दे रहे थे, एक जवान चादर ओढ़े हुये लेटा था उसने सामान पकड़ा नहीं, हमने विस्तर के साईड टेबल पर सामान रखा और आगे बढ़ने लगे तभी डॉक्टर ने कहा कि माईन ब्लास्ट में इस वीर सैनिक के दोनों हाथ और दोनों पैर चले गये थे । हम फिर मुड़े और पूछा, 'बहुत दर्द होता होगा', सैनिक ने उतर दिया, 'कल शाम से नहीं हो रहा है' । हमने पूछा क्या कोई (पेन किलर) दर्द निवारक दवाई ली या टीका लगा ? उसने उतर दिया ह्यह्यनहीं, कल शाम (4 जुलाई को) टाईगर हिल वापस ले लिया और तिरंगा फहरा दिया, मेरा दर्द चला गया । राष्टभक्ति और मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना को शत शत नमन ।

आजकल एक और विवाद मीडिया में देखने को मिला यहां शहीद की नौजवान विधवा ने मरणोपरान्त मिलने वाले सम्मान को शहीद के मॉ-बाप के साथ सांझा करना उचित नहीं समझा। ऐसी समस्यायें आप्रेशन विजय के बाद भी आई थीं, अधिकतर विधवायें नवविवाहिता थीं और उनका पुनर्विवाह होना स्वभाविक और न्यायोचित भी था परन्तु बजुर्ग मॉ-बाप का सहारा भी तो शहीद जवान ही होता था इसलिये पुनर्विवाह के समय प्रदेश और केन्द्र सरकार की ओर से मिली सारी की सारी अनुदान राषि, पैट्रोल पम्प या गैस एजैन्सी आदि सभी को साथ ले जाना मॉ-बाप के साथ अन्याय था क्योंकि अधिकतर मामलों में गरीब मॉ-बाप ने अपना पेट काट कर बेटे को पाला पोसा होता था और बुढ़ापे में नौजवान बेटे की शहादत और बहु का सब कुछ अपने साथ ले जाना उनके लिये दोहरा अघात होता था। इसलिये हमने प्रदेश कैबिनेट की बैठक में सारी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुये निर्णय लिया कि अगर तो पुनर्विवाह उसी परिवार में होता है तो सभी कुछ वैसे ही रहेगा लेकिन यदि वीर नारी कहीं दूसरी जगह शादी करती है तो सरकार की ओर से मिली राषि दो हिस्सों बांट दी जायेगी । आधी राषि उस युद्व विधवा को और आधी राषि बूढ़े मॉ-बाप को दी जायेगी और यदि शहीद के बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हों और मॉ तथा दादा-दादी से अलग रहते हों तो राषि तीन भागों में बांटी जायेगी और एक तिहाई बच्चों को दी जायेगी। इस निर्णय से सभी की समस्या का समाधान हो गया ।

राष्ट्रभक्ति के साथ साथ एक दूसरे के प्रति सम्बेदनशीलता के भी कई उदाहरण देखने को मिले, शामिला जिले का एक अनुसूचित जाति से सम्बन्ध रखने वाला जवान शहीद हुआ था, घर की अर्थिक स्थिति भी कमजोर थी । जब हमने अनुग्रह राषि उन्हें दी तो उस गरीब परिवार ने कहा हमें आधी राषि ही दीजिए, अभी युद्व चल रहा है और शहीद हो रहे हैं और आपको कई और परिवारों की सहायता करनी है, हमें आधी राशाी दे दो बाकि किसी और परिवार के काम आ जायेगी । शहीद की शहादत को तो नमन था ही पर गरीब परिवार की सम्बेदनशीलता और दूसरों के प्रति समर्पण की भावना से हम सभी द्रवित हो गये और उन्हें धन्यवाद देते हुये हमने कहा कि राषि आपके लिये ही है और आवश्यकता होगी तो लोग योगदान दे ही रहे हैं ।

पालमपुर में तो जहां एक ओर प्रथम परमवीर चक्र विजेता, मेजर सोमनाथ शर्मा वहीं कारगिल युद्व के नायक कै. विक्रम बतरा, परमवीर चक्र विजेता का भी घर है, उस दिन हम कै. विक्रम बतरा के पार्थिव शरीर का इन्तजार कर रहे थे वहीं पर कारगिल युद्व के प्रथम शहीद कै. सौरभ कालिया की माता जी, विजय कालिया और कै. विक्रम बतरा की माता जी साथ साथ बैठी थीं । विजय कालिया श्रीमति बतरा को ढांढस बंधा रही थीं, एक महान मां दूसरी महान माता को साहस बंधा रही थी, शायद यही जीवन है।

इसी प्रकार जिला बिलासपुर की एक बहादुर मां, कौषल्या देवी जी जब मिली तो अन्होंने कहा, 'धूमल जी कल मंगल सिंह की अर्थी को डेढ किलो मीटर मैंने कंधा दिया'। मैंने पहली बार सुना कि शहीद की मॉ ने अपने शहीद सुपुत्र की अर्थी को कंधा दिया हो । शहीद की शहादत और मॉ की हिम्मत को सलाम ।

सोलन जिला मुख्यालय में चपरासी के पद पर नियुक्त एक व्यक्ति का सैनिक बेटा शहीद हो गया, अन्तिम संस्कार में भाग लेने के बाद हम उसके घर ढांढस बंधाने के लिये गये। शहीद की मॉ ने कहा मेरा बेटा देश के काम आ गया, दूसरा बेटा दसवीं कक्षा में पढ़ रहा है यह भी पढ़कर फौज में भर्ती होगा और देश की सेवा करेगा।

जिला हमीरपुर के बमसन क्षेत्र में पहाड़ी के ऊपर एक बगलू गांव है यहां से राज कुमार सुपुत्र खजान सिंह शहीद हुये थे। चढ़ाई चढ़ते मैं सोच रहा था कि शहीद के बजुर्ग पिता जी से कैसे बात करूंगा । मैं उनके आंगन में पहुंच गया और इससे पहले कि मैं कुछ बोलता, खजान सिंह बोले, 'धूमल साहब, बेटे तो पैदा ही इसलिये किये जाते हैं कि पढ़ें, लिखें और बड़े होकर फौज में भर्ती हों और देश की रक्षा करें । उन्होंने अपने दोनो पोते मुझे मिलाये और कहा ये भी पढ़कर फौज में भर्ती होंगे और देश की सेवा करेंगे । उन्होंने मुझे कहा आप दिल्ली जायेंगे तो प्रधानमन्त्री, वाजपेयी जी को कहना कि जवानों की यदि कमी हो तो 82 वर्ष का हबलदार खजान सिंह आज भी हथियार उठाकर देष की रक्षा करने के लिये तैयार है ।

शहीदों का आदम्य साहस, परिवारों का सम्पूर्ण समर्पण, अटल जी का दृढ़निष्चयी नेतृत्व सदियों तक देष के लिये प्रेरणा रहेगा ।

5 जुलाई को जब अमेरिका के राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने आदरणीय अटल जी को फोन करके कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमन्त्री नवाज शरीफ इनके पास पहुंच गये हैं और अटल जी से आग्रह किया कि वे भी युद्व विराम की घोषणा कर दें और अमेरिका आ जायें ताकि समस्या का सर्वमान्य हल निकाला जा सके ।

उस ऐतिहासिक क्षण में श्रद्वेय अटल बिहारी वाजपेयी का यह कथन 'जब तक एक भी घुसपैठिया कारगिल में है, तब तक न युद्व विराम होगा और न मैं देश छोड़कर कहीं जाऊंगा' इतिहास के स्वर्ण अक्षरों में लिखा जायेगा ।

प्रधानमन्त्री के इस दृढ़संकल्प को देखते हुये सारे राष्ट्र में एक नई ऊर्जा आ गई और सैनिकों में यह संकल्प और दृढ़ हो गया और भारत की वीर सेना ने निर्णायक विजय प्राप्त की ।

कारगिल से वापसी पर हम प्रभु अमरनाथ की पवित्र गुफा के पास उतरे, दर्षन किये और संयोग से टाईगर हिल विजय प्राप्त करने वाले जवान भी उसी समय गुफा में दर्षन करने के लिये आये हमने उन से चर्चा की और नरेन्द्र मोदी जी ने तो उनके हथियार लेकर उन हथियारों के बारे में जानकारी भी ली ।

यह उचित ही है कि 26 जुलाई को प्रतिवर्ष हम कारगिल विजय दिवस मनाते हैं और उन शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं । ठीक ही कहा है 'शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर वर्ष मेले, वतन पर मिटने वालों का यही निशां होगा'।

-(लेखक हिमाचल के पूर्व मुख्यमन्त्री रहे हैं व कारगिल युद्व के समय मुख्यमन्त्री थे।)

संपादकीय

अनावश्यक फैसला

भारतीय राजनीति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) किसी न किसी कारण से हमेशा चर्चा और विवादों के केंद्र में रहा है। अभी पिछले दिनों केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों पर आरएसएस की गतिविधियों में हिस्सा लेने पर लगे करीब छह दशक पुराने प्रतिबंध को हटाने का फैसला लिया है जिसे बुद्धिमत्तापूर्ण नहीं कहा जा सकता। जाहिर है कि राजनीतिक क्षेत्रों में इस फैसले की कड़ी आलोचना हो रही है। आरोप लगाया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर्मचारियों को वैचारिक आधार पर विभाजित करना चाहते हैं। वस्तुतः आरएसएस की चाहे जितनी आलोचना या निंदा की जाए लेकिन राष्ट्र के उत्थान में इस संगठन की सार्थक भूमिका को नजरंदाज नहीं किया जा सकता। ब्रिटिश सरकार में भी 1932 में सरकारी कर्मचारियों की आरएसएस की गतिविधियों में भाग लेने पर प्रतिबंध लगाया था लेकिन इस प्रतिबंध के कारण आरएसएस के विस्तार में रुकावट नहीं आई। यह संगठन अपने ध्येय को लेकर आगे बढ़स्ता गया। आरएसएस अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करने जा रहा है और अब यह संगठन समाज की मुख्यधारा में है। आरएसएस पर महात्मा गांधी की हत्या, आपातकाल और बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद प्रतिबंध लगाया गया। लेकिन क्या यह हैरानी की बात नहीं है कि इतने प्रतिबंधों के बावजूद इस संगठन से जुड़े.हुए लोग आज देश के शीर्ष पदों पर आसीन हैं। कुछ लोग संघ और सरकार के बीच संबंधों की तुलना चर्च और राज्य के रिश्ते से करते हैं। उनका विश्वास है कि धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक देश में चर्च और राज्य के बीच विभाजन रेखा का सम्मान किया जाता है लेकिन आरएसएस दावा करता है कि वह सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन है और राजनीति एवं धर्म से इसका दूर-दूर तक रिश्ता नहीं है। आरएसएस पर ब्रिटिश सरकार से लेकर आज तक हमले होते रहे हैं लेकिन अपनी स्थापना के सौ वर्षों में यह संगठन बरगद का रूप ले चुका है। पूर्वोत्तर भारत यदि देश की मुख्यधारा में शामिल हुआ है तो इसका श्रेय आरएसएस को ही दिया जाना चाहिए। सरकारी कर्मचारियों के लिए आरएसएस का द्वार खोलने का केंद्र सरकार का फैसला एक नये विवाद को जन्म देने वाला है। संघ को इसकी कोई आवश्यकता नहीं थी।

चिंतन-मनन

सत्ता-संपदा का उन्माद

मनुष्य विचारशील प्राणी है, विवेकशील प्राणी है। उसके पास बुद्धि है, शक्ति है। वह अपनी बुद्धि का उपयोग करता है, चिंतन के हर कोण पर रुकता है, विवेक को जगाता है, शक्ति का नियोजन करता है और संसार के अन्य प्राणियों से बेहतर जीवन जीता है। जीने के लिए वह अनेक प्रकार की सुविधाओं को जुटाता है। सत्ता और संपदा ये तो ऐसे तत्व हैं, जिनका आकषर्ण अधिकांश लोगों को बना रहता है। सत्ता के मूल में सेवा की भावना है और संपदा के मूल में जीवनयापन की। न सत्ता के बल पर कोई व्यक्ति बड़ा बनता है और न संपदा ही किसी को शिखर पर बिठा सकती है। जो लोग सेवा की पवित्र भावना से सत्ता के गलियारे में पांव रखते हैं और जीवनयापन के साधन के रूप में अर्थ का उपयोग करते हैं, वे सत्ता और संपदा प्राप्त करके भी कुछ अतिरिक्त अनुभव नहीं करते। सहज सादगीमय जीवन जीते हुए वे सत्ता और संपदा के द्वारा हितकारी प्रवृत्तियों में संलग्न हो जाते हैं।

कुछ लोगों की अवधारणा है कि व्यक्ति का अस्तित्व और व्यक्तित्व सत्ता और संपदा पर ही निर्भर है। इसलिए वे जैसे-तैसे इन्हें हथियाने का प्रयास करते हैं और ये हस्तगत हो जाएं तो इनका उचित-अनुचित लाभ भी उठा लेते हैं। ऐसे लोगों में न तो सेवा की भावना होती है और न ही वे उपयोगितावादी दृष्टि से अर्थ का अंकन करते हैं। इनके द्वारा अहंकार बढ़ता है और वे स्वयं को आम आदमी से बहुत बड़ा मानने लगते हैं। यहीं से एक भेद-रेखा बनने लगती है, जो सत्ताधीश और संपत्तिशाली को दूसरे नजरिए से देखने का धरातल तैयार करती है। जिस व्यक्ति के पास सत्ता हो और संपदा हो, फिर भी उन्माद न हो; बहुत कठिन बात है। इन दोनों में से एक पर अधिकार पाने वाला व्यक्ति भी मूढ़ हो सकता है। जहां दोनों का योग हो जाए, वहां मूढ़ता न आए, यह तो संभव ही नहीं है। इस बात को सब लोग जानते हैं, फिर भी सत्ता और संपदा पाने की आकांक्षा का संवरण नहीं होता। जिनकी आकांक्षा पूरी हो जाती है, वे सौभाग्य से ही मूढ़ता से बच पाते हैं। किंतु जिनकी आकांक्षा पूरी नहीं होती, वे एक दूसरे प्रकार के उन्माद का शिकार हो जाते हैं।

किसान आन्दोलन की समाधान राहें बातचीत से ही खुलेगी

ललित गर्ग

मोदी सरकार 3.0 के पहले बजट में वित्त मंत्री ने सरकार की जिन 9 प्राथमिक्ताओं का जिक्र किया उसमें विकसित भारत लिये रोजगार, महंगाई नियंत्रण, कृषि, महिला-युवा विकास के साथ-साथ मध्यम वर्ग के लिये पहली बार सकारात्मक सोच सामने आयी है। बावजूद इसके विपक्षी दल किसी न किसी बहाने उसका विरोध करते हुए संसद में हंगामा बरपा रहे हैं। सभी क्षेत्रों के लिये न्यायसंगत एवं विकास योजनाओं के बावजूद विरोध होना अतिश्योक्तिपूर्ण है। विपक्षी दल इस आरोप के सहारे बजट का विरोध कर रहे हैं कि उसमें अन्य राज्यों के साथ भेदभाव किया गया है। इस विरोध का आधार बिहार और आंध्र प्रदेश की विभिन्न विकास योजनाओं के लिए विशेष घोषणाएं के साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की वैधानिक गारंटी और अन्य मांगों को लेकर किसी तरह की घोषणा न करने के मुद्दे हैं। विपक्षी दल किसान आन्दोलन को उग्र करने के प्रयास करेंगे। ऐसा इसलिये भी लग रहा है कि बुधवार को ही नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से नई दिल्ली में मुलाकात करने के बाद किसान नेताओं ने साफ भी कर दिया है कि दिल्ली मार्च का उनका कार्यक्रम जारी रहेगा। संसद सत्र जारी है, ऐसे में किसान आंदोलन को लेकर प्रतिपक्ष सरकार पर हमलावर होगा, एक बार फिर किसान आन्दोलन के उग्र से उग्रतर होने की संभावनाएं हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने किसान-आन्दोलन से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए पंजाब-हरियाणा से सटे शंभू बॉर्डर पर यथास्थिति बनाए रखने का औचित्यपूर्ण आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी अहम है कि एक 'तटस्थ मध्यस्थ' की आवश्यकता है जो सरकार और किसानों के बीच विश्वास कायम कर सके। सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए स्वतंत्र विशेषज्ञों की एक कमेटी बनाने का प्रस्ताव भी दिया है। प्रश्न है कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल न्यायालय के इस महत्वपूर्ण सुझाव को आकार देने की बजाय किसान-आन्दोलन को उग्र करने की मंशा रखते हुए अराजक माहौल ही क्यों बनाना चाहते है? क्यों अव्यवस्था फैलाने चाहते हैं? निश्चित ही शंभू बॉर्डर खोले जाने पर कानून-व्यवस्था को लेकर संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। यह बात सही है कि शंभू बॉर्डर खोले जाने से आंदोलनरत किसानों के दिल्ली कूच की राह खुल सकती है। आंदोलनरत किसान संगठन पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि जब भी सीमाएं खुलेंगी, किसान ट्रैक्टर ट्रोलियों के साथ दिल्ली की ओर बढ़ेंगे। शीर्ष अदालत हरियाणा सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें उसे एक सप्ताह के भीतर अंबाला के पास शंभू सीमा पर बैरिकेड्स हटाने के लिए कहा गया था जहां किसान 13 फरवरी से डेरा डाले हुए हैं।

केन्द्र सरकार एवं विपक्षी दलों को मिलकर इस विकट समस्या का समाधान निकालने के लिये कोई सार्थक प्रयास करने चाहिए। किसानों के भरोसे को जीतने की कोशिश होनी चाहिए। लेकिन नेशनल हाई-वे पर जेसीबी और बख्तरबंद ट्रैक्टर ट्रॉली की इजाजत तो इस समस्या का समाधान नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने विशेषज्ञों की समिति के जरिए बातचीत का जो प्रस्ताव दिया है उस पर सरकार की प्रतिक्रिया आनी बाकी है। लेकिन दोनों पक्षों को ही आंदोलन खत्म करने के लिए बातचीत के माध्यम से समाधान का रास्ता निकालने की पहल करनी होगी। किसान आंदोलन के उग्र रूप को भी यह देश देख चुका है, भारी नुकसान भी हुआ है। किसानों की समस्याएं अपनी जगह हैं और इनकी आड़ में होने वाली राजनीति अपनी जगह। वैसे भी स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने, न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और कर्ज माफी जैसे मुद्दों पर समिति के गठन का प्रस्ताव केन्द्र सरकार पहले ही दे चुकी है। यह बड़ा सच है कि बात करने से ही बात बनती है। बातचीत की हर संभावना का स्वागत किया जाना चाहिए। किसी भी आंदोलन का लंबे वक्त तक जारी रहना सचमुच चिंताजनक है। ऐसे आन्दोलन को उग्र करने की विपक्षी दलों की मानसिकता भी संदेहों एवं अविश्वासों से घिरी है। अच्छा हो कि विपक्षी दल एवं नेता प्रचार पाने के लिए विरोध की बेतुकी रस्म निभाने के बजाय बजट में कृषि क्षेत्र के लिये किये गये बड़े ऐलानों पर गौर करें। सरकार ने एग्रीकल्चर सेक्टर के लिए कई बड़े ऐलान किए हैं। इनमें कृषि उत्पादकता को बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए मौसम में बदलाव को बरदाश्त कर सकने वाली फसलों की प्रजातियों को विकसित करने पर जोर दिया गया है। इसके लिए एग्रीकल्चर रिसर्च के बजट को भी बढ़ाया गया है।

विपक्षी पार्टियां लगातार किसानों एवं कृषि को लेकर सरकार को घेरने का प्रयास कर रही हैं। कोई न कोई बहाना चाहिए विरोध का, अब किसान-आन्दोलन के सहारे अपनी राजनीति चमकाने की जुगत में देश का कितना नुकसान होगा, कहा नहीं जा सकता। जबकि भाजपा सरकार द्वारा भारतीय अर्थ-व्यवस्था की वृद्धि और विकास में कृषि की भूमिका को ध्यान में रखते हुए, इस बजट में कृषि क्षेत्र पर अधिक ध्यान दिया गया है। कृषि में उत्पादकता, किसानों के हितों एवं कृषि की सुदृढ़ता को बढ़ाना बजट द्वारा निर्धारित शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। उल्लेखनीय है कि बजट में जो नौ प्राथमिकताएं शामिल है, उनमें कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों के लिए करीब 1.52 लाख करोड़ रुपये के आवंटन से खेती-किसानी की दशा-दिशा सुधरने की आस बढ़ी है। विभिन्न फसलों की प्रस्तावित 109 किस्मों से भी उत्पादकता में बढ़ोतरी की उम्मीद है। ये किस्में जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ रही प्रतिकूल मौसमी परिघटनाओं के विरुद्ध कवच का काम करेंगी। दलहन-तिलहन को प्राथमिकता, डिजिटल क्राप सर्वे के अतिरिक्त किसान उत्पादक संघों यानी एफपीओ एवं भंडारण और आपूर्ति श्रृंखला पर ध्यान देने जैसे उपाय उपज को पहुंचने वाले नुकसान को घटाने एवं कीमतों में स्थायित्व सुनिश्चित करेंगे। ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ की बड़ी राशि आवंटित की गई है। भले ही सरकार ने सीधे तौर पर बजट में किसानों की आय बढ़ाने और एमएसपी पर खरीद सुनिश्चित न किए जाने से किसानों को निराशा हुई हो लेकिन बजट में तिलहन में आत्मनिर्भरता, सब्जी उत्पादन केन्द्र विकसित करने और खेती के लिए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास की बात कही गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक इस बजट से आने वाले समय में एग्रीकल्चर सेक्टर की विकास की रफ्तार बढ़ाने में मदद मिलेगी जो सीधे तौर पर किसानों की आय भी बढ़ायेगा एवं उन्नत कृषि को प्रोत्साहन भी देगा।

असल में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की वैधानिक गारंटी और अन्य मांगें राजनीतिक मुद्दे बन गये हैं, जिनके चलते हो रहा आन्दोलन न केवल किसानों के बल्कि आम जनता के लिये भी परेशानी का सबब है। जबकि सरकार ने धान का उत्पादन करने वाले किसानों के लिए एमएसपी को बढ़ा कर 2300 कर दिया है जो स्वागत योग्य कदम है। उम्मीद थी की सरकार एमएसपी पर खरीद को सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाएगी। लेकिन बजट में इस तरह का कोई प्रावधान न होने से काफी निराशा हुई है। दुनिया भर के विकसित देश अनिवार्य रूप से किसानों की उपज को एमएसपी पर खरीदते हैं। लेकिन भारत में किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य नहीं मिल पाता। विपक्षी दल किसानों के हित में आन्दोलन की बजाय बातचीत के रास्ते पर आगे बढ़े। स्तरीय विरोध हो, किसानों को गुमराह करने एवं उनका मनोबल कमजोर करने के लिये विपक्षी दल उजालों पर कालिख न पोते, इससे उन्हीं के हाथ काले होने की संभावनाएं है।

मुद्दाः जमानत पर 'सुप्रीम' फैसला

रजनीश कपूर

किसी भी अपराध के संबंध में निर्दोषता की धारणा एक कानूनी सिद्धांत है। जिसके अनुसार किसी भी अपराध के लिए आरोपी प्रत्येक व्यक्ति को तब तक निर्दोष माना जाता है जब तक कि उसे दोषी साबित न कर दिया जाए। देश की शीर्ष अदालत ने अपने कई आदेशों में यह भी स्पष्ट किया है कि 'जमानत देना नियम है और जेल में रखना अपवाद।' परंतु आए दिन यह देखने को मिलता है कि जब भी किसी आरोपी को निचली अदालत से जमानत दी जाती है तो सरकारी एजेंसियां तुरंत उस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंच कर रोक लगवा लेती हैं। बीते मंगलवार सुप्रीम कोर्ट ने इस चलन पर आपत्ति जताते हुए एक अहम फैसला दिया।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अभय सिंह ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की खंडपीठ ने धन शोधन के मामले में आरोपी परविंदर सिंह खुराना की याचिका पर सुनवाई करते हुए देश भर के हाई कोर्टों को यह निर्देश दिया कि, 'कोर्ट को स्टे लगाने का अधिकार होता है, लेकिन किसी की जमानत पर यूं ही रोक नहीं लगाई जा सकती। सिर्फ असामान्य मामलों और असाधारण परिस्थितियों में ही ऐसा करना चाहिए। हाई कोर्ट को ऐसे मामलों में सोच समझकर फैसला देना चाहिए। सामान्य तौर पर हाईकोर्ट को जमानत के आदेशों पर रोक नहीं लगानी चाहिए।' उल्लेखनीय है कि मनी लॉड्रिंग के आरोपी परविंदर सिंह खुराना को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 2023 में गिरफ्तार किया था, लेकिन खुराना को ट्रायल कोर्ट से जून 2023 में ही बेल मिल गई थी, जिसके खिलाफ ईडी ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के बेल ऑर्डर पर रोक लगा दी। जिसे चुनौती देते हुए खुराना सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उनकी स्वतंत्रता को लेकर चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि, 'एक साल तक एक शख्स बिना किसी कारण के जेल में सड़ रहा है।' केस की पिछली सुनवाई पर ईडी की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट से कहा कि खुराना को जमानत मिलते ही वो देश छोड़ कर जा सकता है। यदि वो देश छोड़ कर चला गया तो जमानत के क्या मायने? शीर्ष अदालत ने इस तर्क को अस्वीकार करते हुए यह स्पष्ट किया कि, 'जमानत पर रोक केवल बहुत ही दुर्लभ मामलों में लगाई जा सकती है। यदि आरोपी पर देशद्रोह, आतंकवाद या एनईए जैसे संगीन मामले दर्ज हों तभी जमानत पर रोक लगाई जानी चाहिए।' गौरतलब है कि देश भर की जेलों में लगभग 6 लाख कैदी बंद हैं। इनमें से बहुत सारे कैदी ऐसे हैं, जिनका आरोप सिद्ध भी नहीं हुआ है। वहीं दूसरी तरफ, जिन मामलों में सीबीआई या अन्य जांच एजेंसियों को तत्परता दिखानी होती है वहां तो रातों-रात गिरफ्तारी भी हो जाती है, परंतु जहां ढील देने का मन होता है या ऊपर से ढील देने के 'निर्देश' होते हैं, वहां विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चोकसी जैसे आर्थिक अपराधियों को देश छोड़ कर भाग जाने का मौका भी दे दिया जाता है। यदि जांच एजेंसियां वास्तव में संगीन अपराधों को गंभीरता से लें तो उन्हें देश में लंबित पड़े सैंकड़ों मामलों में तेजी दिखानी चाहिए। केवल चुनिंदा मामलों में तेजी दिखाने से जांच एजेंसियों पर सवाल तो उठेंगे ही। अब बनी खॅड के मामलों को ही लें तो पिछली लोक सभा में एक सवाल का उत्तर देते हुए भारत सरकार के वित्त राज्य मंत्री डॉ. भागवत कराड ने बताया था कि 31 मार्च 2022 को खत्म होने वाले वित्तीय वर्ष में 'टॉप 50 विल्फुल लोन डिफॉल्टरों' ने बैंकों के साथ 5,40,958 करोड़ धोखाधड़ी की है, परंतु सीबीआई, ईडी व इनकम टैक्स विभाग ने इन मामलों में काफी ढुलमुल रवैया अपनाया। मिसाल के तौर पर लोक सभा में दिए गए इसी उत्तर में देश के 'टॉप 50 विल्फुल लोन डिफॉल्टरों' की सूची में छटे नंबर पर एक नाम 'खॅस्ट इंटरनेशनल लिमिटेड' का भी है। सूची के अनुसार इनके बैंक खॅड की रकम 3311 करोड़ है। इस कंपनी पर 14 बैंकों के एक समूह के साथ धोखाधड़ी का आरोप है।

गौरतलब है कि बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन ओवरसीज बैंक ने 2020 में उदय देसाई और 13 अन्य लोगों के खिलाफ सीबीआई में धोखाधड़ी के मामलों की एफआईआर लिखवाई थी, परंतु इस मामले की जांच कर रही एजेंसियां किन्हीं कारणों से इस गंभीर मामले में फुर्ती नहीं दिखा रही हैं। 2020 में जब इस मामले की एफआईआर दर्ज हुई थी तब यह मामला नीरव मोदी और मेहुल चोकसी के 13,000 करोड़ के बैंक खॅड मामले के बाद दूसरा सबसे बड़ा मामला था, लेकिन इतने संगीन मामले के अपराधी आज तक खुले घूम रहे हैं। वहीं इससे कई छोटे अपराध के मामले में यदि अपराधी जमानत लेता है तो जांच एजेंसियां इसका विरोध करने हाई कोर्ट पहुंच जाती हैं। ऐसे में देश की शीर्ष अदालत के आदेश के बाद जांच एजेंसियों द्वारा अपनाए गए दोहरे मापदंड का भी पदार्फाश होता है। इसलिए जांच एजेंसियों को संगीन मामलों में फुर्ती दिखानी चाहिए न कि चुनिंदा मामलों में जमानत का विरोध कर सुप्रीम कोर्ट की लताड़ का सामना करना चाहिए।

गहरी जड़ वाली फसल के बाद उथली जड़ वाली फसल- इस क्रम से फसलों को बोने से भूमि के विभिन्न स्तरों से पोषक तत्वों का समुचित उपयोग हो जाता है। अधिक पानी चाहने वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल- खेत में लगातार अधिक पानी चाहने वाली फसलें उगाते रहने से मिट्टी जल स्तर ऊपर आ जाएगा। पौधों की जड़ों का विकास प्रभावित होता है एवं अन्य प्रतिकूल प्रभाव पड़ते हैं।

खेती की एंटीबायोटिक फसलें

फसल चक्र का तरीका

प्रायः फसल चक्र एक से लेकर तीन वर्ष तक के लिए तैयार किया जाता है। अतः फसल चक्र अपनाते समय निम्न सिद्धांतों का अनुसरण करना चाहिए।

दलहनी फसलों के बाद अदलहनी फसलें- दलहनी फसलों की जड़ों में ग्रंथियां पाई जाती हैं जिनमें राइजोबियम जीवाणु पाये जाते हैं। ये जीवाणु वायुमण्डलीय नाइट्रोजन का स्थिरीकरण करते हैं जिससे भूमि की उर्वराशक्ति में वृद्धि होती है जो कि आगे बोई जाने वाली फसलों के लिए उपयोगी होती है।

गहरी जड़ वाली फसल के बाद उथली जड़ वाली फसल- इस क्रम से फसलों को बोने से भूमि के विभिन्न स्तरों से पोषक तत्वों का समुचित उपयोग हो जाता है।

अधिक पानी चाहने वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल- खेत में लगातार अधिक पानी चाहने वाली फसलें उगाते रहने से मिट्टी जल स्तर ऊपर आ जाएगा। पौधों की जड़ों का विकास प्रभावित होता है एवं अन्य प्रतिकूल प्रभाव पड़ते हैं।

अधिक पोषक तत्व चाहने वाली फसल के बाद कम पोषक तत्व चाहने वाली फसल- अधिक पोषक तत्व चाहने वाली फसलें लगातार एक ही भूमि में लगाते रहने से भूमि की उर्वराशक्ति का ह्रास शीघ्र हो जाता है एवं खेती की लागत बढ़ती चली जाती है। अतः अधिक पोषक तत्व चाहने वाली फसलों के बाद कम पोषक तत्व चाहने वाली फसलों को उगाना चाहिए।

अधिक कर्षण क्रियायें या भूपरिष्करण चाहने वाली फसल के बाद कम क्रियायें चाहने वाली फसल- इस प्रकार के फसल चक्र से मिट्टी की सरंचना ठीक बनी रहती है एवं लागत में भी कमी आती है। इसके अलावा निराई-गुड़ाई में उपयोग किये जाने वाले संसाधनों का दूसरा फसलों में उपयोग कर अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

दो तीन वर्ष के फसल चक्र में खेत को एक बार खाली या पड़त छोड़ा जाये- फसल चक्र में भूमि को पड़त छोड़ने से भूमि की उर्वरता में हो रहे लगातार ह्रास से बचा जा सकता है। परती मिट्टी में नाइट्रोजन अधिक मात्रा में पायी जाती है। अतः अधिक पोषक तत्व चाहने वाली फसल से पूर्व खेत को एक बार खाली अवश्य छोड़ना चाहिए।

दूर-दूर पंक्तियों में बोई जाने वाली फसल के बाद घनी बोई जाने वाली फसल- वर्षा के दिनों में सघन एवं भूमि को आच्छादित करने वाली फसल लगाने से मिट्टी क्षरण कम होता है जबकि दूर-दूर पंक्तियों में बोई गई फसल से मिट्टी का कटाव अधिक होता है। अतः ऐसी फसलों का हेरफेर होना चाहिए जिससे मिट्टी कटाव एवं उर्वरता ह्रास को रोका जा सके।

दो तीन वर्ष के फसल चक्र में एक बार खरीफ में हरी खाद वाली फसल- हरी खाद के द्वारा भूमि में 40-50 किग्रा नाइट्रोजन प्रति हेक्टर स्थिर होती है। इसके लिए सनई, ढ़ेंचा आदि फसलों का उपयोग किया जा सकता है।

फसल चक्र में साग-सब्जी वाली फसल का समावेश होना चाहिए- किसान की घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सफल चक्र में साग-सब्जी वाली फसल का समावेश होना चाहिए।

फसल चक्र में तिलहनी फसल का समावेश होना चाहिए- घर की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ऐसा फसल चक्र तैयार करना चाहिए जिसमें एक फसल तेल वाली हो।

एक ही प्रकार की कीट व बीमारियों से प्रभावित होने वाली फसलों को लगातार एक ही खेत में नहीं बोना चाहिए- एक ही फसल तथा उसी समुदाय की फसलों को एक ही क्षेत्र या एक ही स्थान पर लगातार बोते रहने से कीटों व बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है।

फसल चक्र ऐसा होना चाहिए कि वर्ष भर उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग होता रहे- फसल चक्र निर्धारण के समय यह ध्यान रखना चाहिए कि किसान के पास उपलब्ध संसाधनों जैसे भूमि, श्रम, पूंजी, सिंचाई इत्यादि का वर्ष भर सदुपयोग होता रहे एवं किसान की आवश्यकताओं की पूर्ति फसल चक्र में समावेशित फसलों के द्वारा होती रहे।

फसल चक्र को प्रभावित करने वाले कारक

भूमि संबंधी कारक: भूमि संबंधी कारकों में भूमि की किस्म, मिट्टी प्रतिक्रिया, जल निकास, मिट्टी की भौतिक दशा आदि आते हैं। ये सभी कारक फसल की उपज पर गहरा प्रभाव डालते हैं।

सिंचाई के साधन- सिंचाई जल की उपलब्धता के अनुसार फसल चक्र अपनाना चाहिए।

किसान की आर्थिक दशा: किसानों की आर्थिक स्थिति का भी फसल चक्र पर प्रभाव पड़ता है। किसान के पास पूंजी एवं संसाधनों की स्थिति को देखते हुए फसल चक्र में ऐसी फसलों का समावेश किया जाना चाहिए जो किसान को अधिकतम लाभ दें।

बाजार की मांग: बाजार की मांग के अनुरूप फसलें ली जानी चाहिए जैसे शहर के नजदीक वाली भूमियों में साग-सब्जी वाली फसलों को प्राथमिकता देना चाहिए।

आवागमन के साधन: आवागमन के समुचित साधन उपलब्ध होने से फसल चक्र में सुविधा के अनुसार फसलों का समावेश करना चाहिए।

श्रमिकों की उपलब्धता: कृषि में श्रमिकों का मुख्य कार्य होता है। यदि श्रमिक आसानी से व पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं तो सघन फसल चक्र अपनाया जा सकता है तथा फसल चक्र में नगदी फसलों को समावेशित कर लाभ लिया जा सकता है।

खेती का प्रकार: यदि पशु पालन खेती का मुख्य अवयव है तो ऐसी जगह चारे वाली फसलें की जाये।

किसान की घरेलू आवश्यकताएं: किसान को अपनी घरेलू आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर फसल चक्र अपनाना चाहिए।

दलहन की पुख्ता सुरक्षा

फसलों से कम पैदावार मिलने के अनेकों कारण हैं जिनमें फसल की खड़ी अवस्था पर आक्रमण करने वाले हानिकारक कीटों की भूमिका मुख्य है। अतएव यह आवश्यक हो जाता है कि इन कीड़ों से फसल की सुरक्षा का उचित प्रबंध किया जाये।

चने की फली भेधक: पहचान- यह दलहनी फसलों का अत्यंत हानिकारक कीट है जो कि देश के सभी भागों में पाया जाता है तथा वर्षभर सक्रिय रहता है। यह एक बहुभक्षी कीट है। प्रौढ़ शलभ मजबूत एवं हलके भूरे रंग का होता है अगले जोड़ी पंखों पर बिन्दु होते हैं जो कि धारीदार रेखाएं बनाते हैं तथा ऊपर की तरफ काले रंग के धब्बे पाये जाते हैं। पिछले जोड़ी पंख सफेद हल्के रंग के होते हैं। इस कीट की सुंडी के शरीर पर धारियां होती हैं। ये सुंडियां जिस फसल को खाती हैं उसी तरह का रंग ग्रहण कर लेती है।

प्रबंधन

- चने की फसल कटते ही ग्रीष्मकालीन जुताई कर दें ताकि उसमें मौजूद प्यूपा आदि तेज धूप में मर जाये। सुंडियों का पकड़ कर नष्ट करें।
- फसल के आस-पास प्रकाश प्रपंच एवं फेरोमेन प्रपंच लगाकर प्रौढ़ अवस्था को पकड़ कर नष्ट किया जा सकता है। इन प्रपंचों की संख्या एक हेक्टेयर में 20 हो।
- प्रथम, द्वितीय व तृतीय अवस्था की सुंडियों को नियंत्रित करने के लिए न्यूक्लीयर पाली हायड्रोसिस वायरस (एनपीव्ही) का 350 एलई प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
- कार्बोरिल 10 प्रतिशत अथवा मिथाइल पैराथियान 2 प्रतिशत धूल का 20-25 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से फसल पर भुरकाव करें।
- क्विनालफस/ मिथोमिल की 500 मिली/ एकड़ 200 लीटर पानी में घोल बनाकर 15 दिनों के अंतर में दो छिड़काव करें।

कटुआ सुंडी- पहचान- यह चने की सुंडियां नई-नई पत्तियों को खाती है। यह अपना रंग पत्तियों जैसे बना लेती हैं। इस कीट का व्यस्क धूसर रंग का होता है जो कि अधिक उड़ने वाला होता है। इसको चने का कटुआ भी कहते हैं। यह कीट एक विचित्र प्रकार का कीट है। इसका पतंगा बहुत अधिक तेज उड़ने वाला कहा जाता है।

प्रबंधन

- जब खेत खाली हो उस समय खेत की गहरी जुताई करें ताकि जमीन में मौजूद प्यूपा आदि बाहर आकर नष्ट हो जाये।
- छोटे खेतों में/ प्रारंभिक अवस्था में सुंडी का प्रकोप होने पर हाथ से पकड़ कर नष्ट करें।
- खेतों में प्रकाश प्रपंच लगाकर वयस्क पतंगों को आकर्षित करके नष्ट किया जा सकता है।
- मैलाथियान 5 प्रतिशत अथवा कार्बोरिल 10 प्रतिशत धूल का 20-25 किग्रा प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

अरहर का प्ररोह मोड कीट

पहचान- इस कीट का पतंगा छोटा, गहरे भूरे रंग का होता है तथा इसकी सुंडी छोटी, हल्के पीले रंग की होती है। सर्वप्रथम सुंडियां पत्तियों की बाह्य त्वचा को खुरचकर खाती है तथा बाद में पत्तियों को मोड़कर अंदर रहकर खाना प्रारंभ कर देती है। सुंडियों मध्यम आकार की चिकनी एवं सफेद पीले रंग की होती है। यह कीट मार्च तथा अप्रैल में खेत में आ जाता है तथा अगस्त माह में अत्यधिक संख्या में पाया जाता है।

प्रबंधन

- मुड़ी हुई पत्तियों को हाथ से तोड़कर नष्ट कर दें।
- फसल पर मिलाथियान 20 ईसी 1.5 मिली प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।

अरहर की फल मक्खी

पहचान- प्रौढ़ मक्खी धात्विक हरे रंग की होती है। इसका आकार छोटी, आंखें त्रिभुजाकार, बड़ी तथा हरे रंग की होती है। मादा में जनन शंकु लम्बी होती है। इस कीट के सक्रिय रहने का समय मार्च-अप्रैल होता है।

प्रबंधन-

- प्रारंभिक अवस्था में इस कीट से ग्रसित फलियों को तोड़कर नष्ट कर दें।
- परजीवी मित्र कीट यूडेरस ऐग्रोयाइजी व इलोफिड को संरक्षित करें।
- डायमिथियेट या मिथाइल डिमेटान की 400 मिली/ एकड़ के हिसाब से 200 लीटर पानी में घोल बनाकर 15 दिनों के अंतर में दो छिड़काव करें।

खिल उठेगा गेंदा

पावडरी मिलड्यू

इस बीमारी के कारण पत्तियों, शाखाओं एवं पुष्प कलियों पर सफेद फफूंदी का जमाव होता है। जो बाद में भूरे रंग का हो जाता है। जिससे पौधों की बढ़वार रुक जाती है। और अन्ततः पौधा सूख जाता है। इस बीमारी का प्रकोप फरवरी माह से प्रारंभ होता है।

उपचार

रोग की रोकथाम हेतु घुलनशील गंधक 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।

विषाणु रोग (वायरस)

इस बीमारी के प्रकोप से पत्तियों पर हरे रंग का चितकबरा पड़ जाता है। जिससे पत्तियां मुड़ जाती हैं तथा पुष्प बहुत कम या छोटे आकार के लगते हैं। आमतौर पर इसका प्रसारण संपर्क, हाथो, फसल के अवशेषों , कृषि के यंत्रों तथा कीट द्वारा होता है।

उपचार

रोगोर 1 मिली प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। 800 से 1000 लीटर पानी का घोल बनाकर प्रति हेक्टर खड़ी फसल में छिड़काव करें।

गेंदा फसल में निम्नलिखित प्रमुख कीट लगने की संभावना होती है

माइट (मकड़ी)- गेंदा फसल पर पत्तियों की निचली सतह पर लाल रंग की मकड़ी जाला बनाकर रहते हैं। जो पत्तियों तथा पुष्प कलिकाओं/फूलों से रस चूसते रहते हैं। जिससे पत्तियां पीली पड़कर सूख जाती हैं। तथा पुष्प कलिका खिल नहीं पाती पत्तियों पर बना हुआ जाला पौधे की बढ़वार में बाधक होता है।

उपचार- इसकी रोकथाम हेतु रोगोर 0.3 प्रतिशत या मेलाथियान 0.2 प्रतिशत के घोल का छिड़काव पत्तियों के दोनों तरफ करें।

बडबोरर (कलिका वेधक)- इस कीट की इल्लियां पुष्प कलिकाओं में छिद्र करके घुस जाती हैं व अन्दर ही अंदर पुष्प की पंखुड़ियों को खा जाती है। जिससे पुष्प खिल नहीं पाते हैं। एवं पुष्पों का बाजार भाव कम हो जाता है।

उपचार- ग्रसित कलिकाओं / पुष्पों को एकत्र करके नष्ट कर दें। इल्लियों को हाथ से पकड़कर नष्ट किया जा सकता है। फसल समाप्त होने पर खेत की गहरी जुताई करके प्यूपा को नष्ट कर दें। फसल पर प्रकोप दिखाई देते ही क्विनालफास 0.7 प्रतिशत का छिड़काव आवश्यकतानुसार करें।

हापर (फुदका)- इस कीट के शिशु एवं प्रौढ़ दोनों की मुलायम का रस चूसते हैं। फलस्वरुप पत्तियां सिकुड़ जाती है। जो बाद में पीली पड़कर गिर जाती हैं।

उपचार- कीट के नियंत्रण हेतु प्रकाश प्रपंच खेतों में लगायें चाहिए। फसल में कीट का प्रकोप दिखाई देने पर रोगोर/ डेमोक्रान 0.5 प्रतिशत का घोल का छिड़काव 10-15 दिन के अंतर में 2-3 बार करें।

मुंबई में भारी बारिश... पुलिस की लोगों को सलाह घर पर ही रहे

मौसम विज्ञान विभाग ने शनिवार तक के लिए रेड अलर्ट जारी किया

मुंबई (एजेंसी)। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में भारी बारिश के पूर्वानुमान के बाद पुलिस ने मुंबई निवासियों को शनिवार सुबह 8-30 बजे तक घर के अंदर ही रहने की सलाह दी है। यह सलाह भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा जारी रेड अलर्ट के बाद है। पिछले 24 घंटों में शुक्रवार सुबह 8-30 बजे तक मुंबई शहर में 44 मिमी, पूर्वी उपनगरों में 90 मिमी और पश्चिमी उपनगरों में 89 मिमी बारिश दर्ज की गई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने स्थिति का आकलन कर रायगढ़ कलेक्टर को बाढ़ प्रभावित निवासियों की सहायता करने का निर्देश दिया। भूस्खलन के कारण रायगढ़-पुणे मार्ग पर तम्हिनी घाट पर यातायात रोक दिया गया।

पुणे में सड़कों पर और लोगों के घरों में पानी घुस गया है। खडकवासला बांध और जलग्रहण क्षेत्र में काफी बारिश हो रही है। जिला कलेक्टर, नगर आयुक्त और पुलिस आयुक्त अलर्ट पर हैं, सीएम शिंदे ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य समकक्ष की टीमों को तैनात किया गया है, और सेना की एयरलिफ्टिंग टीमें स्टैंडबाय पर हैं।

सार्वजनिक सुरक्षा संदेश

मुंबई पुलिस ने पोस्ट किया, आईएमडी ने कल सुबह 8-30 बजे तक मुंबई के लिए रेड अलर्ट घोषित किया है। सभी मुंबईवासियों से अनुरोध है कि जब तक जरूरी न हो, घर के अंदर ही रहें। कृपया सुरक्षित रहें। आपात स्थिति के लिए 100, 112 डायल करें।

रनवे परिचालन को पहले सुबह 8-32 बजे से सुबह 8-43 बजे तक 11 मिनट के लिए रोका गया, और फिर सुबह 10-36 बजे से 10-55 बजे तक 19 मिनट के लिए रोका गया क्योंकि दृश्यता 300 मीटर तक गिर गई और रनवे विजुअल रेंज (आरवीआर) गिर गई।

यात्री मार्गदर्शन

यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे एयरलाइन वेबसाइटों और सोशल मीडिया चैनलों के माध्यम से उड़ान की स्थिति के बारे में अपडेट रहें और मुंबई में चल रही भारी बारिश और यातायात की भीड़ के बीच हवाई अड्डे के लिए अतिरिक्त यात्रा समय की योजना बनाएं।

पुतिन-मोदी मुलाकात से भन्नाया चीन... अब चौधरी बनने में जुटा

नई दिल्ली। भारत और रूस की दोस्ती की पूरी दुनिया में मिसाल दी जाती है। चाहे संयुक्त राष्ट्र का मंच हो या कोई बड़ा मसलाज्दोनों ने शुरू से एक-दूसरे का साथ दिया है। लेकिन भारत और रूस की यारी से चीन परेशान हो रहा है। चीन दोस्ती में दरार लाने की हरसंभव कोशिश करता रहता है। मगर यह दोस्ती अटूट है। खुद अमेरिका मानता है कि रूस-यूक्रेन जंग में भारत ही शांति दूत का काम कर सकता है। इस हकीकत से अनजान होकर चीन रूस-यूक्रेन जंग में चौधरी बनना चाहता है। दरअसल, जब से जंग भड़की है, चीन रूस पर डोरे डालने की पूरी कोशिश कर रहा है। ड्रैगन ने पुतिन को अलग-अलग तरीकों से बीते कुछ समय से लुभाने का प्रयास किया है। मगर पीएम मोदी के मॉस्को दौरे ने चीन की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। चीन अब पीएम मोदी की पुतिन संग मुलाकात से भन्ना गया है। आनन-फानन में चीन रूस-यूक्रेन जंग और हमास-इजरायल जंग खत्म करवाने की झूठी कवायद में जुट गया है। इसके लिए चीन ने हमास और फतह के बीच सुलह करा दी है। ये दोनों कट्टर दुश्मन रहे हैं। चीन ने यूक्रेन के विदेश मंत्री को बीजिंग में बुला लिया। वह यूक्रेन को भरोसा दिला रहा है कि वह शांति दूत बनकर जंग खत्म करा देगा। यूक्रेनी विदेश मंत्री का बीजिंग आया इसलिए भी खास है, क्योंकि रूस और यूक्रेन जंग के शुरू होने के बाद पहली बार चीन ने किसी यूक्रेनी नेता की बीजिंग में मेजबानी की है। दरअसल चीन दुनिया को दिखाना चाहता है कि वर्ल्ड ऑर्डर में वह अब चीजें तय कर सकता है। चीन यूक्रेनी विदेश मंत्री संग मुलाकात के जरिए खुद को एक तटस्थ और शांति दूत के तौर पर पेश करना चाहता है।जबकि हकीकत यह है कि चीन जंग को और भड़काता रहा है।

हिंदु जनसंख्या नियंत्रित कर रहे... मुसलमान 10 बच्चे पैदा कर रहे

-प्रेमानंद महाराज के बयान परमहंस आचार्य ने दी प्रतिक्रिया

अयोध्या। पश्चिम बंगाल में बिगड़ते हालात को देखकर पंचायती अखाड़ा निरंजन के महामंडलेश्वर प्रेमानंद महाराज ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हिंदू बहनें चार बच्चे पैदा करें, जिसमें से 2 हमें सौंप दें। वहीं प्रेमानंद महाराज के बयान पर अयोध्या के संतों ने प्रतिक्रिया दी है। राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा, 'प्रेमानंद महाराज कथा वाचक हैं, कुछ भी कहते रहते हैं, जिसका कोई मतलब नहीं है। सरकार परिवार नियोजन की बात कर रही है। शास्त्रों में संतान उत्पत्ति व्यवस्था की बात कही गई है। प्रेमानंद महाराज को ऐसी भाषा नहीं बोलनी चाहिए। तपस्वी छावनी के पीठाधीश्वर जगतगुरु परमहंस आचार्य ने कहा, 'हिंदुस्तान में कई राज्यों में हिंदुओं की संख्या कम हुई है और कई जगह अल्पसंख्यक हो चुके हैं, जहां हिंदू कम हो रहे हैं, वहां सरेआम गाय की हत्या हो रही है। निर्भया जैसे कांड हो रहे हैं। हिंदुओं को अल्पसंख्यक होने से बचने के लिए प्रेमानंद महाराज ने ये बात कही है। हिंदू अपने आप जनसंख्या नियंत्रण कर रहे हैं। मुस्लिम समाज के लोग हिंदुओं से 10 गुना ज्यादा बच्चे पैदा कर रहे हैं। जहां मुस्लिम आबादी बढ़ रही है, वहां हिंदू को प्रताड़ित किया जा रहा है।

सीमा हैदर की सगी बहन का आरोप... अय्याशी और पैसा चाहिए

नई दिल्ली । खुद को सीमा हैदर की बहन बताते हुए एक बुर्कानशी महिला ने पाकिस्तानी भाभी को खूब खरी-खोटी सुनाई है। सीमा हैदर के पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर के चैनल पर महिला ने खुद को सीमा हैदर की सगी बहन बताकर भारत सरकार से अपील की कि बच्चों को वापस पाकिस्तान भेज दिया जाए। 10 मिनट के वीडियो में महिला फूट-फूटकर रोई और सीमा को अय्याश और डायन कहकर कोसती रही। सीमा हैदर की कथित बहन ने कहा, मैं भारत सरकार से कहूंगी कि आप उसको (सीमा) को रखो। लेकिन बच्चों को वापस भेज दो। खुदा के लिए हमारी मदद करो। वह डायन बच्चों को मार देगी अपनी अय्याशी के लिए। उस कुछ नहीं चाहिए, उसको अय्याशी चाहिए, पैसा चाहिए, मेकअप चाहिए उसको वीडियो बनानी है, सारी दुनिया को दिखानी है। उसे बच्चों से कोई ताल्लुक नहीं। किस तरह की कपड़े पहनाती है, लोग उन मासूम बच्चों को भी नहीं छोड़ते। उनका वीडियो बनाकर डालते हैं। सीमा की बहन ने रोते हुए कहा, हम पर रहम करो। हमारे बच्चे को पाकिस्तान डिपोर्ट करो। हमें नहीं चाहिए। उसे रखो अपने पास, उसे नचवाओ, उससे पैसे कमबाओ, उसका जो करवाना है करवाओ, लेकिन चार बच्चों की जिंदगी तबाह मत करो। तुम्हें शर्म नहीं आती, तुम किस तरह की मां हो। किस तरह बच्चों के कपड़े पहनाती हो, तुम्हारे बच्चों के लोगों ने प्राइवेट पार्ट के वीडियो बनाकर पैसे कमाए हैं। खुदा के लिए उन बच्चों को छोड़ दो। उनका क्या कसूर है, यही ना कि तुम उनकी मां हो।

गुप्त दान देने वालों पर शिकंजा नहीं कस सकता है, आयकर विभाग- हाईकोर्ट

मुंबई । मुंबई हाईकोर्ट ने शिर्डी के सांई बाबा ट्रस्ट को मिलने वाले गुप्त दान पर दायर आयकर विभाग की याचिका पर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा है, आयकर विभाग मंदिरों को गुप्त दान देने पर भक्तों की भावना को नियंत्रित नहीं कर सकता है। मुंबई हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति सोमशेखर की खंडपीठ ने कहा सांई बाबा भगवान दत्तात्रेय के अवतार माने जाते हैं। भक्त उनकी पूजा करते हैं। जो भी दान भक्त करते हैं। वह उनकी आस्था का प्रतीक है। साईं बाबा ट्रस्ट एक धार्मिक संस्थान है। इसे आयकर से छूट प्राप्त है। आयकर ट्रिब्यूनल का मानना है, सांई बाबा ट्रस्ट धर्मार्थ है,धार्मिक ट्रस्ट नहीं है। आयकर विभाग का कहना था। ट्रस्ट की आय 400 करोड रुपए से ज्यादा की है। धार्मिक कार्यों पर ट्रस्ट ने मात्र 2.30 करोड रुपए ही खर्च किए हैं। आयकर विभाग का कहना था,धार्मिक कार्यों के लिए यह राशि खर्च नहीं की जा रही है। मुंबई हाईकोर्ट की खंड पीठ ने इस मामले की सुनवाई करने के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया है।

कंगना रनौत ने लोकसभा में कांग्रेस को खूब सुनाया, बोलीं- पिछले 10 साल में जितना विकास हुआ है, 60 साल में नहीं हुआ

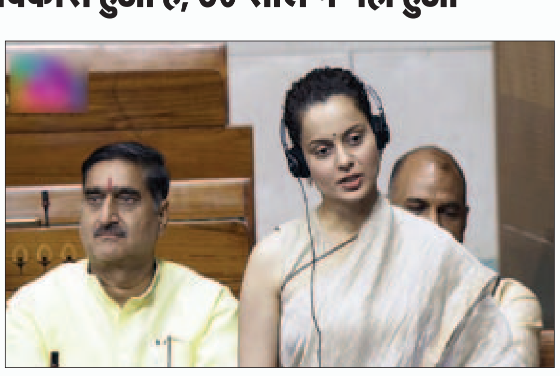

नई दिल्ली। बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने 26 जुलाई को लोकसभा में केंद्रीय बजट 2024 पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में हिमाचल प्रदेश इतना फला-फूला, जो पिछले 60 वर्षों में नहीं हुआ था। उन्होंने भ्रष्ट नीतियों को लागू करने के लिए वर्तमान कांग्रेस सरकार की भी आलोचना की। कंगना ने लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि दस साल पहले देश में अर्थव्यवस्था चरमराती और लडखड़ाती हालत में थी, लेकिन पिछले दस साल में यह विश्व में 11वें स्थान से पांचवें नंबर पर आई है और तीसरे स्थान की ओर बढ़ रही है। हिमाचल प्रदेश के मंडी से निर्वाचित भाजपा सांसद ने कहा कि उनके राज्य में पिछले साल आई बाढ़ में व्यापक जनधन की हानि हुई और राज्य सरकार की ''लापरवाही की वजह से अब भी हिमाचल त्रासदी की हानि से बाहर नहीं आ पा रहा।'' उन्होंने बजट में हिमाचल प्रदेश में बाढ़ राहत के लिए विशेष पैकेज की घोषणा पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और सरकार का आभार जताते हुए कहा कि ''पिछले दस साल में भाजपा ने हिमाचल प्रदेश में जितना विकास का काम किया है, उतना 60 साल में भी नहीं हुआ।'' कंगना ने कहा कि राज्य को अटल सुरंग जैसी वैश्विक अवसंरचना वाली परियोजनाएं मिली हैं, 11 हजार करोड़ रुपये की जलविद्युत परियोजनाएं स्वीकृत की गईहैं। उन्होंने मंडी में एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की स्थापना की मांग सरकार से की। उन्होंने कहा, ''इस बजट में 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प है और तब भारत दुनिया की पहली अर्थव्यवस्था होगा।'' उन्होंने कहा कि यह बजट सभी वर्गों को सशक्त बनाने वाला है। कंगना ने हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव के बाद तीसरी बार सरकार बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी।

अग्निपथ योजना पर खुलेआम झूठ बोल रहे पीएम मोदी : खड़गे

-पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे के बयान का ज़िक

नई दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कारगिल विजय दिवस पर ओछी राजनीति करने का आरोप लगाया। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे की आलोचना पीएम मोदी द्वारा द्रास में एक संबोधन के दौरान अग्निपथ योजना की आलोचना के लिए विपक्ष पर निशाना साधकर सेना को कमजोर करने का प्रयास करने का आरोप लगाने के कुछ घंटों बाद आई है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी जी कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि देने जैसे अवसरों पर भी तुच्छ राजनीति कर रहे हैं।

खरगे ने कहा कि पीएम मोदी का दावा कि उनकी सरकार ने सेना के आदेश पर अग्निपथ योजना लागू सरासर झूठ और हमारे बहादुर सशस्त्र बलों का अक्षम्य अपमान है। खरगे ने कहा कि मोदी जी, आप ही हैं जो झूठ फैला रहे हैं! पूर्व सेना प्रमुख (सेवानिवृत्त) जनरल एमएम नरवणे ने ऑन रिकॉर्ड कहा है कि अग्निपथ योजना में 75 प्रमतिशत भर्तियों को स्थायित्व के लिए लिया जाना था और 25 प्रतिशत लोगों को 4 साल बाद जाने दिया जाना था। लेकिन मोदी सरकार ने इसका उलटा कर योजना को तीनों सशस्त्र बलों के लिए जबरन लागू कर दिया।

उन्होंने कहा कि पूर्व सेना प्रमुख (सेवानिवृत्त) जनरल नरवणे ने अपनी पुस्तक में, इस मोदी सरकार ने प्रकाशित होने से रोक दिया है, कहा है कि अग्निपथ योजना सेना और नौसेना और वायु सेना के लिए चौंकाने वाली थी।

खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह का समर्थन करना चन्नी को पड़ा भारी, कांग्रेस घिरी

-बीजेपी बोली-कांग्रेस अलगाववादियों और आतंकवादियों की वकालत क्यों करती है?

नई दिल्ली (एजेंसी) । खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के समर्थन में कांग्रेस के लोकसभा सदस्य चरणजीत सिंह चन्नी की टिप्पणी पार्टी पर भारी पड़ती दिख रही है। विवाद बढ़ने पर कांग्रेस ने चन्नी के बयान से कन्नी काट ली है। कांग्रेस ने साफ कहा कि चन्नी के विचार पार्टी की स्थिति को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि अमृतपाल सिंह पर सांसद चरणजीत सिंह चन्नी के विचार उनके अपने और निजी हैं, और किसी भी तरह से कांग्रेस की स्थिति को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं।

चन्नी के बयान के बाद बीजेपी, कांग्रेस पर हमलावर है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने चन्नी की आलोचना करते हुए कहा कि राहुल गांधी की दादी और दिवंगत पीएम इंदिरा गांधी की हत्या के पीछे खालिस्तान का विचार था। उन्होंने कहा कि भारत के टुकड़े-टुकड़े चाहने वाले अलगाववादी के लिए बल्लेबाजी? राहुलजी को जवाब देना चाहिए कि खालिस्तान के जिस विचार के कारण पीएम इंदिराजी की हत्या हुई, उसकी सराहना की जा रही है। कांग्रेस हमेशा अलगाववादियों और आतंकवादियों की वकालत क्यों करती है?

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस सांसद चन्नी की टिप्पणी दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जिस खालिस्तानी ने इंदिरा गांधी की हत्या की, उसे आज चन्नी का खुला समर्थन मिल गया है, इसका मतलब है कि कांग्रेस खालिस्तानियों के साथ है। यह भारत की अखंडता पर हमला है...कार्रवाई होनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि उन्होंने बजट पर कुछ नहीं बोला। उन्होंने आपातकाल पर बात की। मुझे लगता है चन्नी को नहीं पता। उन्हें पता होना चाहिए कि 25 जून 1975 को तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने हमारे संविधान के साथ क्या किया था। चन्नी को इतिहास पढ़ना चाहिए और आप पंजाब के पूर्व सीएम हैं। आपको 1984 के दंगों के पीड़ितों की विधवाओं से मिलना चाहिए।

मुझे मत सिखाओ, बल्कि मेरे से सीख लो, बांग्लादेशियों को शरण देने वाले मुद्दे पर विदेश मंत्रालय को ममता की नसीहत

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हिंसा प्रभावित बांग्लादेश के शरणार्थियों को आश्रय देने की उनकी टिप्पणी पर आपत्ति जताने के लिए विदेश मंत्रालय (एमईए) पर पलटवार किया। बनर्जी ने कहा कि मैं संघीय ढांचे को अच्छी तरह से जानती हूं। मैं सात बार सांसद रही, मैं दो बार केंद्रीय मंत्री रही। मैं विदेश मंत्रालय की नीति को किसी और से बेहतर जानती हूं। उन्हें मुझे सबक नहीं सिखाना चाहिए। उन्हें इससे सीखना चाहिए। नौकरी में आरक्षण के विरोध को लेकर बांग्लादेश में हुई हिंसक झड़पों के बाद ममता बनर्जी ने संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव के तहत बांग्लादेशी शरणार्थियों को आश्रय प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता के बारे में बात की थी। उनकी टिप्पणी कोलकाता में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान आई, जहां उन्होंने हिंसा से प्रभावित लोगों की मदद करने की इच्छा व्यक्त की।

उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की 'शहीद दिवस' रैली में कहा कि अगर असहाय लोग बंगाल के दरवाजे पर दस्तक देंगे तो हम निश्चित रूप से उन्हें आश्रय देंगे। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने बनर्जी की टिप्पणियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए राजनयिक चैनलों के माध्यम से कहा कि उनकी टिप्पणियां भ्रम पैदा कर सकती हैं और जनता को गुमराह कर सकती हैं। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की कि उसे ममता बनर्जी की टिप्पणी पर ढाका से एक लिखित आपत्ति मिली है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि विदेशी संबंधों से जुड़े मामले केंद्र सरकार का विशेषाधिकार है।

जयसवाल ने कहा कि हमारे संविधान की सातवीं अनुसूची - सूची एक - संघ सूची - आइटम 10 के तहत, विदेशी मामलों का संचालन और सभी मामले जो संघ को किसी विदेशी देश के साथ संबंध में लाते हैं, केंद्र सरकार का एकमात्र विशेषाधिकार है।

कड़ी सुरक्षा के बीच राहुल गांधी विशेष कोर्ट में हुए हाजिर, दर्ज कराया अपना बयान

सुलतानपुर । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में कांग्रेस सांसद व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को एमपी-एमएलए कोर्ट में हाजिर हुए। एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की कोर्ट में राहुल गांधी ने अपने वकील काशी प्रसाद शुक्ल व परिवादी के वकील संतोष पांडेय की मौजूदगी में अपना बयान दर्ज कराया। कोर्ट ने परिवादी के साक्ष्य के लिए 12 अगस्त की तारीख नियत की है। परिवादी के वकील संतोष पांडेय ने बताया बंगलुरु में एक जनसभा के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। जिसको लेकर कोतवाली देहात थाने के हनुमानगंज निवासी कोआपरेटिव के पूर्व चेयरमैन व बीजेपी नेता विजय मिश्रा ने 4 अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था, जिसमें राहुल गांधी की जमानत पहले ही हो चुकी है। कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराने के बाद कोर्ट से बाहर आते ही राहुल गांधी जिन्दाबाद के जमकर नारे लगे।

बजट में नहीं मिली राहत, आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में प्याज बनेगी मुद्दा

मुंबई, (एजेंसी)। एनडीए सरकार को हाल के लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र के प्याज बेल्ट में झटका लगा है। पार्टी को छह सीटों में से केवल एक पर जीत हासिल हुई है। मुख्य रूप से फसल निर्यात पर प्रतिबंध के चलते व्यापारियों के रूप में आगामी विधानसभा चुनावों में भी इसका असर दिखाई दे सकता है। किसानों में बजट द्वारा इस पर प्रतिबंध न हटाए जाने पर निराशा है। प्याज के मुफ्त निर्यात पर लंबे समय तक प्रतिबंध एनडीए की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा रहा है, नासिक में एक बीजेपी नेता ने निराशा जताते हुए कहा कि हमारे नेता इसके राजनीतिक प्रभाव के बारे में केंद्रीय नेतृत्व को समझाने में सक्षम नहीं थे।

डिंडोरी, नासिक, बीड, औरंगाबाद, अहमदनगर और धुले लोकसभा सीटें राज्य की प्याज बेल्ट वाली हैं, जो देश के प्याज उत्पादन का करीब 34फीसदी हिस्सा है। राज्य की 40फीसदी से ज्यादा प्याज की खेती नासिक में ही होती है। औरंगाबाद को छोड़कर, जहां एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के संदीपन भुमारे ने जीत हासिल की, बाकी सभी सीटें एनडीए हार गईं है। अहमदनगर और बीड में, एनसीपी (सपा) के नीलेश लंके और बजरंग सोनावणे जैसे अपेक्षाकृत नए लोगों ने सुजय विखे-पाटिल और पंकजा मुंडे जैसे बीजेपी के दिग्गजों को हार का मजा चखाया है।

नासिक जिले के बलगन तालुका से शिवसेना नेता (शिंदे गुट) ने कहा कि विपक्ष लगातार प्याज की कीमतों का मुद्दा उठा रहा है। उन्होंने कहा कि हमने अपने नेताओं से निर्यात का मुद्दा केंद्र के समक्ष उठाने को कहा था। विधानसभा चुनाव नजदीक हैं और बजट में इस मुद्दे का समाधान नहीं किया गया है, इसका उल्टा असर पड़ सकता है। निर्यात प्रतिबंध के कारण पिछले साल ज्यादातर समय प्याज की कीमतें कम रहीं। डिंडोरी लोकसभा सीट के एक किसान ने कहा कि सरकार बजट में प्रतिबंध हटा देगी, लेकिन लगता है कि केंद्र ने इससे सबक नहीं सीखा है। विधानसभा चुनाव में यह मुद्दा बना रहेगा। हम लोगों में से ज्यादातर सरकार के इस कदम से आहत हैं।

केजरीवाल की सेहत को लेकर इंडिया गठबंधन का 30 को दिल्ली में प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि इंडिया ब्लॉक 30 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक रैली आयोजित कर रहा है, जिसमें तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरती सेहत का मुद्दा उठाया जाएगा। आप नेता बीजेपी पर जेल में केजरीवाल की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगा रहे हैं, जिसमें उनकी मेडिकल रिपोर्ट का हवाला दिया गया है, जिसमें दिखाया है कि तीन जून से सात जुलाई के बीच उनका शुगर लेवल 26 बार नीचे आया।

आप नेताओं ने कहा कि केजरीवाल की गिरती सेहत का मुद्दा उठाने के लिए इंडिया ब्लॉक 30 जुलाई को जंतर-मंतर पर एक बड़ी रैली करेगा। दिल्ली में सत्तारूढ़ पार्टी ने बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर सीएम केजरीवाल की जान से खेलने का आरोप लगाया है। दिल्ली की मंत्री आतिशी से रैली के बारे में कहा कि बीजेपी दिल्ली के लोगों के खिलाफ साजिश कर रही है। वह दिल्ली के लोगों के काम रोक रही है। वह दिल्ली के लोगों के पैसा रोक रही है। बीजेपी ने दिल्ली के लोगों के लिए काम करने वाले अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया है।

आतिशी ने यह भी दावा किया कि जब बीजेपी को पता चला कि केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल सकती है तो उन्होंने उन्हें सीबीआई से गिरफ्तार करवाया। आतिशी ने दावा किया कि उन्हें पता है कि केजरीवाल को पिछले 30 सालों से डायबिटीज है। हिरासत में उनका वजन 8.5 किलो कम हो गया है। ग्लूकोमीटर पूरे दिन उनके शुगर लेवल पर नजर रखता है। इस डिवाइस का डेटा एलजी और केंद्र के साथ साझा किया जाता है। उन्हें पता है कि केजरीवाल का शुगर लेवल कुल 34 बार गिरा है। बीजेपी चाहती है कि उनका स्वास्थ्य खराब हो जाए।

सभी ब्लॉक पार्टियां केजरीवाल की हिरासत और उनके स्वास्थ्य पर मौजूदा खतरे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगी। पिछले हफ्ते, वीके सक्सेना ने दिल्ली के मुख्य सचिव को केजरीवाल की स्वास्थ्य स्थिति को रेखांकित करते हुए लिखा था, जिसमें कहा गया था कि तिहाड़ जेल अधीक्षक द्वारा दी गई रिपोर्ट से पता चला है कि सीएम जानबूझकर अनुशंसित कैलोरी से कम कैलोरी ले रहे हैं। एलजी ने तत्काल कार्रवाई और केजरीवाल के रक्त शर्करा के स्तर की निगरानी के लिए सख्त प्रोटोकॉल लागू करने की मांग की।

अग्निपथ योजना पर खुलेआम झूठ बोल रहे पीएम मोदी : खड़गे

नई दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कारगिल विजय दिवस पर ओछी राजनीति करने का आरोप लगाया। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे की आलोचना पीएम मोदी द्वारा द्रास में एक संबोधन के दौरान अग्निपथ योजना की आलोचना के लिए विपक्ष पर निशाना साधकर सेना को कमजोर करने का प्रयास करने का आरोप लगाने के कुछ घंटों बाद आई है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी जी कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि देने जैसे अवसरों पर भी तुच्छ राजनीति कर रहे हैं। खरगे ने कहा कि पीएम मोदी का दावा कि उनकी सरकार ने सेना के आदेश पर अग्निपथ योजना लागू सरासर झूठ और हमारे बहादुर सशस्त्र बलों का अक्षम्य अपमान है। खरगे ने कहा कि मोदी जी, आप ही हैं जो झूठ फैला रहे हैं! पूर्व सेना प्रमुख (सेवानिवृत्त) जनरल एमएम नरवणे ने ऑन रिकॉर्ड कहा है कि अग्निपथ योजना में 75 प्रमतिशत भर्तियों को स्थायित्व के लिए लिया जाना था और 25 प्रतिशत लोगों को 4 साल बाद जाने दिया जाना था। लेकिन मोदी सरकार ने इसका उलटा कर योजना को तीनों सशस्त्र बलों के लिए जबरन लागू कर दिया।

नीट पेपर लीक मामला: अधजले पेपरों ने सीबीआई को आरोपियों तक पहुंचाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। । नीट-यूजी 2024 परीक्षा के आधे जले हुए पेपर ने सीबीआई को एक अहम सुराग मिला और उसने पेपर लीक मामले को सुलझाने में मदद की। नीट पेपर लीक मामले में अपने आधिकारिक बयान में सीबीआई ने अपराध के बारे में खुलासा किया। सीबीआई के मुताबिक नीट यूजी 2024 पेपर पांच मई, 2024 को झारखंड के हजारीबाग में ओएसिस स्कूल से अवैध रूप से प्राप्त किया गया था।

सीबीआई ने कहा कि पंकज कुमार जिसे आदित्य और साहिल के नाम से भी जाना जाता है, पेपर लीक के पीछे के मास्टरमाइंड में से है, साथ ही स्कूल के प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल और एक सहयोगी परीक्षा के पेपर तक अनाधिकृत पहुंच में शामिल थे।

आधे जले हुए पेपरों के बरामद टुकड़ों ने सीबीआई को नीट परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में मदद की, जहां से इसे लीक किया गया था। पांच मई की सुबह नीट पेपर से भरे ट्रंक स्कूल लाए गए और उन्हें नियंत्रण कक्ष में रख दिया गया। सीबीआई ने कहा कि ट्रंक पहुंचने के कुछ ही मिनट बाद स्कूल के प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल ने पेपर लीक के मास्टरमाइंड को कमरे में जाने दिया।

गिरोह ने पेपर से भरे ट्रंक को खोलने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल किया और बिना इजाजत उसमें से सामग्री निकाल ली। पेपर तक पहुंचने के बाद, इसे हजारीबाग में एमबीबीएस छात्रों द्वारा हल कराया गया। हल किए गए पेपर को फिर चुनिंदा छात्रों को पहुंचा दिया गया, जिन्होंने उत्तरों के लिए रकम भी दी। सीबीआई ने ऑपरेशन में शामिल अधिकांश सॉल्वरों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। जांच में यह भी पता चला है कि आरोपियों को ऐसे व्यक्तियों के एक नेटवर्क का समर्थन प्राप्त था, जिन्होंने उम्मीदवारों के आवास और उनके परिवहन का प्रबंध किया था।

वर्तमान में उन सभी छात्रों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है, जिन्हें लीक हुए पेपर मिले थे और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जा रही है। इस साल 23 जून से चल रही सीबीआई जांच में अब तक 36 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं, जिनमें बिहार पुलिस द्वारा पकड़े गए 15 लोग शामिल हैं।

साल 2022-23 में 10 में से 7 लोग इंट्राडे ट्रेडिंग में नुकसान में रहे

- इंट्राडे ट्रेडिंग शेयर खरीदने-बेचने वालों की संख्या में भी बहुत ज्यादा बढ़ोतरी देखी गई

नई दिल्ली ।

सेबी के एक अध्ययन में बताया गया कि साल 2022-23 में 10 में से 7 लोगों ने इक्विटी कैश सेगमेंट में इंट्राडे ट्रेडिंग से नुकसान उठाया। वहीं इसी दौरान इंट्राडे ट्रेडिंग शेयर खरीदने-बेचने वाले लोगों की संख्या में भी बहुत ज्यादा बढ़ोतरी देखी गई है। साल 2018-19 के मुकाबले ये संख्या तीन गुनी से ज़्यादा हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक जिन लोगों को शेयर बाजार में नुकसान हो रहा है वे ज़्यादा कारोबार कर रहे हैं। इसके अलावा 30 साल से कम उम्र के युवाओं की संख्या भी शेयर बाज़ार में तेज़ी से बढ़ रही है। शेयर बाज़ार का नियमन करने वाली संस्था सेबी ने यह रिपोर्ट हाल ही में जारी की। इसमें साल 2018-19, 2021-22 और 2022-23 के आंकड़ों का अध्ययन किया गया है। इसमें कोरोना काल भी शामिल है। इस रिपोर्ट के लिए देश के टॉप 10 ब्रोकरेज हाउस के ग्राहकों के आंकड़ों का उपयोग किया गया है। इन 10 ब्रोकरेज हाउस के पास देश के कुल शेयर बाज़ार ग्राहकों का लगभग 86 फीसदी हिस्सा है।

इस रिपोर्ट को कई जानकारों ने देखा और सुझाव दिए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि हर तीन में से एक व्यक्ति शेयर बाज़ार में इंट्राडे ट्रेडिंग करता है। इसके अलावा, इस तरह के ट्रेड में 30 साल से कम उम्र के युवाओं की संख्या तेज़ी से बढ़ रही है। साल 2018-19 में ये संख्या 18 फीसदी थी, जो अब बढ़कर 48 फीसदी हो गई है। अगर कोई व्यक्ति बहुत ज़्यादा कारोबार करता है तो उसके नुकसान होने की संभावना और भी बढ़ जाती है। ऐसे लोगों में से 80 फीसदी लोग घाटे में रहे हैं। साल 2022-23 में नुकसान उठाने वाले लोगों ने अपने नुकसान का 57 फीसदी हिस्सा कारोबार के खर्चों में लगाया, जबकि मुनाफा कमाने वालों ने अपने मुनाफे का सिर्फ 19 फीसदी हिस्सा खर्च किया। इसके अलावा कम उम्र के लोगों में नुकसान उठाने वालों की संख्या ज़्यादा है।

याकुल्ट डैनोन इंडिया ने याकुल्ट लाइट मैंगो फ्लेवर प्रस्तुत करने के साथ अपने उत्पादों के पोर्टफोलियो का किया विस्तार

नई दिल्ली : दुनिया के जाने-माने प्रोबायोटिक ब्रांड याकुल्ट डैनोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने आज यह ऐलान किया है कि वह 25 जुलाई 2024 को एक नई किस्म - याकुल्ट लाइट मैंगो फ्लेवर पेश करके अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का और बढ़ा रही है। इस पेशकश के कार्यक्रम में बॉलीवुड स्टार सान्या मल्होत्रा, मंत्री और भारत में जापान के दूतावास के मिशन के उप-प्रमुख श्री ताकाशी आरियोशी, याकुल्ट डैनोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री ईजी अमानो और याकुल्ट डैनोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की विज्ञान और नियामक मामलों की प्रमुख डॉ. नीरजा हजेला मौजूद थीं।

याकुल्ट लाइट मैंगो फ्लेवर जाने-माने याकुल्ट के जैसा ही एक प्रोडक्ट है। इस नए प्रोडक्ट में असली और पहले वाले याकुल्ट के समान वही अपने जैसा एक प्रोबायोटिक, 650 करोड़ लैक्टोबैसिलस कैसी शिरोटा (शिरोटा स्ट्रेन) उपलब्ध है। असली प्रोबायोटिक ड्रिंक का आविष्कार डॉ. मिनोरू शिरोटा नामक एक जापानी डॉक्टर ने किया था और इसे इंसानों के अच्छे माने जाने वाले बैक्टीरिया का सेवन करने के लिए तैयार किया गया था, जिसमें हमारी आँत तक जिंदा पहुँचने और सेहत के लिए जबरदस्त फायदा पहुँचाने की ताकत थी। 1900 के दशक की शुरूआत में जापान में साफ-सफाई की कमी और गरीबी के चलते बच्चों की इन्फेक्शन की वजह से होने वाली मौतों से दुखी होकर, उन्होंने बीमारियों और इन्फेक्शनों को होने के बाद ठीक करने के बजाय प्रोबायोटिक्स की शक्ति से बीमारियों को रोकने पर जोर दिया। उन्होंने बाजार में खाने की चीज के रूप में शिरोटा स्ट्रेन को पेश करके अपने सपने को साकार किया ताकि अधिक से अधिक लोग इसके बढ़िया स्वाद का मजा लेते हुए प्रोबायोटिक जीवाणु का फायदा उठा सकें। 90 से अधिक सालों के रिसर्च के जरिए, शिरोटा स्ट्रेन को रोजाना लेने पर पाचन बेहतर होता है और शरीर को बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ाने में मदद करने के लिए वैज्ञानिकों के द्वारा इसे सिद्ध पाया गया है। डॉ. शिरोटा के सिद्धांत के आधार पर, भारत में याकुल्ट कंपनी ने भारत के और भी ज्यादा लोगों की सेहत में योगदान देने के लिए देश के पसंदीदा फल के स्वाद में इस प्रोडक्ट, याकुल्ट लाइट मैंगो फ्लेवर को पेश किया है।

याकुल्ट लाइट मैंगो फ्लेवर की रिटेल कीमत 5 बोतलों के पैक के लिए 100 रुपये है, जो 25 जुलाई 2024 से 28 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों में रिटेल दुकानों पर मिलेगा। साथ ही, याकुल्ट का एक अनूठा होम डिलीवरी सेल्स चैनल है, जिसमें तकरीबन 300 'याकुल्ट लेडीज' दिल्ली एन.सी.आर., चंडीगढ़, जयपुर, मुंबई और पुणे में ग्राहकों के घरों तक याकुल्ट लाइट मैंगो फ्लेवर सहित इस प्रोडक्ट को पहुँचाती हैं, जो कि ई-कॉमर्स के जरिए भी उपलब्ध हैं।

याकुल्ट लाइट मैंगो फ्लेवर की पेशकश के बारे में बोलते हुए, याकुल्ट डैनोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री इजी अमानो ने कहा, याकुल्ट में, हमारा मुख्य सिद्धांत अपने अनूठे प्रोबायोटिक स्ट्रेन लैक्टोबैसिलस कैसी शिरोटा स्ट्रेन का उपयोग करके दुनिया भर के ग्राहकों के पेट की सेहत को बेहतर बनाना है। भारत में हर रोज याकुल्ट की 2 लाख से अधिक बोतलों की खपत के साथ, हम घर-घर का नाम बन गए हैं, जिसका मजा कई परिवार अपने रोजमर्रा के नियम के तौर पर लेते हैं। याकुल्ट लाइट मैंगो फ्लेवर को पेश किए जाने के साथ, हम भारत के ग्राहकों के स्वाद और पसंद को पूरा करने के लिए अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को बढ़ा रहे हैं। यह नई किस्म हमारे क्लासिक याकुल्ट जैसे ही सभी के द्वारा पसंद किए जाने वाले आम के मजेदार स्वाद को पेश करती है। सेहत को होने वाले फायदे को बनाए रखती है। हमारा मानना है कि यह नया प्रोडक्ट हमारे उन ग्राहकों को पसंद आयेगा जो आम के स्वाद बेहद पसंद हैं।

इस पेशकश के मौके पर सभी की निगाहें बॉलीवुड अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा पर टिकी हुई थीं, जिन्होंने कहा, मैं इस रोमांचक पेशकश का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूँ। बेवक़्त वाले लाइफस्टाइल, खराब खाना-पीना, तनाव, भरपूर नींद की कमी, प्रदूषण और आम तौर पर आँतों की खराब सेहत के कारण लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों का बढ़ना बहुत चिंता की बात है। मैं अपने पेट को ठीक-ठाक रखने के लिए प्रोबायोटिक्स की अपनी रोजमर्रा की खुराक लेती हूँ और याकुल्ट लंबे समय से मेरे खाने का एक जरूरी हिस्सा रहा है। आज, मुझे खुशी है कि कंपनी ने याकुल्ट लाइट मैंगो फ्लेवर पेश किया है, जो स्वादिष्ट और ताजा है। मुझे यकीन है कि यह उन सभी लोगों को जरूर पसंद आयेगा जो लोग आम और याकुल्ट को बेहद पसंद करते हैं।

डॉ. नीरजा हजेला, प्रमुख - विज्ञान और विनियामक मामले, याकुल्ट डैनोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने कहा कि लैक्टोबैसिलस कैसी स्ट्रेन शिरोटा (शिरोटा स्ट्रेन) याकुल्ट की एक अनूठी खासियत है, और भारत सहित दुनिया भर इंसानों पर किए गए 100 से अधिक रिसर्चों पर आधारित है। प्रोबायोटिक्स जरूरी होते हैं क्योंकि वे आँत में अच्छे बैक्टीरिया बढ़ाते हैं और नुकसानदायक बीमारी पैदा करने वाले बैक्टीरिया को कम करते हैं। ऐसा करके, वे खाने का बेहतर तरीके से पचने, पोषक तत्वों के सही तरीके से शरीर में समाने और इन्फेक्शन के जोखिम को कम करने के लिए बीमारियों से जूझने की बेहतर शक्ति को सुनिश्चित करते हैं। आँत में प्रोबायोटिक बैक्टीरिया की कमी, खराब लाइफस्टाइल के साथ मिलकर, आँत के खराब स्वास्थ्य और बीमारियों से लड़ने की कम शक्ति का कारण बन सकती है, जो थकान, ठीक से बड़ा ना हो पाना और विकसित ना होना, कुपोषण और बार-बार होने वाले इन्फेक्शन के रूप में सामने आती है। आँत को स्वस्थ बनाए रखने के लिए, वैज्ञानिकों की ओर से मान्यता प्राप्त प्रोबायोटिक प्रॉडक्ट्स के माध्यम से रोजमर्रा के खाने-पीने में प्रोबायोटिक्स को शामिल करना जरूरी होता है।

बजट के बाद कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमत घटी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार के तीसरे कार्यकाल के बजट पेश होने के बाद कई चीजों के दाम में बदलाव देखने को मिला है। वहीं बजट के बाद कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव देखने को मिल रहा है। शुक्रवार को भी कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल के दाम कम हुए हैं। हालांकि कीमतों में बदलाव आंशिक है। जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश और बिहार में पेट्रोल-डीजल के दाम में कमी आई है तो दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में आज पेट्रोल और डीजल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जबकि महाराष्ट्र में कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये और डीजल की कीमत 89.97 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपये और डीजल की कीमत 91.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल की कीमत 92.34 रुपए प्रति लीटर है। बिहार में पेट्रोल 3 पैसे घटकर 107.09 रुपए प्रति लीटर और डीजल 3 पैसे घटकर 93.81 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। यूपी में पेट्रोल 10 पैसे घटकर 94.39 रुपए प्रति लीटर और डीजल 11 पैसे घटकर 87.44 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं महाराष्ट्र में पेट्रोल-डीजल महंगा हो गया है। यहां पेट्रोल 1 रुपए 22 पैसे बढ़कर 105.09 रुपये प्रति लीटर और डीजल 1 रुपए 17 पैसे घटकर 91.59 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है।

1855 करोड़ रुपये जुटाने आईपीओ ला रही ये दवा कंपनी

मुंबई ।

अनुबंध मैन्यूफैक्चरिंग के द्वारा दवा बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी है एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड। दिल्ली की कंपनी ने इनीशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) के द्वारा प्राथमिक बाजार से 1855 करोड़ रुपये जुटाने की कवायद शुरू की है। इसके लिए बोली लगाने की प्रक्रिया आगामी 30 जुलाई को शुरू होगी। इसमें निवेशक आगामी एक अगस्त तक बोली लगा सकते है। कंपनी ने इसके लिए दो रुपये के शेयर का मूल्य दायरा 646 रुपये से 679 रुपये के बीच तय किया है। एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स के प्रोमोटर संजीव और संदीप जैन हैं। इस आईपीओ के द्वारा कंपनी 1866 करोड़ रुपये जुटाने वाली है। इसमें 680 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू होगा जबकि इसके वर्तमान शेयरहोल्डर्स और प्रोमोटर्स ऑफर फोर सेल के जरिये 1.73 करोड़ शेयर बेच रहे है। यदि प्राइस बैंड के अपर प्राइस के हिसाब से गणना की जाए, तब ओएफएस के जरिये 1175 करोड़ रुपये जुटाये जाएंगे। ओएफएस में संजीव 15.12 लाख शेयर और संदीप जैन भी इतने ही शेयर बेच रहे है। वर्तमान में कंपनी का कुल मार्केट वैल्यू करीब 10,000 करोड़ रुपये है। कंपनी की दो सब्सिडियरी कंपनी है, जिनके नाम हैं मैक्सक्योर नेचुरावेदिक्स और प्योर एंड क्योर हेल्थकेयर। इस आईपीओ से जुटाई गई राशि का उपयोग इन कंपनियों के ऋण को चुकाने में होगा। बाजार नियामक सेबी के पास जमा रिवाइज्ड डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक कंपनी ने इश्यू का 75 फीसदी हिस्सा के लिए आरक्षित किया है। इश्यू का 15 फीसदी हिस्सा और 10 फीसदी हिस्सा खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित है। इसमें 15 करोड़ रुपये के शेयर कर्मचारियों के लिए रिजर्व रखा गया है। उन्हें हर शेयर पर 64 रुपये का डिस्काउंट भी मिलेगा। इस आईपीओ में 22 शेयरों का लॉट तय किया गया है। मतलब कि निवेशकों को कम से कम 22 शेयरों के लिए बोली लगानी होगी। इससे ऊपर 22 शेयरों के गुणक में बोली लगाई जा सकती है। इसमें आवदेन करने वालों को अलॉटमेंट का बेसिस दो अगस्त को तय कर दिया जाएगा। इसके बाद असफल आवेदकों को रिफंड भी जारी कर दिया जाएगा। आगामी पांच अगस्त को शेयर अलॉटीज के डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। आगामी छह अगस्त को एकम्स ड्रग्स के शेयर बीएसई और एनएसई में लिस्ट करा दिए जाएंगे।

टेक महिंद्रा के शेयर छह प्रतिशत गिरे

नई दिल्ली । सूचना प्रौद्योगिकी सेवाप्रदाता टेक महिंद्रा के शेयर में शुक्रवार को लगभग छह प्रतिशत की गिरावट आई। कंपनी की अप्रैल-जून तिमाही की आय में 1.2 प्रतिशत की गिरावट के बाद उसके शेयर में गिरावट आई है। बीएसई पर शेयर 5.52 प्रतिशत गिरकर 1,445.50 रुपये पर आ गया। एनएसई पर यह 5.60 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,444.25 रुपये पर रहा। सेंसेक्स और निफ्टी में सूचीबद्ध कंपनियों में सबसे अधिक गिरावट कंपनी के शेयर में ही आई। टेक महिंद्रा ने शेयर बाजार को अप्रैल-जून तिमाही के इस वित्तीय नतीजे की सूचना दी थी। उसके अनुसार चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में उसका मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़कर 851 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। हालांकि, आलोच्य अवधि में कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 1.2 प्रतिशत घटकर 13,005 करोड़ रुपये रहा।

मारुति सुजुकी ने इगनिस का नया मॉडल लांच किया

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी ने ऑल्टो से लेकर बलेनो तक कई हैचबैक कार को बाजार में उतारा है। इन हैचबैक कार के लाइनअप में इगे निस मॉडल भी शामिल है, जिसे कई लोग मारुति की यूरोपियन कार कहते हैं। इगे निस मॉडल को मारुति ने भारतीय बाजार में साल 2017 में लॉन्च किया था। पिछले कुछ सालों में इसकी सेल में गिरावट देखी गई। इसी गिरावट को रोकने के लिए अब मारुति ने इगे निस के नए रेडिएंस संस्करण को बाजार में लॉन्च किया है जो कि अपने रेगुलर मॉडल से लगभग 35 हजार रुपये सस्ता है। कार में मस्कुलर बोनट, प्रोजेक्टर हेडलैंप, रूफ रेल्स और सिल्वर स्किड प्लेट्स है, वहीं यह 15 इंच के स्पोर्टी डुअल टोन अलॉय व्हील्स के साथ आती है। वहीं कार में आपको एप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो के साथ 7 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, ऑटोमेटिक क्लाइमेट कंट्रोल, ड्राइवर सीट के हाइट एडजेस्टर के साथ और भी कई फीचर्स मिलते हैं। वहीं कार की सेफ्टी के लिए इसमें डुअल फ्रंट एयरबैग, रियर पार्किंग कैमरा, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, इलेक्ट्रॉनिक ब्रेकफोर्स डिस्ट्रीब्यूशन के साथ एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम और रियर पार्किंग सेंसर मिलता है। कंपनी का कहना है कि ये कार 20.89 किमी प्रति लीटर तक का माइलेज देने में सक्षम है।

शोभा लिमिटेड में पांच फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी अनामुडी

नई दिल्ली । गोदरेज परिवार की कंपनी अनामुडी रियल एस्टेट्स बेंगलुरू स्थित शोभा लिमिटेड में अपनी पांच प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रही है। इसकी मौजूदा बाजार कीमत करीब 1,000 करोड़ रुपये बताई जा रही है। शेयरधारिता के अनुसार अनामुडी रियल एस्टेट्स की शोभा लिमिटेड में 9.99 प्रतिशत हिस्सेदारी है। शोभा लिमिटेड का कुल बाजार पूंजीकरण करीब 20,000 करोड़ रुपये है। सूत्रों के अनुसार गोदरेज परिवार ने शोभा लिमिटेड में अनामुडी रियल एस्टेट्स की कुल हिस्सेदारी का आधा हिस्सा बेचने के लिए बैंकरों की नियुक्ति की है। शेयरों की बिक्री शुक्रवार को शेयर एक्सचेंज पर ब्लॉक समझौते के जरिए किए जाने की संभावना है।

सनस्टार का शेयर 15 प्रतिशत उछाल के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । पेड़-पौद्यों से विशेष उत्पाद बनाने वाली कंपनी सनस्टार लिमिटेड का शेयर निर्गम मूल्य 95 रुपये से करीब 15 प्रतिशत उछाल के साथ शुक्रवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 106.40 रुपये पर कारोबार शुरू किया। इसके बाद यह 33.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 126.50 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर इसने 14.73 प्रतिशत की बढ़त के साथ 109 रुपये पर कारोबार शुरू किया। कंपनी को निर्गम के आखिरी दिन मंगलवार को 82.99 गुना अभिदान मिला था। इसके 510 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 90 से 95 रुपये प्रति शेयर तय था।

मैनकाइंड फार्मा 13,630 करोड़ में भारत सीरम्स खरीदेगी

नई दिल्ली। मैनकाइंड फार्मा ने कहा कि वह लगभग 13,630 करोड़ रुपये में भारत सीरम्स एंड वैक्सीन्स का पूर्ण अधिग्रहण करेगी। मैनकाइंड फार्मा ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने लगभग 13,630 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर भारत सीरम्स एंड वैक्सीन्स (बीएसवी) में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए समझौता किया है। वह एडवेंट इंटरनेशनल से यह हिस्सेदारी हासिल करेगी। कंपनी ने कहा कि यह रणनीतिक कदम मैनकाइंड फार्मा को भारतीय महिला स्वास्थ्य और प्रजनन दवा बाजार में एक दिग्गज के रूप में स्थापित करने में सहायक होगा।

डीएलएफ मुनाफा बढ़कर 645.61 करोड़ हुआ

मुंबई । चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में डीएलएफ का मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़कर 645.61 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले इसी तिमाही में उसका मुनाफा 527 करोड़ रुपये था। रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ की बिक्री बुकिंग चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में तीन गुना होकर 6,404 करोड़ रुपये हो गई। लक्जरी आवास संपत्तियों की मजबूत मांग से यह वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में 2,040 करोड़ रुपये की संपत्ति बेची थी। डीएलएफ ने समूचे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 17,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल करने का लक्ष्य रखा है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में उसने करीब 15,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल की थी। कंपनी की नवीनतम निवेशक प्रस्तुति के अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी की बिक्री बुकिंग में वृद्धि की मुख्य वजह गुरुग्राम के सेक्टर 76/77 में स्थित लक्जरी परियोजना डीएलएफ प्रिवाना वेस्ट रही जिसमें 5,600 करोड़ रुपये की बिक्री हुई। डीएलएफ ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़कर 645.61 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले इसी तिमाही में उसका मुनाफा 527 करोड़ रुपये था। अप्रैल-जून अवधि में कुल आय बढ़कर 1,729.82 करोड़ रुपये हो गई। पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 1,521.71 करोड़ रुपये थी। डीएलएफ भारत का अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर है और इसका सात दशकों से अधिक का सफल रिकॉर्ड है।

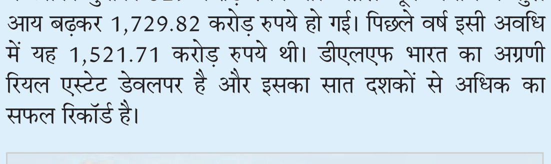

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1,293 , निफ्टी 428 अंक ऊपर आया

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आये उछाल से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,292.92 अंक करीब 1.62 फीसदी ऊपर आकर 81,332.72 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 428.75 अंक तकरीबन 1.76 फीसदी बढ़कर 24,834.85 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के 29 शेयर लाभ पर बंद हुए। भारती एयरटेल, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, जेएसडब्लयू स्टील और इंफोसिस सेंसेक्स के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। भारती एयरटेल 4.51 फीसदी से ज्यादा की बढ़त के साथ सबसे अधिक लाभ में रही। इसके अलावा सन फार्मा, एचसीएल टेक, एमएंडएम, आईटीसी, टाटा मोटर्स, टाइटन, कोटक बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनैंस, एसबीआई, इंडसइंड, एशियन पेंट्स, टीसीएस, पावर ग्रिड, एलएंडटी, मारुति, रिलायंस, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, एचयूएल और एचडीएसफसी बैंक के शेयर भी लाभ में रहे।

वहीं, दूसरी तरफ सेंसेक्स के 30 शेयरों में से केवल एक शेयर ही नुकसान पर बंद हुआ। ये शेयर नेस्ले इंडिया का था। इसमें 0.07 फीसदी की हल्की गिरावट रही।

वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में, सियोल, शंघाई और हांगकांग ऊपर आये जबकि टोक्यो में गिरावट रही। यूरोपीय बाजार भी ऊपर आया है। गत दिवस अमेरिकी बाजार में गिरावट रही।

विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 2,605.49 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह बाजार सकारात्मक रुख के साथ खुला और सेंसेक्स 119 अंक चढ़कर 80,158 पर जबकि निफ़्टी-50 भी 17 अंक की बढ़त लेकर 24,423 अंक पर पहुंच गया। बीएसई सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा 2 फीसदी से ज्यादा गिर गया। साथ ही इंडसइंड बैंक, मारुति और एलएंडटी के शेयर भी गिरावट में रहे जबकि भारती एयरटेल 2 फीसदी बढ़ गया।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड का परिचालन राजस्व 47 प्रतिशत बढ़ा

अहमदाबाद ।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) ने अप्रैल-जून तिमाही के वित्तीय नतीजे जारी किए। साल-दर-साल आधार पर कंपनी का परिचालन राजस्व 47 प्रतिशत बढ़कर 5,379 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं, कर भुगतान के बाद का लाभ 315 करोड़ रुपये रहा जो 73 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि दर्शाता है।

अदाणी समूह की कंपनी ने बताया कि उसका ऑपरेशनल ईबीटीडीए 1,628 करोड़ रहा जो पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही की तुलना में 29.7 प्रतिशत अधिक है। कंपनी 2050 तक नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करने के लिए दहानू पावर प्लांट को अलग कर रही है। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के प्रबंध निदेशक अनिल सरदाना ने कहा, एईएमएल और एमयूएल के अपने वितरण क्षेत्रों में बिजली की मांग में तेज बढ़ोतरी के साथ एईएसएल की नई लाइनों की कमीशनिंग पर लगातार फोकस कर रहा है। मुंबई में नवीकरणीय ऊर्जा की पहुंच 37 प्रतिशत हो चुकी है।

कंपनी ने बताया कि राजस्व में तेज वृद्धि के कारकों में परिचालन में शामिल नई ट्रांसमिशन परिसंपत्तियों का योगदान, निर्माणाधीन परियोजनाओं में अतिरिक्त लाइनों को जोड़ना और मुंबई तथा मुंद्रा के वितरण कारोबार में बिजली की मांग बढ़ने से बेची गई यूनिटों में बढ़ोतरी और स्मार्ट मीटरिंग कारोबार से प्राप्त आय शामिल है।

कंपनी ने बताया कि मुंबई के वितरण कारोबार में बिजली की मांग आठ प्रतिशत बढ़ी। वहीं, डिस्ट्रीब्यूशन लॉस 5.18 प्रतिशत के निचले स्तर पर रहा और विश्वसनीय तथा सस्ती बिजली आपूर्ति के कारण नये उपभोक्ताओं के जुड़ने से उपभोक्ताओं की कुल संख्या 32 लाख पर पहुंच गई। ट्रांसमिशन सेगमेंट में हाल की तिमाहियों में कंपनी की पाइपलाइन में कई परियोजनाएं शामिल हुई हैं और ट्रांसमिशन परियोजनाओं के लिए उसका ऑर्डर बुक 17 हजार करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कंपनी ने बताया कि पूरे देश में बढ़ती ऊर्जा मांग के अनुरूप अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई में बिजली की मांग (बेची गई इकाई) वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में साल-दर-साल आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 296.2 करोड़ इकाई पर पहुंच गई।

टाटा पावर ने बैंक ऑफ इंडिया के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली । टाटा पावर सोलर सिस्टम्स लिमिटेड (टीपीएसएसएल) ने छतों पर सौर पैनल लगाने और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) के साथ साझेदारी की है। टीपीएसएसएल की ओर से शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार यह साझेदारी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि टाटा पावर सोलर सौर और ईवी चार्जिंग स्टेशन वित्तपोषण दोनों के लिए बीओआई के साथ सहयोग करने वाली पहली सौर कंपनी बन गई है। कंपनी ने इसके साथ ही हरित ऊर्जा समाधान प्रदाता के रूप में अपने नेतृत्व को मजबूत किया है। यह सहयोग छतों पर सौर पैनल स्थापित करने को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहल का समर्थन करता है।

महिला एशिया कप - भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 10 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनायी

दांबुला (एजेंसी)। रेणुका ठाकुर ओर राधा यादव की शानदार गेंदबाजी के बाद स्मृति मंधाना के लगाये अर्धशतक की बदौलत भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने महिला एशिया कप क्रिकेट के सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 10 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनायी है। भारत की ओर से मंधाना ने 55 जबकि शैफाली वर्मा ने 26 रन बनाये। इस मैच में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 80 रनों पर रोकने के बाद एक भी विकेट गंवाये बिना जीत के लिए मिला 81 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया। भारतीय टीम की जीत में तेज गेंदबाज रेणुका और स्पिनर राधा की भी अहम भूमिका रही। रेणुका ने पारी की शुरुआत में लगातार चार ओवर डालते हुए 10 रन देकर तीन विकेट लेकर बांग्लादेश के बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त कर दिया। वहीं राधा ने 14 रन देकर तीन विकेट लिए। बांग्लादेश की ओर से कप्तान निगार सुल्ताना 32 और शोर्ना अख्तर नाबाद 19 रन ही भारतीय गेंदबाजों का कुछ हद तक सामना कर पाये। इनके अलावा अन्य बल्लेबाज विफल रहे।

इस मैच में टॉस जीतकर बांग्लादेश का पहले बल्लेबाजी का फैसला गलत रहा। रेणुका ने पहले ओवर में ही विकेट ले लिया। रेणुका ने दिलारा को आउट कर दिया। उन्होंने अपने अगले दो ओवरों में इश्मा तंजीम और मुर्शिदा खातून को भी पेवेलियन भेज दिया। पावर प्ले में बांग्लादेश की टीम तीन विकेट पर 25 रन ही बना पायी। कप्तान सुल्ताना ने पारी संभालने का प्रयास किया पर वह विफल रहीं। भारतीय गेंदबाजों के सामने बांग्लादेश के बल्लेबाज बेबस नजर आये।

भारत का क्षेत्ररक्षण भी काफी अच्छा रहा । शेफाली ने छलांग लगाकर एक शानदार कैच पकड़ा। सुल्ताना ने शोर्ना के ने 35 गेंद में 36 रन बनाकर पारी संभालने का प्रयास किया पर इनके आउट होने ही विकेटों की लाइन लग गयी। राधा ने सुल्ताना को आउट कर बांग्लादेश की रही सही उम्मीदें तोड़ दीं।

श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में एक अहम रिकार्ड बना सकते हैं विराट

मुम्बई (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ अगले माह होने वाली एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। विराट इस सीरीज के दौरान ऐसा रिकॉर्ड बना सकते है जो किसी अन्य क्रिकेटर के लिए तोड़ना असंभव की तरह रहेगा। विराट इस सीरीज में 27,000 रन का आंकड़ा पार कर सकते हैं।

विराट के नाम अभी 53.55 की औसत से 26,884 रन हैं। ऐसे में अगर वह श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में 116 रन बनाते हैं तो उनके तीनों प्रारुपों को मिलाकर कुल 27 हजार रन हो जाएंगे। यह वो आंकड़ा है, जो अब तक केवल तीन खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर 34357, कुमार संगकारा 28016 और रिकी पोंटिंग 27483 ही हासिल कर पाये हैं।

आज के दौर के क्रिकेटरों की बात करें तो विराट के अलावा एक भी ऐसा बल्लेबाज नहीं है जिसने 20,000 रन बनाए हों। वर्तमान समय के क्रिकेटरों में विराट कोहली के बाद जो रूट 19,355 रनों के साथ दूसरे और रोहित 19,077 रनों के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं। रूट 33 साल के हैं जबकि रोहित की उम्र 37 साल है। अब अगर ये दोनों खिलाड़ी 40 साल की उम्र तक खेलें तो जो रूट के लिए तो यह संभव है कि वे 27 हजार रन बना लें। रोहित के लिए भी ये काफी कठिन है। रोहित ने अब तक कुल 480 मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने 43.25 की औसत से 19,077 रन बनाए हैं। उन्हें 27 हजार रन का आंकड़ा हासिल करने के लिए 7923 रन और बनाने होंगे। रोहित को 27 हजार रन तक पहुंचने में करीब चार साल लगेंगे। उनके 40 साल की उम्र तक खेलने की संभावनाएं नहीं हैं। ऐसे में वह इस रिकार्ड तक नहीं पहुंच सकते।

शोएब मलिक ने भारतीय टीम से चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आने की अपील की

लाहौर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाने की संभावनएं नहीं हैं। ऐसा माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भारतीय टीम के मुकाबलों को किसी अन्य जगह पर आयोजित करने की मांग करेगा। शाहिद अफरीदी के बाद अब पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शोएब मलिक ने भारतीय टीम से पाकिस्तान दौरे पर आने की अपील की है। माना जा रहा है कि दोनो देशों के बीच तनाव को देखते हुए ही सरकार टीम को सुरक्षा कारणों से पाक जाने की अनुमति नहीं देगी। इसी को लेकर पाक खिलाड़ी निराश हैं और भारतीय टीम से दौरे पर आने को कह रहे हैं। अब पूर्व पाक कप्तान शोएब मलिक ने भारतीय टीम से पाकिस्तान आने की अपील करते हुए कहा कि खेल को राजनीति से दूर रखा जाना चाहिये। मलिक ने कहा कि पाक ने भारत में हुए एकदिवसीय विश्वकप में भाग लिया था। ऐसे में अब भारतीय टीम की बारी है। साथ ही कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच जो भी परेशानियां हैं, उसे निजी तौर पर हल करना चाहिए। राजनीति को खेल से नहीं जोड़ना चाहिए। साथ ही कहा कि भारतीय टीम के कई खिलाड़ी पाकिस्तान में नहीं खेले हैं तो उनके लिए यह अच्छा मौका होगा। हम बहुत अच्छे लोग हैं। मुझे विश्वास है कि भारतीय टीम यहां जरूर आएगी।

वहीं पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भारतीय टीम को मनाने का काम आईसीसी पर छोड़ दिया है। आईसीसी की वार्षिक बैठक में चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम और प्रारूप पर कोई विचार-विमर्श नहीं हुआ था। इसमें आगे बताया गया कि पीसीबी ने आईसीसी पर भारत को राजी करने की जिम्मेदारी छोड़ दी है। पीसीबी ने भारत के सभी मैच लाहौर में रखे हैं, जहां चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल और फाइनल भी खेले जाएंगे।

सूर्यकुमार की कप्तानी में श्रीलंका के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

पालेकल (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार को नये कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में मेजबान श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम इस दौरे में श्रीलंका से तीन मैच खेलेगी और गंभीर व सूर्या की जोड़ी का लक्ष्य इसमें टीम को जीत दिलाना रहेगा।

गंभीर को राहुल द्रविड़ की जगह कोच बनाया गया है। गंभीर को अब उनके काम को आगे बढ़ाना होगा। गंभीर को इस दौरे में उनकी मांग के अनुसार टीम दी गयी है। ऐसे में उनकी पहली परीक्षा ये दौरा होगा। इस दौर में सूर्यकुमार को कप्तान बनाया गया है जबकि हार्दिक पंड्या इस पद के स्वाभाविक दावेदार माने जा रहे थे। इसके अलावा कई युवा खिलाड़ियों को भी अवसर मिला है।

भारतीय टीम में यह बदलाव पिछले महीने विश्व कप जीतने तथा रोहित, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद आया है। इस सीरीज में उपकप्तानी संभाल रहे शुभमन गिल इसे अपनी जगह पक्की करने के अवसर के रूप में देखेंगे। इसके अलावा यशस्वी जायसवाल, रिंकू सिंह और यहां तक ??कि रियान पराग जैसे अन्य खिलाड़ी भी यही चाहेंगे। अक्षर पटेल टीम में जडेजा की जगह लेने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उनके अलावा भारत के पास हार्दिक, शिवम दुबे और वाशिंगटन सुंदर जैसे बेहतरीन ऑलराउंडर हैं।

इस दौरे में अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है और ऐसे में गेंदबाजी की कमान अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज पर रहेगी। बल्लेबाजी की जिम्मेदारी शुभमन , सूर्यकुमार जैसे बल्लेबाजों पर रहेगी। वहीं दूसरी ओर मेजबान श्रीलंकाई टीम की राह भी आसान नहीं है। उसके दो अनुभवी गेंदबाज दुष्मंथा चमीरा चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हो गये हैं। अब उनकी जगह असिथा फर्नांडो और दिलशान मदुशंका को टीम में लिया गया है।

श्रीलंकाई टीम इस सीरीज में नये कतान चरिथ असलांका और अंतरिम कोच सनत जयसूर्या के मार्गदर्शन में उतरेगी। मेजबान टीम घरेलू हालातों का लाभ उठाकर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। उसके पास दासुन शनाका, कुसल परेरा, कुसल मेंडिस और दिनेश चांदीमल जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। गेंदबाजी की जिम्मेदारी वानिंदु हसरंगा, मथीशा पथिराना जैसे खिलाड़ियों के पास रहेगी।

जुबिन से मिली सीख का लाभ उठाएंगे हमारे खिलाड़ी : जयसूर्या

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के अंतरिम कोच सनथ जयसूर्या ने कहा है कि राजस्थान रॉयल्स के हाई परफॉर्मेंस निदेशक जुबिन भरूचा से मिली सीख से उनकी टीम भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। साथ ही कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे स्टार खिलाड़ियों के नहीं होने से भी उनकी टीम को लाभ होगा। रोहित और विराट ने टी20 विश्वकप के बाद संन्यास ले लिया था। भारत और मेजबान श्रीलंका के बीच टी20 सीरीज 27 जुलाई से शुरू होगी। जयसूर्या ने कहा कि टीम के लिए जुबिन के साथ छह दिन का कैंप रखा गया था। जयसूर्या ने कहा, 'हमने एलपीएल के तुरंत बाद ही ये कैंप शुरू कर दिया था। इस दौरान अधिकतर खिलाड़ी एलपीएल में खेल रहे थे पर इसके बाद भी उन्हें जुबिन के पास भेजा गया। साथ ही कहा कि. हमने उनके साथ लगभग छह दिन काम किया। लीगमें खेलने बाद अन्य क्रिकेटर भी उनके साथ जुड़े और उनके अनुभवों से खिलाड़ियों को लाभ भी हुआ है। ' जयसूर्या ने कहा कि भरूचा के साथ सत्र काफी गंभीर रहा और खिलाड़ियों को काफी कुछ सीखने को मिला।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से टेस्ट में डेब्यू कर सकते हैं अर्शदीप

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को टेस्ट टीम में जगह मिल सकती है। अर्शदीप ने हाल ही में सीमिल ओवरों के प्रारुप में शानदार प्रदर्शन किया है। टी20 विश्वकप में भी उनकी गेंदबाजी काफी अच्छी रही थी। विश्वकप में अर्शदीप ने 17 विकेट लिए थे। इसी कारण उन्हें अब श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भी शामिल किया गया है। अटकलें हैं कि अर्शदीप को इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से टेस्ट क्रिकेट में अवसर मिल सकता है। इसी कारण उन्हें दलीप ट्रॉफी के कुछ मुकाबले खेलने को कहा गया है। अर्शदीप ने 2022 का टी20 वर्ल्ड कप भी खेला था। तब भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। उस समय इस तेज गेंदबाज ने 10 विकेट लिए थे। अर्शदीप को टी20 क्रिकेट खेलते हैं। हालांकि, अब उन्हें वनडे क्रिकेट में भी आगे बढ़ाया जा रहा है। श्रीलंका के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए अर्शदीप को भारतीय स्क्वॉड में शामिल किया गया है। अब उन्हें टेस्ट क्रिकेट के लिए भी देखा जा रहा है।

बालाजी के साथ बोपन्ना ओलंपिक में आखिरी बार लगाएंगे जोर, एकल में नागल के सामने कड़ी चुनौती

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक दल के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी 44 वर्षीय रोहन बोपन्ना के पास पिछले ओलंपिक की तरह मजबूत जोड़ीदार नहीं है लेकिन पुरुष युगल में उनके साथ चुनौती पेश करने को तैयार अनुभवी एन श्रीराम बालाजी मुश्किल परिस्थितियों से लड़ना जानते हैं।

एकमात्र पदक

ओलंपिक में भारत का पहला और एकमात्र टेनिस पदक 1996 में आया, जब लिएंडर पेस ने अटलांटा खेलों में एकल कांस्य पदक के साथ इतिहास रचा था। जब महान पेस और महेश भूपति ने एथेंस (2004) और बीजिंग (2008) में एक साथ प्रतिस्पर्धा की थी तब भी भारत ने ओलंपिक पदक नहीं जीता था।

भारत को लंदन 2012 में भी पदक के सूखे का सामना करना पड़ा जब बोपन्ना ने दिग्गज भूपति के साथ जोड़ी बनाई थी। बोपन्ना 2016 रियो ओलंपिक में पुरुष युगल में पेस और मिश्रित युगल में सानिया मिर्जा के साथ खेले लेकिन उनका पदक का सपना तब भी पूरा नहीं हुआ। ये सभी भारतीय टेनिस के सबसे सफल नाम है और इन सबने देश के लिए कई ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं।

बालाजी-बोपन्ना के लिए खेलना

मुश्किल

बालाजी ने हाल ही में युगल में खेलना शुरू किया है। इस भारतीय जोड़ी के लिए पदक जीतना काफी मुश्किल होगा लेकिन उन्होंने रोला गैरां में अभ्यास करने के लिए क्रोएशिया में उमाग टूर्नामेंट को छोड़कर यहां एक साथ अभ्यास करना बेहतर समझा। बोपन्ना ने पेरिस में कुछ यादगार जीत दर्ज की है। उन्होंने इसी स्थान पर अपना पहला ग्रैंड स्लैम जीता था। उन्होंने 2017 में गैब्रिएला डाब्रोवस्की के साथ मिश्रित युगल में जीत हासिल की थी।

बोपन्ना ने कहा, 'यह क्ले कोर्ट टूर्नामेंट के लिए सबसे बड़ा मैदान है। रोलां गैरा में भारत का प्रतिनिधित्व करना बहुत ही खास है। जब भी मैं यहां आता हूं तो वे यादें मेरी मदद करती हैं। यह एक ऐसा टूर्नामेंट है जहां मैंने उन यादों के कारण हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया है।' बोपन्ना उम्र के इस पड़ाव पर शानदार लय में है और पिछले कुछ समय से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं। वह बेखौफ हो कर खेल रहे हैं और उनके पास दबाव झेलने की शानदार क्षमता है।

दूसरी ओर बालाजी ने सीमित मौकों पर युगल मैचों में खुद को साबित किया है। उन्होंने डेविस कप में इस्लामाबाद में एकल मैच में दमखम दिखाने के बाद फ्रेंच ओपन में बोपन्ना और मैथ्यू एबडेन की दिग्गज जोड़ी को मैक्सिको के अपने जोड़ीदार मिगुएल रेयेस-वेरेलास के साथ जैसी टक्कर दी वह शानदार था। इन दो प्रदर्शनों ने बोपन्ना को उन्हें जोड़ीदार के तौर पर चुनने के लिए प्रेरित किया।

डेविस कप से संन्यास ले चुके है बोपन्ना

बोपन्ना डेविस कप से संन्यास ले चुके है और एटीपी टूर पर अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर है। ऐसे में उन्हें बालाजी की तरह किसी जोड़ीदार से अच्छा साथ मिलेगा। बालाजी को उनकी सर्विस और तेज-तर्रार खेल के लिए जाना जाता है। वह बोपन्ना के अनुभव के साथ अच्छे से तालमेल बिठायेंगे। बोपन्ना 43 साल की उम्र में एबडेन के साथ 2023 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे। वह इसके बाद युगल रैंकिंग में शीर्ष पर भी पहुंचे थे। भारतीय जोड़ी पेरिस में पदक के सपने को पूरा करने के अभियान का आगाज स्थानीय खिलाड़ी एडवर्ड रोजर-वैसलीन और फैबियन रेबौल के खिलाफ करेंगे।

पुरुष एकल में सुमित नागल पर दारोमदार

पुरुष एकल में देश का दारोमदार सुमित नागल पर होगा। नागल ने पिछले एक साल में शानदार प्रदर्शन किया। वह साल 2023 की शुरूआत में रैंकिंग में शीर्ष 500 में भी नहीं थे। उन्होंने इसके बाद शानदर प्रदर्शन करते हुए कई उलटफेर किये जिसमें एडवर्ड रोजर-वैसलीन और फैबियन रेबौल जैसे नाम शामिल है।

ओलंपिक के एकल वर्ग में मुकाबले में ग्रैंड स्लैम विजेता खिलाड़ी है ऐसे में नागल के लिए अपने अभियान को ज्यादा आगे ले जाना काफी चुनौतीपूर्ण होगा। वह अपने अभियान की शुरुआत स्थानीय खिलाड़ी कोरेंटिन मौटेट के खिलाफ करेंगे और अगर शुरुआती बाधा पार करने में सफल रहे तो उनके सामने ऑस्ट्रेलिया के दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी और विंबलडन क्वार्टर फाइनलिस्ट एलेक्स डि मिनौर की चुनौती होगी।

ओलंपिक के लिए गूगल ने बनाया अपना डूडल, नदी में तैरते पक्षी दिख रहे

पेरिस । सर्च इंजन गूगल ने पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए एक डूडल बनाया है। गूगल ने पेरिस में 100 साल बाद ओलंपिक खेलों की वापसी हो देखते हुए ही अपने डूडल को इन खेलों को समर्पित किया है। इसलिए गूगल पर सर्च के दौरान उसके लोगो की जगह पर ये खेलों का डूडल नजर आयेगा। इसलिए आज जब आप गूगल पर जाएंगे तो सामने सबसे पहले एक एनिमिटेड ग्राफिक्स दिखाई देगा। जिसमें नदी में कुछ पक्षी तैर रहे हैं। वहीं जब आप माउस के कर्सर को इस डूडल पर ले जाएंगे तो उस पर लिखा आएगा पेरिस गेम्स बिगिन्स । गूगल पूरी दुनिया में होने वाले घटनाक्रम पर नजर रखता है और उसी के अनुसार अपना डडूल भी बनाता है। ओलंपिक खेल चार साल में होते हैं। इसलिए इन पर पूरी दुनिया की नजरें रहती हैं। ऐसे में गूगल भी इसका जश्न मनाने में पीछे नहीं है। ये ओलंपिक खेल 11 अगस्त तक चलेंगे। इस दौरान दुनिया भर के हजारों खिलाड़ी इन खेलों में अपने कौशल के बल पर पदक जीतने का प्रयास करेंगे।

टेस्ट सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीका को झटका, तेज गेंदबाज हुआ बाहर, प्रीटोरियस शामिल

पोर्ट ऑफ स्पेन । दक्षिण अफ्रीका को वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले ही करारा झटका लगा है। उसके तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण इस सीरीज से बाहर हो गये हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कहा है कि कोएत्जी अगले माह सात अगस्त से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज खेलने तक फिट नहीं हो सकते हैं। इसीलिए उनको टीम में नहीं रखा गया है। कोएत्जी को यह चोट अमेरिका की टी-20 फ्रेंचाइजी लीग मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के दौरान ही लगी थी। इस लीग में टेक्सास सुपर किंग्स की ओर से खेल रहे थे। अब कोएत्जी की जगह मिगेल प्रीटोरियस को टीम में जगह मिली है। प्रीटोरियस ने अभी तक टेस्ट स्तर का कोई मैच नहीं खेला है हालांकि उन्होंने 64 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। प्रीटोरियस को इससे पहले दिसंबर 2020 में श्रीलंका में टेस्ट सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम में भी शामिल किया गया था पर वह कंधे में चोट के कारण तब नहीं खेल पाये थे।

लतीफ ने पंड्या की उपेक्षा पर नाराजगी जतायी

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ ने श्रीलंकाई दौरे के लिए हार्दिक पंड्या को भारतीय टी20 टीम का कप्तान नहीं बनाये जाने के फैसले को गलत बताया है। लतीफ ने कहा कि जिस प्रकार का तर्क चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने दिया है। वह केवल बहाने बाजी भर है। अगरकर ने कहा था कि पंड्या को खराब फिटनेस के कारण कप्तानी की जिम्मेदारी नहीं दी है। अगरकर के इस फैसले से लतीफ को निराशा हुई है। उन्होंने कहा है कि फिटनेस का बहाना देकर हार्दिक को कप्तानी नहीं दी गई। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'उन्होंने पंड्या को सर्टिफिकेट दे दिया है कि वह पूरी तरह फिट नहीं हैं। उनकी फिटनेस को लेकर अब भी कई सवाल हैं पर अगर देखा जाये तो ऐसे कई खिलाड़ी रहे हैं जो फिट नहीं हैं लेकिन इसके बाद भी भी वे बहुत अच्छे कप्तान बने हैं। मुझे लगता है कि यह एक बहाना है क्योंकि नये कप्तान सूर्यकुमार यादव का नाम पहले दावेदारी में नहीं था।

पेरिस ओलंपिक में महिला मुक्केबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद : विजेंदर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के एकमात्र ओलंपिक पदक विजेता पुरुष मुक्केबाज विजेंदर सिंह को लगता है कि पेरिस ओलंपिक में देश की पदक की संभावनायें महिला मुक्केबाजों के प्रदर्शन पर निर्भर होंगी और उन्हें उम्मीद है कि निकहत जरीन की अगुआई वाली टीम कम से कम दो पोडियम स्थान हासिल करेगी। जरीन (50 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा), जैस्मिन लम्बोरिया (57 किग्रा) और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) भारतीय महिला टीम में शामिल हैं जबकि अमित पंघाल (51 किग्रा) और पदार्पण कर रहे निशांत देव (71 किग्रा) पेरिस के लिए क्वालीफाई करने वाले दो पुरुष मुक्केबाज हैं।

38 वर्षीय विजेंदर ने कहा कि उन्हें महिला मुक्केबाजों के अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। बीजिंग ओलंपिक 2008 के कांस्य पदक विजेता और भाजपा नेता विजेंदर ने कहा, 'पुरुष मुक्केबाजों के बारे में मैं इतना ज्यादा नहीं जानता लेकिन मैंने महिला मुक्केबाजों के बारे में जो पढ़ा है, उससे उम्मीद जगती है कि लड़कियां अच्छा प्रदर्शन करेंगी, मुझे उम्मीद है कि हमें एक या दो पदक मिलेंगे। यह रजत हो सकता है और शायद स्वर्ण पदक भी हो सकता है।' उन्होंने कहा, 'ऐसा भी हो सकता है कि महिला मुक्केबाज अभी तक देश को मिले पदकों का रंग बदल दें।'

विजेंदर के अलावा केवल दो अन्य भारतीय महिला मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम (लंदन 2012) और बोरगोहेन (तोक्यो 2021) ही अभी तक ओलंपिक में कांस्य पदक जीत सकी हैं। लेकिन देश का कोई भी मुक्केबाज फाइनल में पहुंचकर स्वर्ण पदक का मुकाबला नहीं खेल पाया है। महिला मुक्केबाजों ने पेरिस ओलंपिक से पहले अच्छा प्रदर्शन किया है जिसमें जरीन और बोरगोहेन 2023 में विश्व चैम्पियन बनीं।

पवार और लम्बोरिया ने एशियाई खेलों के अलावा राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीतें। वहीं अगर पुरुष मुक्केबाजों को देखा जाये तो देव को छोड़कर उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। देव ने पिछले साल विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। भारत के पहले पुरुष विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता विजेंदर ने कहा, 'इस दफा काफी कम पुरुष मुक्केबाज हैं। पहले हम पांच से छह तक हुआ करते थे लेकिन इस बार बस दो ही पुरुष मुक्केबाज पेरिस गए हैं।'

भारत से सर्वाधिक सात पुरुष मुक्केबाज ही ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर सकते थे और ऐसा 2012 चरण में हुआ था। 2008 में तब रिकॉर्ड पांच मुक्केबाज क्वालीफाइंग अभियान में शानदार प्रदर्शन के बाद ओलंपिक पहुंचे थे। विजेंदर ने कहा, 'मैं नहीं जानता कि इसमें इतनी गिरावट क्यों हुई, शायद खुद मुक्केबाज ही इसके बारे में बेहतर तरीके से बता सकते हैं।' तीन बार के ओलंपियन विजेंदर ने अमेच्योर मुक्केबाजी छोड़कर 2015 में पेशेवर मुक्केबाजी में आने का फैसला किया था। उन्होंने इसके बाद अभिनय, रिएलिटी टीवी और राजनीति में भी हाथ आजमाये। उन्हें खेल प्रशासक के तौर पर भी काम करने से गुरेज नहीं है और अगर उन्हें मौका मिलता है तो वह भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) का चुनाव लड़ने को भी तैयार हैं।

विजेंदर ने कहा, 'अगर मुझे मौका मिलता है तो मैं भारतीय मुक्केबाजी महासंघ का अध्यक्ष बनने को तैयार हूं। मैं चुनाव लड़ना चाहूंगा क्योंकि मैं भारतीय मुक्केबाजों को बेहतर करते हुए देखना चाहता हूं।' साथ ही उन्होंने कहा कि वे युवाओं को खेल के बारे में अच्छी जानकारी दे सकते हैं। विजेंदर ने कहा, 'जो युवा अपने पहले ओलंपिक में हिस्सा ले रहे हैं तो मैं उनके साथ अपने पहले ओलंपिक का अनुभव साझा कर सकता हूं। मैं उन्हें बता सकता हूं कि मैंने भी इन्हीं दिक्कतों का सामना किया था और उन्हें बता सकता हूं कि क्या करना चाहिए और क्या नहीं।'

उन्होंने कहा, 'अगर मुझे बीएफआई अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने का मौका मिलता है तो मैं पीछे नहीं हटूंगा। अगर किसी को मेरी मदद चाहिए तो मैं उपलब्ध हूं।' इस समय बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह हैं जो स्पाइसजेट एयरलाइंस के मालिक भी हैं। विजेंदर ने कहा कि मुक्केबाजी एक 'अकेलेपन' का खेल है जिसमें आपको बाहर रिंग में लड़ना पड़ता है जबकि एक द्वंद्व आपके अंदर भी चलता रहता है।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व जिला पार्षद के प्रयास से उ.प्रा.विद्यालय महुलडीह का खराब चापाकल बना

जादूगोड़ा(बिभा): उ.प्रा.विद्यालय महुलडीह (डोमजुड़ी) स्थित खराब चापाकल के लिए विद्यालय परिवार काफी दिनों से परेशान थे। विद्यालय स्थित चापाकल के खराब रहने के कारण जंहा एक ओर पेयजल के लिए छोटे छोटे बच्चें परेशान थे वंही मध्यान्य भोजन के लिए रोसइये परेशान थे। शिक्षक एवं प्रबंधन समिति के लोग शिक्षा विभाग तथा अन्यान्य संबंधित लोगों से संपर्क साध कर उक्त चापाकल की मरम्मती के लिए गुहार लगाने के बावजूद जब चापाकल नहीं बन पाया एवं दिन-वो-दिन परेशानी बढ़ता गया तो विद्यालय के ही एक शिक्षक द्वारा उनके पूर्व जिला पार्षद करुणा मय मंडल को समस्या के बारे में जानकारी दी गई।पूर्व पार्षद द्वारा विषय की गंभीरता को समझते हुए बीडीओ पोटका को वस्तुस्थिति से अवगत करवाया गया तथा प्राथमिकता के आधार पर विद्यालय की पेयजल की समस्या की त्वरित समाधान करवाने की अनुरोध कि गई।अंततः बीडीओ पोटका के निर्देश पर विभागीय मिस्त्री जाकर विद्यालय की खराब चापाकल को मरम्मती किया गया।चापाकल से पानी निकलता देख बच्चों में खुशी की लहर दौड़ गई। साथ ही विद्यालय परिवार भी चैन की सांसें ली।

घाटशिला को जिला बनाने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन 30 को

जादूगोड़ा(बिभा): जिला निर्माण संघर्ष समिति द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी, रांची को दिये आवेदन जिसमे लिखा है कि 30/07/2024 मंगलवार को एक दिवसीय सुबह 10 बजे से अपराह्न 02 बजे तक विरसा चौक रांची कावड में धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया है ।घाटशिला को जिला बनाने की मांग को लेकर यह धरना प्रदर्शन शांतिपूर्ण आयोजित होगी ।शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन आयोजन में सहयोग करे ।

कुडू में पदस्थापित अनुसचिवीय कर्मचारी सड़क दुर्घटना में घायल

लोहरदगा(बिभा)। सदर थाना क्षेत्र के दूरसंचार विभाग के समीप हुए सड़क दुर्घटना में कुडू प्रखण्ड में पदस्थापित महिला अनुसचिवीय कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गई है जिसे स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। जानकारी अनुसार समाहरणालय के समीप धरना कार्यक्रम से लौट रही अनुसचिवीय कर्मचारी पूजा कुमारी शुक्रवार शाम अपने घर लौटने के क्रम में अनियंत्रित बाइक की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गई। पूजा कुमारी को स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उसका इलाज चल रहा है।

अनियंत्रित बाइक ने वृद्ध को मारी टक्कर,गंभीर

लोहरदगा(बिभा): सदर थाना क्षेत्र के महादेव टोली के समीप शुक्रवार दोपहर बाद अज्ञात अनियंत्रित बाइक ने एक वृद्ध को टक्कर मार दी जिससे वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गया है। स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए वृद्ध को सदर अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उसका इलाज चल रहा है। जानकारी अनुसार मेरले के समीप रनगढ़ा गांव निवासी रामस्वरूप पैदल सड़क पर जा रहा था इसी क्रम में अज्ञात बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी जिससे रामस्वरूप गंभीर रूप से घायल हो गया।

देवाकी बाबाधाम पैदल कांवर यात्रा का बांटा गया निमंत्रण पत्र

लोहरदगा(बिभा): शहरी क्षेत्र के मनोकामना सिद्धि दुर्गा मंदिर परिसर से देवाकी बाबाधाम यात्रा को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई है। जहां एक ओर काँवर यात्रियों की सुविधा को लेकर व्यवस्थाओं पर कार्य किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर जिले के प्रबुद्ध जनों और प्रशासनिक पदाधिकारियों को भी जत्था में शामिल होने को लेकर आमन्त्रित किया जा रहा है। कांवरिया संघ बरवाटोली के द्वारा 05 अगस्त को सुबह 7 बजे बरवाटोली चौक से निकलने वाली 30 किमी की पैदल काँवर यात्रा के उद्घाटन करने को लेकर कांवरिया संघ का एक प्रतिनिधिमंडल उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण, पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां, वन प्रमंडल पदाधिकारी अभिषेक कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार, एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा, डीएसपी समीर कुमार तिर्की से मिला। उनसे ससमय उदघाटन समारोह में उपस्थित होकर कांवरियों का उत्साहवर्धन के लिए अपील की। वहीं जत्था में शामिल होने के लिए उन्हें आमंत्रण पत्र भी सौंपा गया। प्रतिनिधिमंडल में शामिल कांवरिया संघ के अध्यक्ष गौरव अग्रवाल उर्फ लड्डू, सचिव आलोक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष शुभम अग्रवाल और मीडिया प्रभारी राहुल कौशल शामिल रहे। अधिकारियों का आमंत्रण पत्र देने के बाद शहर के गणमान्य लोगों को भी पत्र देते हुए यात्रियों के जत्थे में शामिल होकर उनके उत्साह को बढ़ाने की अपील की गई। इसके अलावा जिले के विभिन्न हिंदू संगठनों को भी जत्था में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाने की अपील की गई है।

उपायुक्त ने खिलाड़ियों व कोच को किया सम्मानित

लोहरदगा(बिभा)। उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण शुक्रवार को कुल 09 कराटे खिलाड़ियों और 08 जूडो खिलाड़ियों व कोच को समाहरणालय सभागार में सम्मानित किया गया। इस वर्ष 27 - 30 अप्रैल 2024 तक नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में लोहरदगा जिला के कराटे टीम ने बेहतर प्रदर्शन किया था। वहीं जूडो की टीम आगामी 2 से 4 अगस्त 2024 तक रांची में आयोजित होने वाली स्टेट चैंपियनशिप में भाग लेगी जिसके लिए उपायुक्त द्वारा खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया गया। साथ ही कराटे की टीम को बेहतर प्रदर्शन के लिए भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर एसपी हारिस बिन जमा, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा, जिला खेल पदाधिकारी उपवन बड़ा, जिला शिक्षा पदाधिकारी नीलम अइलीन टोप्पो, कराटे कोच अमित कुमार सिंह,जूडो कोच मुकेश उरांव, जिला खेल संघ के उपाध्यक्ष राजू उरांव समेत सभी खिलाड़ी उपस्थित थे।

25वीं कारगिल विजय दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

बिभा संवाददाता

लोहरदगा: न्यू नगर भवन लोहरदगा में लोहरदगा भूतपूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा कारगिल विजय दिवस 2024 मनाया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपायुक्त डॉ.वाघमारे प्रसाद कृष्ण सम्मिलित हुए।

मंच से ट्रस्ट के सभी सदस्य एवं अतिथियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के सीमा क्षेत्र में घुसपैठियों के विरुद्ध की गई यह ऐतिहासिक सफल कार्रवाई को देश हमेशा याद रखेगा। इस युद्ध में भारतीय सबसे कठिन दृश्य से गुजरे हैं और फिर भी अपना गौरव बनाए रखने में कामयाब रहे हैं। उपायुक्त श्री वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने भारत देश के पवित्र भूमि को बचाने के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले भारतीय वीर सैनिकों को नमन करते हुए श्रद्धांजली दी।

पुलिस अधीक्षक हरीश बिन जमां ने कहा कि कारगिल विजय की कुर्बानियों की वजह से ही हमें सर ऊंचा करके जीने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि इस युद्ध में दी गई आहुति एवं समर्पण की तुलना कभी भी नहीं की जा सकती है। उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि वह आज शहीदों के परिजनों को नमन करते हुए गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं । कारगिल विजय दिवस के 25वीं वर्षगांठ पर समस्त देशवासी अपने प्राणों की आहुति देकर भारत माता की रक्षा करने वाले वीर जवानों को याद कर रहे हैं।

इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत द्वीप प्रज्वलित कर वीर शहीदों को नमन किया गया और पुष्पांजलि अर्पित कर जांबाज सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई ।साथ ही मंच पर अनेक वीर शहीदों के परिजनों को सम्मानित भी किया गया। मौके पर मुख्य रूप से जिला परिषद अध्यक्ष रीना कुमारी,भूतपूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष धर्मराज महतो,सैनिक कल्याण संघ के टी.रामा. राव., जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शिवनंदन बड़ाइक,समाजसेवी सुखैर भगत, डॉ. टी. साहु सहित अनेक भूतपूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट के सदस्य उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में साइकिल सवार गंभीर, रिम्स रेफर

लोहरदगा: सदर थाना क्षेत्र के न्यू रोड में शुक्रवार को हुई सड़क दुर्घटना में एक नाबालिक गंभीर रूप से घायल हो गया है जिसे इलाज के लिए सदल अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रांची रिम्स रेफर कर दिया गया है। जानकारी अनुसार न्यू रोड में साइकिल पर सवार होकर जा रहे हैं नाबालिग को एक बाइक ने टक्कर मार दी जिससे साइकिल सवार नाबालिक के साथ-साथ बाइक सवार अन्य दो घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से घायल साइकिल सवार बालक की पहचान पावरगंज निवासी लालू विश्वकर्मा के 15 वर्षीय पुत्र लक्की विश्वकर्मा के रूप में हुई है। लक्की केनरा बैंक से साइकल पर सवार हो पावरगंज की ओर आ रहा था इसी क्रम में बाइक पर सवार दो युवकों ने साइकल को टक्कर मार दी। सड़क दुर्घटना में घायल बाइक सवारों में सेगरा टोली निवासी आनंद यादव और बरही निवासी आकाश गोस्वामी को मामूली चोटें आई है। तीनों घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

धनबाद मंडल में चला मेगा टिकट चेकिंग अभियान

बिभा संवाददाता

धनबाद : धनबाद मंडल में बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में आज दिनांक 26.07.24 को धनबाद मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत मंडल के विभिन्न खण्डों के साथ-साथ धनबाद, गोमो, कोडरमा, डाल्टनगंज, चोपन, बरकाकाना, सिंगरौली स्टेशनों में गहन टिकट चेकिंग की जा रही है यह मेगा टिकट चेकिंग अभियान दिन-रात चलाया जा रहा है । इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप 18.00 बजे तक कुल 896 यात्रियों को पकड़ा गया एवं यह जांच अभियान अभी भी जारी है इस जांच अभियान में बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रियों से 03 लाख 60 हजार 805 रूपए जुमार्ने के रूप में राशि प्राप्त की गई व उन्हें कड़ी हिदायत दी गई चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल/एक्स्प्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच की जा रही है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगी । इस अभियान का उद्देश्य बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों पर अंकुश लगाना है ताकि वे अगली बार टिकट लेकर यात्रा करें एवं उचित टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों के कारण किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

आद्रा मंडल में ब्लॉक के कारण एक जोड़ी ट्रेन का आंशिक समापन/ आंशिक प्रारंभ

धनबाद: दक्षिण पूर्वी रेलवे के आद्रा मंडल में ब्लॉक लिया जाएगा जिस कारण एक जोड़ी ट्रेन के परिचालन में बदलाव किया जाएग जिनका विवरण निम्नानुसार है।
आंशिक समापन/ आंशिक प्रारंभ वाली ट्रेनें- दिनांक 02.08.24 को चलने वाली ट्रेन संख्या 18024 गोमो- खड़गपुर एक्सप्रेस का आंशिक समापन चंद्रकोणा रोड स्टेशन पर किया जाएगा। दिनांक 02.08.24 को चलने वाली ट्रेन संख्या 18023 खड़गपुर-गोमो एक्सप्रेस का आंशिक प्रारंभ चंद्रकोणा रोड स्टेशन से किया जाएगा।

यात्री सुविधा के मद्देनजर एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन के परिचालन का विस्तार

धनबाद: यात्री सुविधा के मद्देनजर उनके सुगम आवागमन हेतु गाड़ी संख्या 08103 / 08104 टाटा- वाराणसी - टाटा स्पेशल के परिचालन में विस्तार किया जाएगा जिनका विवरण निम्नानुसार है- 08103 टाटा- वाराणसी स्पेशल गुरुवार 01.08.24 से 29.08.24 तक। 08104 वाराणसी - टाटा स्पेशल शुक्रवार 02.08.24 से 30.08.24 तक। उपरोक्त विशेष ट्रेनों का समय और ठहराव वर्तमान में चल रही गाड़ी संख्या 08103 / 08104 टाटा- वाराणसी - टाटा स्पेशल के मौजूदा समय और ठहराव के समान होगा ।

जानलेवा हमले के तीन आरोपितों की जमानत याचिका खारिज

रांची। अपर न्यायायुक्त संजीव झा की अदालत ने शुक्रवार को जान मारने की नियत से हमला करने के मामले में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने आरोपित मोहित राज उर्फ मोहित कुमार, निखिल कुमार और अनिकेत कुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी है। तीनों पर नगड़ी थाना अंतर्गत गुटुवा के मेराल गांव निवासी सोनू पटेल और उसका छोटा भाई अमन पटेल पर जानलेवा हमला करने का आरोप है। शिकायतकर्ता की ओर से अधिवक्ता जितेंद्र कुमार ने जमानत देने का जबरदस्त विरोध किया। साथ ही घटना में लगी गंभीर जख्म का फोटोग्राफ अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया। अदालत में बहस के दौरान अधिवक्ता ने कहा कि ऐसे आरोपितों को छोड़ना समाज के घातक हो सकता है।फोटोग्राफ में स्पष्ट है कि कई टांके लगे हुए है। यह गंभीर चोट है। किसी तरह जान बच पाई है। दलील सुनने के बाद अदालत ने याचिका खारिज कर दी। घटना का अंजाम 18 जून की रात दलादली चौक पर दिया गया था। घटना के तीसरे दिन 21 जून को उसके पिता धर्मदेव पटेल ने नगड़ी थाना(दलादली टीओपी) में आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें रिशु कुमार, राज सिंह, विशाल कुमार, सुजल कुमार एवं प्रशांत कुमार का नाम शामिल है।

कांग्रेस सांसद का खालिस्तानी समर्थन का पैरवी करना कांग्रेस के चरित्र को करता है उजागर : मनीर

बिभा संवाददाता

लोहरदगा: भाजपा जिलाध्यक्ष मनीर उरांव ने कहा है कि अमृतपाल सिंह जो की खालिस्तानियों का एक बड़ा समर्थक है और जेल में भी बंद है वैसे व्यक्ति के लिए कांग्रेस के नेता पूर्व मुख्यमंत्री पंजाब सांसद चरणजीत सिंह चन्नी का खुलेआम लोकसभा में पर भी करना कांग्रेस की विचारधारा को प्रकट करता है। इससे यह पता चलता है कि जब कांग्रेस की सरकार मैं मुख्यमंत्री होंगे तो इस प्रकार के विचारधारा को कितना ज्यादा संरक्षण मिला होगा। कांग्रेस फिर से वही इतिहास दोहराना चाहती है कि पंजाब में पुनः एक बार एक भिंडरावाला जन्म ले और रहनुमा लोगों का रहनुमा बनकर जनता के बीच जाएं। परंतु कांग्रेस या भूल चुकी है कि आधुनिक युग में कोई भी व्याख्या छुपती नहीं है। वह जन-जन तक पहुंच जाती है। मशहूर सिंगर मूसे वाला हत्या का कांग्रेस की सरकार में ही हुई और आज वह दोषारोपण भाजपा सरकार पर कर रही है। कांग्रेस न्यायालय को भी नहीं मानती। कोई व्यक्ति हत्यारा है वह चुनाव जीत जाता है तो क्या उसे घूमने की आजादी मिल जाती है। इससे स्पष्ट होता है कि राष्ट्र विरोधी ताकतों को कांग्रेस अपना समर्थन देकर अपने स्वार्थ को साधना चाहती है। चाहे उसके लिए देश का विभाजन ही क्यों न हो जाए।ठीक उसी प्रकार से झारखंड में कांग्रेस के नेता सांसद झूठ परोस रहे हैं , तुष्टीकरण के आधार पर वैसी ताकत को संरक्षण दे रहे हैं जो कि हमारे जनजाति समाज को मूल संस्कृति से अलग कर रहे हैं जो कि बहुत ज्यादा दिन तक चलने वाला नहीं है। इस पर हमारे स्थानीय सांसद को भी विचार रखना चाहिए क्या चंद्रजीत सिंह चन्नी की बातों का वह भी समर्थन करते हैं। ऐसे तो हर बात पर पोस्टर बैनर लेकर लगातार अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं हमें लगता है यह राष्ट्र से जुड़ी मामले हैं इस पर भी अपना विचार स्पष्ट करना चाहिए।

रांची-लोहरदगा लाइन की डबलिंग के लिए फंड का आवंटन सुखद : अरुण जोशी

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड में बहुप्रतीक्षित रांची-लोहरदगा रेललाइन की डबलिंग के लिए आम बजट के माध्यम से बजट का आवंटन किये जाने पर खुशी जताते हुए दक्षिण पूर्व रेलवे के जेडआरयूसीसी सदस्य अरुण जोशी ने वित्त मंत्री और रेलमंत्री के प्रति आभार जताया और कहा कि अब सर्वे का कार्य आरम्भ हो सकेगा। श्री जोशी ने कहा कि पिस्का-लोदमा रेललाइन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। ऐसे में जो ट्रेनें टोरी से बरकाकाना, मूरी व रांची होकर राउरकेला की ओर जाती थी वह अब लोहरदगा, लोदमा, पिस्का के रास्ते चल सकेंगी जिससे 90 किमी दूरी की बचत होगी। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद पिस्का से लोहरदगा-टोरी लाइन पर मालगाड़ी एवं यात्री गाड़ियों के परिचालन में वृद्धि होने की पूर्ण सम्भावना होगी। इस स्थिति में रांची, लोहरदगा, टोरी रेललाइन का दोहरीकरण होना अधिक उपयुक्त है। इससे दक्षिण-पूर्व रेलवे के रांची मंडल में ट्रेनों का आवागमन सुचारू रूप से चलता रहेगा।

विदित हो कि रांची-लोहरदगा लाइन के दोहरीकरण कार्य के लिए बजटीय आवंटन हेतु दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक को मई 2023 में पत्राचार कर रेल मंत्रालय से समन्वय बनाने का सुझाव दिया था। मांग के पूर्ण होने पर श्री जोशी ने महाप्रबंधक के अलावा रांची रेलमंडल को भी धन्यवाद दिया।

महाप्रबंधक ने स्थायी वार्ता तंत्र को लेकर की बैठक

बिभा संवाददाता

हाजीपुर : महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह की अध्यक्षता में मुख्यालय स्थित सभाकक्ष में 25.07.2024 एवं 26.07.2024 को ईस्ट सेन्ट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन (ईसीआरकेयू) के पदाधिकारियों के साथ रेल हित, कर्मचारी कल्याण संबंधी कार्यों पर विचार-विमर्श एवं सुझावों के आदान प्रदान हेतु स्थायी वार्ता तंत्र की वर्ष 2024 की प्रथम बैठक का आयोजन हुआ । बैठक में प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री बी. के. सिंह एवं सभी विभागों के प्रधान विभागाध्यक्ष तथा अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे ।

बैठक में कर्मचारी हित से जुड़े कई मुद्दों पर गहन चर्चा एवं विचार विमर्श किया गया । यूनियन ने सूदूरवर्ती स्टेशनों पर पदस्थापित रेलकर्मियों हेतु आवास, रेल अस्पतालों में दवाईयों की पर्याप्त उपलब्धता, कैडर उन्नयन, प्रशिक्षण केन्द्रो का उन्नयन आदि महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान आकृष्ट कराया। इस अवसर पर अपने संबोधन में महाप्रबंधक ने कहा कि कर्मचारी हित अति महत्वपूर्ण है एवं रेल प्रशासन इसके लिए प्रतिबद्ध है । महाप्रबंधक ने प्रशासन के साथ सहयोगात्मक रवैये के लिए कर्मचारी यूनियन के प्रति आभार प्रकट करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि रेलकर्मी के अथक परिश्रम से पूर्व मध्य रेल आने वाले समय में नई ऊंचाई प्राप्त करने में सफल रहेगा। महाप्रबंधक ने कर्मचारी यूनियन के सुझावों को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक एवं त्वरित कार्यवाही का आश्वासन दिया। उन्होंने रेलकर्मियों के कल्याण व आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था, रेलवे की आय बढ़ाने तथा विकास कार्यों पर विशेष बल दिए जाने की प्रतिबद्धता दुहराई तथा पूर्व मध्य रेल की प्रगति में यूनियन की सहभागिता के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया।

बैठक में ईस्ट सेन्ट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष श्री डी0के0पाण्डेय, महामंत्री श्री एस0एन0पी0 श्रीवास्तव एवं यूनियन के मुख्यालय एवं मंडल के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे तथा अपना मंतव्य रखा ।

आद्रा मंडल की कई ट्रेनें होंगी प्रभावित, दक्षिण पूर्व रेलवे ने विकास कार्यों के चलते लिया फैसला

बिभा संवाददाता

कोलकाता: आद्रा मंडल में विकासात्मक कार्यों के मद्देनजर निम्नलिखित ट्रेनों को निम्नानुसार विनियमित किया जाएगा:

ट्रेनों का रद्दीकरण:

08680/08679 आद्रा-मिदनापुर-आद्रा मेमू स्पेशल, 30.07.2024, 02.08.2024 और 04.08.2024 को शुरू होने वाली यात्रा रद्द रहेगी।

08671/08672 आद्रा-भागा-आद्रा मेमू स्पेशल, 02.08.2024 को शुरू होने वाली यात्रा रद्द रहेगी।

ट्रेनों का अल्प समापन/अल्प उद्गम:

03594/03593 आसनसोल-पुरुलिया-आसनसोल मेमू स्पेशल, 29.07.2024, 30.07.2024, 31.07.2024 03.08.2024 और 04.08.2024 को शुरू होने वाली यात्रा आद्रा से शीघ्र समाप्त की जाएगी।

18024/18023 एनएससीबी गोमो-खड़गपुर-एनएससीबी गोमो एक्सप्रेस, 02.08.2024 को शुरू होने वाली यात्रा चंद्रकोना रोड पर समाप्त/शॉर्ट ओरिजिनेट की जाएगी।

08174/08652 टाटानगर-आसनसोल-बाराभूम मेमू स्पेशल, 29.07.2024, 01.08.2024 और 02.08.2024 को शुरू होने वाली यात्रा आद्रा से थोड़ी देर में समाप्त की जाएगी।

ट्रेन का मार्ग परिवर्तन:

18601 टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस, दिनांक 29.07.2024 से 04.08.2024 तक परिवर्तित मार्ग चांडिल-गुंडा बिहार-मुरी के रास्ते चलेगी.

विशेष ट्रेनों का सिलसिला जारी

कोलकाता, : यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के उद्देश्य से, दिए गए कार्यक्रम के अनुसार विशेष ट्रेनों का संचालन जारी रखने का निर्णय लिया गया है :-

02837 संतरागाछी-पुरी स्पेशल 25.10.2024 तक चलती रहेगी
02838 पुरी-संतरागाछी स्पेशल 26.10.2024 तक चलती रहेगी
08011 भंजपुर-पुरी स्पेशल 31.10.2024 तक चलती रहेगी
08012 पुरी-भंजपुर स्पेशल 01.11.2024 तक चलती रहेगी
08007 शालीमार-भंजपुर स्पेशल 31.10.2024 तक चलती रहेगी
08008 भंजपुर-शालीमार स्पेशल 02.11.2024 तक चलती रहेगी
02839 शालीमार-पुरी स्पेशल 27.10.2024 तक चलती रहेगी
02840 पुरी-शालीमार स्पेशल 28.10.2024 तक चलती रहेगी
02847 संतरागाछी-दीघा स्पेशल 26.10.2024 तक चलती रहेगी
02848 दीघा-संतरागाछी स्पेशल 26.10.2024 तक चलती रहेगी
02897 संतरागाछी-दीघा स्पेशल 27.10.2024 तक चलती रहेगी
02898 दीघा-संतरागाछी स्पेशल 27.10.2024 तक चलती रहेगी
08103 टाटानगर-वाराणसी स्पेशल 29.08.2024 तक चलती रहेगी
08104 वाराणसी-टाटानगर स्पेशल 30.08.2024 तक चलती रहेगी
02863 हावड़ा-यशवंतपुर स्पेशल 15.08.2024 तक चलती रहेगी
02864 यशवंतपुर-हावड़ा स्पेशल 17.08.2024 तक चलती रहेगी

एसईआर ट्रेन पुनर्निर्धारित

रांची : 12863 हावड़ा-एसएमवीटी बेंगलुरु एक्सप्रेस को परिचालन संबंधी बाधा के कारण 26.07.2024 को 22:50 बजे के बजाय 27.07.2024 को 01:30 बजे हावड़ा छोड़ने के लिए पुनर्निर्धारित किया गया है।

दक्षिण पूर्व रेलवे की क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की हुई बैठक

बिभा संवाददाता

कोलकाता: दक्षिण पूर्व रेलवे की क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2024 की दूसरी बैठक श्री अनिल कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व रेलवे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में दक्षिण पूर्व रेलवे के सभी प्रधान विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। इसके अलावा, मंडलों के अपर मंडल रेल प्रबंधक तथा खड़गपुर कारखाना के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी भी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित हुए।

इस बैठक में दक्षिण पूर्व रेलवे पर हो रहे राजभाषा कार्यों की समीक्षा की गयी । महाप्रबंधक महोदय ने राजभाषा के प्रयोग-प्रसार के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिसपर अमल किया जायेगा । मुख्यालय और मंडलों में राजभाषा के कार्यशाला एवं हिंदी टिप्पण एवं वाक्य प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए महाप्रबंधक महोदय ने सराहना की । उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने का भी निर्देश दिया। जो कर्मचारी हिंदी में प्रशिक्षित नहीं हैं उन्हें यथाशीघ्र प्रशिक्षित करने का निर्देश दिया। ई-ऑफिस में हिंदी में छोटी - छोटी टिप्पणी देने का भी निर्देश दिया, जिससे राजभाषा का प्रचार-प्रसार हो ।बैठक का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री पी. सी. डांग, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने किया।

संक्षिप्त खबरें

आदिवासी हो समाज महासभा के संस्थापक अध्यक्ष स्व0 सागु सामड की जयंती के अवसर पर रक्तदान शिविर कार्यक्रम आयोजन 3 को

चाईबासा(बिभा)। आगामी तीन अगस्त को आदिवासी हो समाज महासभा के संस्थापक अध्यक्ष स्व० सागु सामड की जयंती के अवसर पर रक्तदान शिविर कार्यक्रम आयोजन करने के लिए आदिवासी हो समाज युवा महासभा के निर्वतमान पदाधिकारियों ने मझगाँव में बैठक किया । बैठक की अध्यक्षता प्रखंड कमिटि के निर्वतमान अध्यक्ष प्रोसेस उर्फ अनिल चातर ने किया । बैठक में चर्चा हुआ है कि संस्थापक अध्यक्ष स्व ० सागु सामड का जयंती हमलोग हर साल तीन अगस्त को मनाते हैं । समाज में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सज्जन के सम्मान में विशेष कार्यक्रम का आयोजन होना जरूरी है । इसलिए निर्णय लिया गया है कि स्व० सामड जी की स्मृति में सदर अस्पताल चाईबासा के साथ मझगाँव में एकदिवसीय रक्तदान शिविर कार्यक्रम आयोजित किया जाए और जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध कराया जा सके । इसके तैयारी में आदिवासी हो समाज युवा महासभा का टीम लगेंगे और प्रचार-प्रसार कर ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को रक्तदान करने के लिए प्रेरित करते हुए निमंत्रण भी देंगे । बैठक में निर्वतमान झारखंड प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द बिरूवा,जिला उपाध्यक्ष जीत सिंह जोजो,प्रखंड उपाध्यक्ष नंदलाल तिरिया,प्रखंड कोषाध्यक्ष अमर सिंह चातर,सदस्य टाईगर पिंगुवा,श्रीधर पिंगुवा,लाल पिंगुवा,कुंवर सिंह कुंकल आदि लोग मौजूद थे ।

पहली बार ऑल इंडिया रेलवे ट्रैक मेंटेनर यूनियन ने दक्षिण पूर्व रेलवे जोन में अपना परचम लहराया: चांद मोहम्मद

चाईबासा(बिभा): चक्रधरपुर 2 रांची 2 में अपनी जीत हासिल किए चक्रधरपुर मंडल के अंतर्गत चाईबासा इंजीनियरिंग विभाग में लालू कुजूर ने अपने निकटतम प्रतिबंध मेंस कांग्रेस के अनुरोध प्रधान को 28 वोटो से हराया, जबकि आदित्यपुर और झारसुगुड़ा में ऑल इंडिया रेलवे ट्रैक मेंटेनर यूनियन दूसरे स्थान प्राप्त किया, रांची मंडल बानों पी डब्ल्यू ई से अनुज कुमार चौधरी ने अपने निकटतम प्रतिबंधी मेंस कांग्रेस के जी भी राव को 29 वोट से हराया। रांची पी डब्ल्यू ई से ऑल इंडिया रेलवे ट्रैक मेंटेनर यूनियन के प्रत्याशी बलिराम प्रसाद ने अपने निकटतम प्रतिबंध मेंस कांग्रेस के पवन कुमार शर्मा को 50 वोट से हराया, नेशनल यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष चांद मोहम्मद ने कहा कि जो भी ट्रैक मेंटेनर ऑल इंडिया रेलवे ट्रैक मेंटेनर यूनियन को ?जनादेश दिए हैं हम उन स्वीकार करते हैं। ऑल इंडिया रेलवे ट्रैक मेंटेनर यूनियन के तरफ से धन्यवाद देते हैं। हम जो भी कर्मचारी का हित का कार्य होगा वो हम करेंगे और ऑल इंडिया रेलवे ट्रैक मेंटेनर यूनियन कर्मचारी हित के लिए कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करेगी। चाईबासा से जीत के बाद लालू कुजूर ने कहा कि यह मेरी जीत नहीं बल्कि उन सभी मतदाताओं की जीत है जो स्वच्छ व्यवस्था चाहते है। मेरा पूरा प्रयास होगा कि अन्य रेल मंडल की तरह हमारा चक्रधरपुर रेल मंडल में भी हमारे शेयर होल्डर को जो लोन में ब्याज के रूप में 10% लिया जाता है, उसे 5% दिया जाए। बीमा की व्यवस्था हो, विवाह लोन की व्यवस्था हो, इसके साथ ही अन्य जो भी मुझे हमारे साथियों के हित के लिए कार्य होना है, उसे मैं पूरा करने का शपथ प्रतिशत प्रयास करूंगा।

ट्रैक मेंटेनर की समस्या पहुंचा रेल मंत्री तक, चांद मोहम्मद

चाईबासा(बिभा)। AIRTU ऑल इंडिया रेलवे ट्रैक मेंटेनर यूनियन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष चांद मोहम्मद (चक्रधरपुर मंडल से) ने सांसद प्रिया सरोज को ट्रैक मेंटेनर की समस्या को लेकर अवगत कराया था जिनको लेकर प्रिया सरोज ने रेल मंत्री से मिलकर ज्ञापन सौपा।

सड़क दुर्घटना में कोई भी व्यक्ति घायल अवस्था में मिले तो तुरंत अस्पताल ले जाए : प्रशिक्षु डीएसपी प्रदीप कुमार

बिभा संवाददाता

चाईबासा। सड़क दुर्घटना में कोई व्यक्ति घायल अवस्था में दिखे तो तुरंत अस्पताल या तो पुलिस को सूचना दे अगर आप ऐसा करोगे तो आपको भी कोई मदद जरूर करेगी उक्त बातें पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा जिला के प्रशिक्षु डीएसपी प्रदीप कुमार ने जगन्नाथपुर मुख्यालय के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर जगन्नाथपुर व राजकीय रसेल उच्च प्लस टू विद्यालय में परिवहन विभाग के द्वारा चलाए जा रहे हैं सड़क सुरक्षा नियम के तहत स्कूल बच्चों को जागरूकता अभियान में कही।उन्होंने कहा कि जीवन का कोई बटन नहीं होता है जिसे दबाये और ठीक हो जाए.इसलिए ट्रैफिक रूल का पालन करना चाहिए।साथ ही अपने परिवार व रिश्तेदार को सड़क सुरक्षा नियम को लेकर जागरूक करें।

वही जगन्नाथपुर एसडीपीओ राकेश नंदन मिंज ने उपस्थित बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा का शक्ति से पालन करें।जब भी घर से निकले तो गाड़ी के साथ हेलमेट पुरी कागजात के साथ निकले.श्री मिंज ने कहा कि सरकार द्वारा यह नियम बनाया गया है कि किसी भी घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचने पर सरकार की ओर से सहयोग राशि के साथ-साथ पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त के द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा.उन्होनें कहा कि बहुत से लोग घायल को अस्पताल नहीं पहुंच जाते हैं यही सोचते हैं कि पुलिस केस हो जाएगा.यह उन लोगो की भूल है।पुलिस आपसे कोई पुछताछ नही करेगी।

वही जगन्नाथपुर बीडीओ अमित कुमार मिश्रा ने उपास्थित बच्चों से कहा कि आज कल आये दिन सड़क दुर्घटना बढ़ते जा रही है इसे रोकना हम लोगों कर्तव्य बनता है पर ऐसा कैसे होगा ऐसा तब होगा जब आप लोग अपने माता-पिता भाई बहन रिश्तेदार परिचित लोगों से सड़क सुरक्षा का नियम के बारे में जागरूक करेंगे। उन्होंने बच्चों से कहा कि सड़क पार करते समय आगे पीछे जरूर देख ले कहीं गाड़ी तो नहीं आ रही है इसलिए उन्होंने कहा कि कम उम्र के बच्चे जब तक उम्र ना हो जाए बिना लाइसेंस के गाड़ी ना चलाएं उन्होंने सभी से कहा कि नजर हटी तो दुर्घटना घटी इसलिए सभी लोग सड़क सुरक्षा का नियम का पालन करें।

वही अंचल अधिकारी मनोज मिश्रा ने कहा कि आए दिन देखा जा रहा है कि सड़क सुरक्षा नियम का पालन नहीं करने पर प्रत्येक वर्ष लाखों लोगों की जान चली जाती है साथ ही बहुत से लोग घायल हो जाते हैं जिनका जीवन बर्बाद हो जाता है।इसलिए बच्चे सभी लोग खुद के साथ-साथ अपने परिवार रिश्तेदार परिचित लोगों को सड़क सुरक्षा का संदेश पहुँचाये।

वही जगन्नाथपुर थाना प्रभारी शिवनारायण तिवारी ने कहा कि 18 साल के कम उम्र के बच्चे मोटरसाइकिल ना चलाएं।साथ ही अपने घर परिवार और समाज को सड़क सुरक्षा का नियम को लेकर जागरूक करें शराब पीकर गाड़ी ना चलाएं साथ ही ज्यादा तेज गाड़ी ना चलाएं सरकार के दिए गए गाइडलाइन का पालन करें

वही जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधन आशुतोष कुमार ने बताया कि बढ़ते सड़क दुर्घटना को देखते हुए परिवहन विभाग के द्वारा चलाए जा रहा है सड़क सुरक्षा के नियम स्कूलों में जागरूक अभियान चलाया जा रहा है जिसमें जिले के और प्रखंड के तथा अनुमंडल के स्तर के विभिन्न पदाधिकारी भाग ले रहे हैं और आम जनों तक सड़क सुरक्षा का संदेश को पहुंचाने का काम कर रहे है।

मौके पर रोड इंजीनियर एंथोनी हुसैन, आईटी एसेसमेंट कुबेर प्रसाद महतो,मुकेश दास शिशु विद्या मंदिर विद्यालय के प्रधानाचार्य काशीनाथ तिवारी, अध्यक्ष जगदीश चंद्र सिंकु,सचिव जीतु गुप्ता, विद्यालय रोड सेफ्टी प्रमुख सुकदेव पाल ,हाईस्कूल के रविद्रनाथ तिवारी, कमल किशोर कांडाईत, रामाशंकर,राकेश पाल,संदीप महतो, मो.राजिक, मुकेश महतो, सुजता महतो,सवित्रा यादव,दीपक यादव आदि उपास्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर डीसी व एसपी ने की बैठक

बिभा संवाददाता

चाईबासा।पश्चिमी सिंहभूम जिला समाहरणालय स्थित सभागार में जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त कुलदीप चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर के संयुक्त अध्यक्षता में आगामी 15 अगस्त 2024 को 78 वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम की तैयारियों के निमित्त बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बताया गया कि जिला अंतर्गत आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम का आयोजन पुलिस लाइन केंद्र- चाईबासा में गणमान्य जनों की मौजूदगी पर किया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम स्थल पुलिस लाइन में पूर्वाह्न 9:05 बजे, तदुपरांत सिंहभूम प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय, जिला समाहरणालय सहित जिले के समस्त कार्यालय, सदर अनुमंडल कार्यालय, जिला परिषद कार्यालय एवं रेड क्रॉस सोसाइटी परिसर में झंडोत्तोलन किया जाएगा।बैठक उपरांत उपायुक्त के द्वारा बताया गया कि जिले में पूरे हर्षोल्लास के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया जाना है, इस निमित्त जिले में मौजूद सभी शहीद स्मारकों और महापुरुषों के प्रतिमाओं की साफ-सफाई एवं उस पर माल्यार्पण, समाहरणालय में सेल्फी स्थल, क्षेत्र में साफ-सफाई तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विभिन्न समाजिक संस्था को रक्तदान/स्वास्थ्य/नशामुक्ति जागरूकता शिविर आयोजित कराने को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा मुख्य समारोह स्थल पर सभी आगंतुकों सहित मीडिया व आमजन आदि के बैठने हेतु बेहतर व्यवस्था करने, शहर में विभिन्न स्थानों पर तोरण द्वार का निर्माण करने सहित स्थल पर बेहतर एवं उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के तदर्थ कई अन्य बिंदुओं पर भी संलग्न पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है।उक्त बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी, परियोजना निदेशक-आईटीडीए, अनुमंडल पदाधिकारी पोड़ाहाट-चक्रधरपुर, सहायक समाहर्ता, प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा, नजारत शाखा, पुलिस उपाधीक्षक(मुख्यालय), जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित अन्य जिलास्तरीय पदाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लोकतंत्र बचाओ अभियान ने मुख्यमंत्री को लंबित वादों को याद दिलाते हुए कार्यवाई की मांग की

बिभा संवाददाता

चाईबासा। आज लोकतंत्र बचाओ अभियान (अबुआ झारखंड, अबुआ राज) ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को संलग्न पत्र लिखकर उनके द्वारा किये गए वादों, जो अपूर्ण है, को याद दिलाया और विधान सभा से पूर्व लंबित वादों और ज्वलंत मुद्दों पर कार्यवाई की मांग किया. अभियान ने पत्र में मुख्यमंत्री को याद दिलाया है कि लोक सभा चुनाव में अभियान ने लोगों को जन मुद्दों और संविधान पर हो रहे हमलो के विरुद्ध संगठित किया था जिसका परिणाम पांच आदिवासी सीटों पर देखने को मिला. अभियान का स्पष्ट मानना है कि मोदी सरकार, आरएसएस व भाजपा झारखंड, लोकतंत्र, संविधान और मेहनतकश वर्ग के लिए सबसे बड़े खतरे हैं. ऐसी परिस्थिति में राज्य में होने वाले विधान सभा चुनाव की अहमियत और बढ़ जाती है. सरकार के अनेक वादे अभी भी अपूर्ण है. अभियान ने जल, जंगल, जमीन, स्वशासन से सम्बंधित यादों और मुद्दों को याद दिलाया है. पूर्व की भाजपा सरकार द्वारा राज्य के 22 लाख एकड़ गैर-मजरुआ व सामुदायिक जमीन को लैंड बैंक में डाल दिया गया था. लैंड बैंक को तुरंत रद्द किया जाए. ईचा-खरकाई डैम योजना, नेतरहाट फील्ड फायरिंग रेंज योजना व लुगु बुरु में पॉवर प्लांट योजना को पूर्ण रूप से रद्द किया जाए. विस्थापन सह पुनर्वास आयोग का गठन हो. वन अधिकार कानून अंतर्गत सामुदायिक पट्टों का वितरण किया जाए व वन ग्रामों का नियमतिकरण हो ताकि आदिवासी व वन पर आधारित समुदाय अपने अधिकारों से वंचित न हो. भूमिहीन परिवारों, खास कर दलितों, को पर्याप्त भूमि पट्टा का आवंटन हो.साथ ही, पांचवी अनुसूची क्षेत्रों में आदिवासियों के स्वसाशन के अधिकारों को पेसा के संगत पुर्णत लागू किया जाए और पेसा नियमावली का गठन हो. सर्वोच्च न्यायलय के 25 जुलाई 2024 के निर्णय अनुसार राज्य सरकार तुरंत खनन पर राज्य कर लगाये एवं उसका कम-से-कम आधा हिस्सा ग्राम सभा को दे. क्षेत्र अनुरूप आदिवासी भाषाओँ के पर्याप्त शिक्षक नियुक्त किये जाये.गठबंधन दलों ने वादा किया था कि लम्बे समय से जेलबन्द विचाराधीन कैदियोंको रिहा किया जायेगा. लेकिन इस ओर कोई कार्यवाई नहीं हुई है. इसके साथ-साथ फर्जी मामलों में फंसे आदिवासी - मूलवासियों व वंचितों के मामलों को बंद करने के लिए उच्च स्तरीय न्यायिक जांच का गठन हो.

अभियान ने व्यापक रिक्तियों पर भी ध्यान केन्द्रित किया है और मांग किया है कि झारखंडी जनाकांक्षाओं के आधार पर स्थानीयता और नियोजन नीति को तुरंत लागू किया जाए. सभी रिक्त पदों को भरा जाए खास कर शिक्षा व स्वास्थ्य सेवा सम्बंधित सभी पदों को. सभी नियुक्तियों में प्राथमिकता स्थानीय व आदिवासी - मूलवासियों को दी जाए. राज्य के भूमिहीन दलित समुदायों के लिए जाति प्रमाण पत्र बनवाना एक बहुत बड़ी समस्या है. इस प्रक्रिया को सरल बनाते हुए आवेदकों को तुरंत जाति प्रमाण पत्र दिया जाए. साथ ही, पलायन रोकने के लिए तुरंत मनरेगा में भ्रष्टाचार पर कड़ी कार्यवाई हो एवं शहरी रोजगार गारंटी योजना लागू हो.

युवा कांग्रेस ने लॉन्च किया हर घर खटाखट कार्यक्रम

बिभा संवाददाता

चाईबासा: कांग्रेस भवन चाईबासा में युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रीतम बांकिरा व युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय समन्वयक चंदन कुमार राय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर युवा कांग्रेस के हर घर खटाखट कार्यक्रम को लॉन्च किया।

कार्यक्रम को लॉन्च करते हुए राष्ट्रीय समन्वयक ने कहा कि हर घर खटाखट कार्यक्रम के तहत युवा कांग्रेस के सभी कार्यकताओं को झारखंड सरकार की 10 योजनाओं की जानकारी जनता को देंगे और बताएंगे कि किस प्रकार झारखंड में कांग्रेस गठबंधन की सरकार ने साढ़े चार वर्षों तक जनता को सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने का काम किया है। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रीतम बांकिरा ने कहा कि आज जिला में हर घर खटाखट कार्यक्रम लॉन्च किया जा रहा है और इस कार्यक्रम के तहत हमारे युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता चलो पंचायत - चलो वार्ड के नारे के साथ जिला के पंचायतों में चौपाल लगाकर सरकार द्वारा जनता को दी जा रही योजनाओं की जानकारी और चर्चा जनता के साथ करेंगे कि कैसे झारखंड सरकार ने सर्वजन पेंशन,200 यूनिट बिजली फ्री,2 लाख तक कृषि ऋण माफी,अबुवा आवास योजना, सावित्रीबाई फुले योजना के माध्यम से 8 क्लास से लेकर 18 साल तक की छात्राओं को चालीस हजार रुपए,सोना सोबरन धोती साड़ी योजना, पुरानी पेंशन स्कीम योजना, मुख्यमंत्री बहन बेटी स्वावलंबन योजना के माध्यम से राज्य के करोड़ों लोगों को लाभान्वित करने का काम कर रही है। आगे श्री बांकिरा ने कहा कि हर घर खटाखट कार्यक्रम के साथ साथ ही युवा कांग्रेस पंचायत और बूथ के युवाओं से भी संवाद कर उन्हें संगठन में जोड़ने का काम करेगी। कार्यक्रम में युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष सौरभ अग्रवाल, प्रदेश महासचिव दीनबंधु बोयपाई,जिला महासचिव सन्नी रॉबर्ट अंथोनी, सन्नी पाट पिंगुवा, सुनील संवैया, जिला सचिव प्रतीक कुमार,सदर विधानसभा उपाध्यक्ष जीतेंद्र गोप,कांग्रेस झींकपानी प्रखंड अध्यक्ष सिकुर गोप, खूंटपानी प्रखंड अध्यक्ष साकारी दोंगो,रंजन मुंदुईया,आकाश सांडिल, बबलू कांडेयांग आदि उपस्थित रहे।

युजी में ऑनलाइन अप्लाई किये सभी विद्यार्थी का नामांकन सुनिश्चित हो : सुबोध

चाईबासा। कोल्हान विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले सभी कॉलेजों में युजी का नामांकन चल रहा है । विदित हो कि युजी में दाखिला लेने का अंतिम तिथि समाप्त हो गई है परंतु वैसे बहुत सारे विद्यार्थी हैं जिनका नामांकन हेतु ऑनलाइन अप्लाई हुआ है परंतु उनका नामांकन कॉलेज प्रशासन सीट फुल हो जाने की वजह बताकर नामांकन नहीं ले रहा है। छात्र संघ का कहना है कि जब सीट फुल हो गया था तो उस स्थिति में विद्यार्थियों का ऑनलाइन अप्लाई होना ही नहीं चाहिए था अब विद्यार्थी ऑनलाइन अप्लाई कर चुके हैं और उनका नामांकन नहीं होना छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने जैसा है ।

शिक्षा का अधिकार और इसका प्रभावशाली कार्यान्वयन- पश्चिमी सिंहभूम जिला का दृष्टिकोण

संतोष वर्मा

चाईबासा। सार्वजनिक शिक्षा का अधिकार (RTE) कानून के तहत कमजोर वर्गों के छात्रों के लिए निजी/गैर अनुदानित विद्यालयों में उनके प्रवेश कक्षा के कुल क्षमता के 25% सीटों पर समाज के अभिवंचित तथा कमजोर वर्ग के बच्चों के नामांकन हेतु 25% आरक्षण प्रदान किया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य है कि समाज के कमजोर वर्ग के बच्चों को भी अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त हो सके। पश्चिमी सिंहभूम जिले में इस कानून का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए एक नया और उन्नत RTE डैशबोर्ड विकसित किया गया है, जो तकनीकी उपायों का उपयोग करके सामाजिक रूप से पिछड़े बच्चों को उनके पसंदीदा निजी स्कूलों में प्रवेश दिलाने में मदद करता है।

योग्यता/मानदंड

दूरी- विद्यार्थी का निवास स्थान इच्छित स्कूल से 6 किलोमीटर की सीमा के भीतर होना चाहिए। पते के प्रमाण के रूप में आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, रोजगार कार्ड, राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और बिजली बिल मान्य होंगे।

आय- छात्रों के परिवार की वार्षिक आय 72,000 रुपये या उससे कम होनी चाहिए। आय प्रमाण पत्र आवश्यक होगा।

कमजोर और अभिवंचित वर्ग- आरटीई के तहत निःशुल्क शिक्षा प्राप्त करने वाले बच्चे कमजोर और वंचित समूहों से होने चाहिए। जैसे- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग। सामान्य वर्ग के तहत वैसे बच्चे जिनके परिवार का सकल श्रोतों से वार्षिक आय ?72000/- या उससे कम हो।

उम्र- नर्सरी या एलकेजी कक्षा में प्रवेश के लिए दिनांक 31.03.2024 को उम्र 3.5 से 4.5 वर्ष होनी चाहिए और कक्षा 1 में प्रवेश के लिए उम्र 5.5 से 7 वर्ष होनी चाहिए।

निवास- छात्र का निवास स्थान पश्चिमी सिंहभूम जिला होना चाहिए। यदि छात्र इस जिला का निवासी नहीं है, तो वह अपने जिले में आवेदन कर सकता है।

जाति- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी(क्रीमी या नॉन-क्रीमी), अल्पसंख्यक या अन्य पिछड़े वर्ग के विद्यार्थी झारखंड सरकार के आरटीई कानून के तहत लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

विकलांगता- अगर विद्यार्थी की विकलांगता 40% या उससे अधिक है, तो उसे आरटीई कानून के तहत विशेष लाभ प्राप्त होंगे।

अनाथ/एकल माता-पिता- यदि विद्यार्थी अनाथ है या एकल माता-पिता के तहत रह रहा है, तो उसे आरटीई कानून के तहत विशेष लाभ प्राप्त होंगे।

लाभ

पारदर्शिता- पोर्टल छात्रों, स्कूलों और डीएसई कार्यालय के बीच पूरी पारदर्शिता प्रदान करता है।

वास्तविक समय निगरानी- सभी आवेदनों, आवंटन प्रक्रिया और स्कूलों से प्रवेश सूचनाओं की निगरानी एक ही प्लेटफार्म पर की जाती है।

कम खाली सीटें- पोर्टल के माध्यम से अधिक छात्रों का प्रवेश संभव हो पाया है, जिससे आरटीई पश्चिमी सिंहभूम के तहत प्रवेश में वृद्धि हुई है।

कम समय और संसाधन- सिस्ट्म जनरेटेड प्राथमिकता और आवंटन के माध्यम से छात्रों को तेजी से और कम संसाधनों के साथ प्रवेश दिया जाता है।

भविष्य की योजनाएं

दस्तावेजों का सत्यापन- संबंधित विभागों को दस्तावेजों, जैसे- आय प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, पीएच प्रमाण पत्र आदि की सत्यापन के लिए अलग से लॉगिन प्रदान किया जाएगा।

आरटीई छात्र उपस्थिति प्रणाली- स्कूल डैशबोर्ड पर छात्रों की मासिक उपस्थिति अपलोड करने की सुविधा होगी, जिससे प्रशासन छात्र की उपस्थिति को आसानी से ट्रैक कर सकेगा।

गैर-निवारण प्रणाली- प्रवेश प्राप्त करने वाले छात्रों को स्कूल से बाहर निकालने या छोड़ने की स्थिति में पूरी ट्रैकिंग और शिकायत निवारण प्रणाली की व्यवस्था की जाएगी। पश्चिमी सिंहभूम में फ्ळए पोर्टल का प्रबंधन एक विशाल और सक्रिय प्रक्रिया है, जिसे बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस पोर्टल को खोलने हेतु "http://jep-westsinghbhum.in टाईप किया जाना है। आवेदक के उम्र की गणना तथा उसके सकल वार्षिक पारिवारिक आय की गणना दिनांक 31.03.2024 के आधार पर की जाएगी एवं सभी प्रमाण पत्र सक्षम प्राधिकार के द्वारा निर्गत की गई हो। नामांकन हेतु यह पोर्टल दिनांक 26.07.2024 से दिनांक 12.08.2024 तक खुला रहेगा। सभी अभ्यर्थी इसी समय के भीतर अपना नामांकन हेतु ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगे।

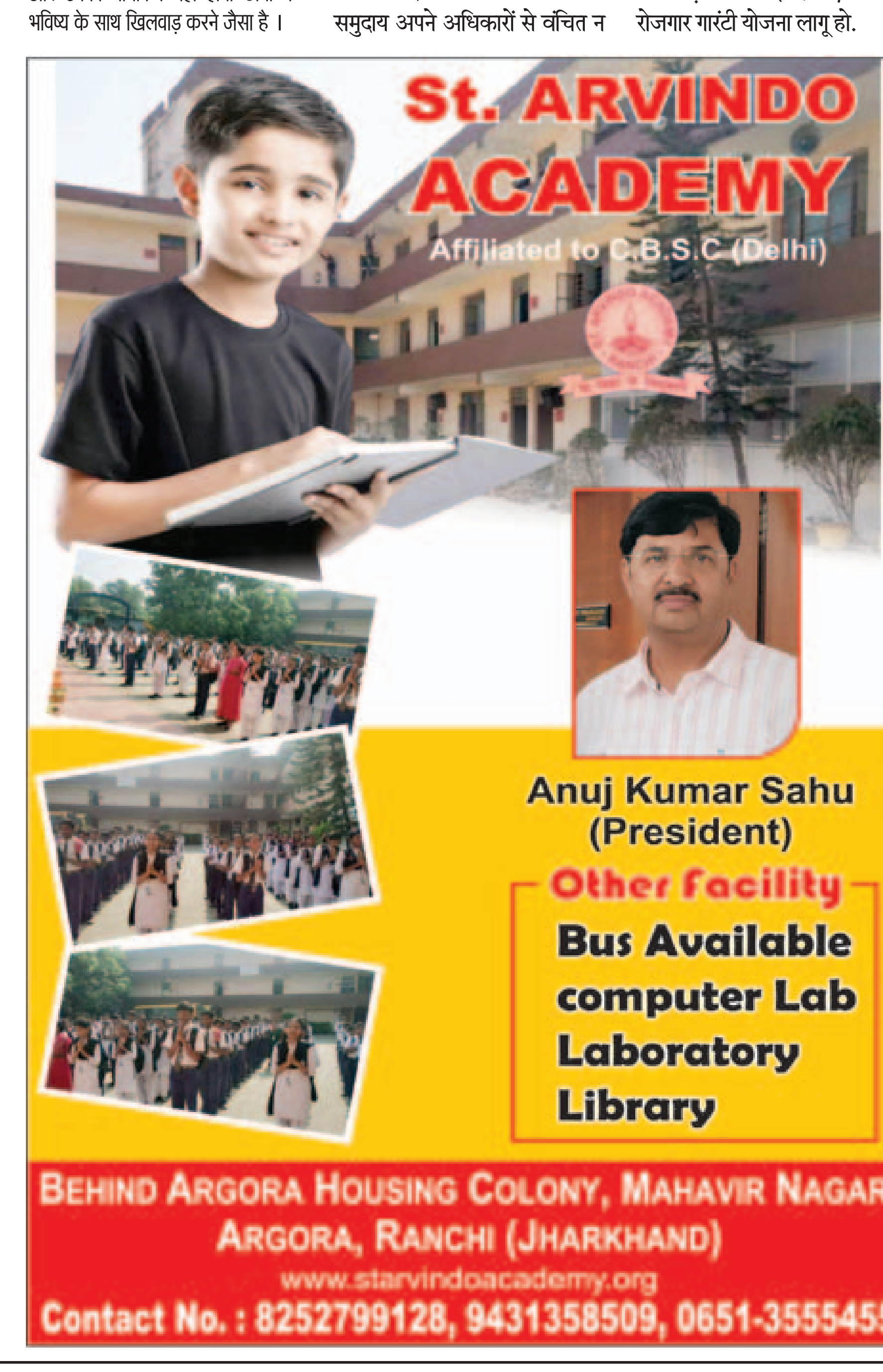

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक कविता साहू***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com